शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 307 | गुवाहाटी | मंगलवार, 6 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पूरे विश्व के साथ-साथ राज्यभर मनाया गया पर्यावरण दिवस — पेज 3
हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत-अमेरिका की साझेदारी महत्वपूर्ण — पेज 4
प्रदूषण के दुष्परिणामों से बचने को पर्यावरण अनुकूल आचरण अनिवार्य : मुख्यमंत्री योगी — पेज 5
प्रदेश में हमारी सरकार नहीं, हम केवल सरकार में सहयोगी : अजय चौटाला — पेज 8

असम-अरुणाचल सीमा : पेड़ लगाने गए थे, फायरिंग में गए दो प्राण

धेमाजी। असम के धेमाजी जिले में अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर सोमवार को कथित गोलीबारी हुई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लापता हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां ने बताया कि स्थानीय लोगों ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अंतर्राज्यीय सीमा क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान की व्यवस्था की थी। सुबह सात ग्रामीण व्यवस्था करने के लिए पहले ही चले गए थे। वे कथित तौर पर गोलीबारी की चपेट में आ गए, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीन अन्य लोग गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें स्थानीय लोगों द्वारा धेमाजी सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। भुइयां ने बताया कि तीन अन्य लापता हो गए और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद हमारी टीम मौके पर पहुंची। हम घटना की जांच कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने अरुणाचल प्रदेश के उपद्रवियों की संलिप्तता का आरोप लगाया, क्योंकि क्षेत्र में अंतर-राज्यीय सीमा को लेकर विवाद है। -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी ने दो राजमार्गों का किया उद्घाटन, दो की रखी आधारशिला

गुवाहाटी /नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को असम में दो नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में भी नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट का अनावरण किया। इन चार प्रोजेक्ट का कुल मूल्य 1,450 करोड़ रुपए है। गडकरी ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 535 करोड़ रुपए की परियोजना लागत से एनएच 15 पर 4-लेन मंगलदै बाईपास (15 किमी) के -शेष पृष्ठ दो पर

कार से छह करोड़ की हेरोइन जब्त एक गिरफ्तार

डिफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक कार से 6 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन जब्त की गई। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बरपोथर थाना क्षेत्र के करीब तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान नगालैंड से आ रहे एक कार को रोक लिया। कार की तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने कार के दरवाजे के पैनल में छिपाकर रखे गए 89 साबुन के डिब्बों से 1.10 किलोग्राम हेरोइन बरामद की।

मैट्रिक परीक्षा समाप्त, सेबा और एएचएसईसी का विलय : सीएम

गुवाहाटी। शिक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में मैट्रिक या मैट्रिक परीक्षा को समाप्त करने की घोषणा की है। यह निर्णय राज्य द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के पालन के हिस्से के रूप में आया है और इसका उद्देश्य छात्रों को कक्षा 10 से उच्च शिक्षा में एक निर्बाध संक्रमण प्रदान करना है। नए दिशा-निर्देशों के तहत असम में अलग से मैट्रिक की परीक्षा नहीं होगी। इसके बजाय, कक्षा 10 के छात्रों के लिए कक्षा इकाई परीक्षण सहित मूल्यांकन करने के लिए स्कूल प्रशासन जिम्मेदार होगा। यह बदलाव छात्रों को अलग बोर्ड परीक्षा के बोझ के बिना, अपनी कक्षा 10 की परीक्षा पूरी करने के बाद तुरंत 11वीं और 12वीं कक्षा में जाने में सक्षम बनाता है। मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अब से, मैट्रिक या मैट्रिक परीक्षा नामक ऐसी कोई परीक्षा नहीं होगी। स्कूल के भीतर ही पास या फेल सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। छात्रों को -शेष पृष्ठ दो पर

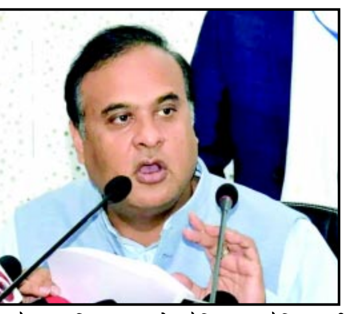

पूर्वांचल কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर में 790 हथियार बरामद और भारी मात्रा में गोलाबारूद भी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूटे गए 790 अत्याधुनिक और स्वचालित हथियार के साथ ही 10,648 गोलाबारूद बरामद किए हैं। राज्य में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने पर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों से ये लूटे गए थे। इस बीच पिछले 24 घंटे में मणिपुर में हिंसा के कई मामले सामने आए हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी अधिकारियों ने पुष्टि नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इंफाल में भीड़ द्वारा कम से कम तीन लोगों को जिंदा जला दिया गया या पीट पीटकर मार डाला गया। यह वारदात उस समय हुई, जब दो वाहनों में सवार होकर पीड़ित लामसांग में रविवार रात जा रहे थे। राज्य में शांति का माहौल स्थापित करने के लिए हथियार की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे इस संयुक्त अभ्यास को महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। यह जांच अभियान ड्रोन और क्वाड काप्टर की निगरानी में चलाया जा रहा है। अबतक इस अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

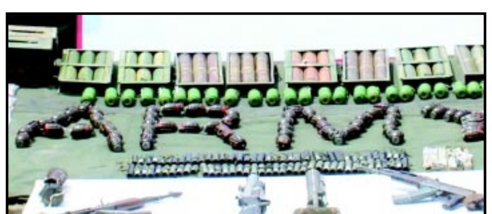

फिर भड़की हिंसा : काकचिंग में सौ घरों में लगाई आग, कांग्रेस एमएलए का आवास भी फूंका

इंफाल। मणिपुर में बीते दिनों हुई हिंसा के बाद भी हालात सामान्य नहीं हो रहे हैं। ताजा मामला मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू में सामने आया है। जहां गुस्साए ग्रामीणों ने एक कैंप में आग लगा दी। बताया जा रहा है कि इस कैंप में यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) के उग्रवादी सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ठहरे हुए थे। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से कांग्रेस विधायक रंजीत के आवास सहित कम से कम 100 घरों को भी आग लगा दी गई है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो -शेष पृष्ठ दो पर

इरोइसेंबा में तीन लोग जिंदा जले

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में एक चौंकाने वाली घटना में लामसांग पुलिस स्टेशन के इरोइसेंबा में भीड़ द्वारा हिंसक हमला किया गया, परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई। खबरों के मुताबिक, फायेंग से इंफाल पश्चिम की ओर तीन लोगों को ले जा रही एक एंबुलेंस और एक मारुति जिप्सी को भीड़ ने रोक लिया। सूत्रों के अनुसार जिन तीन पीड़ितों को जिंदा जला -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कांग्रेस ने नफरत की मेगा शॉपिंग मॉल खोल रखी है : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब-जब भारत नए कीर्तिमान स्थापित करता है, तब-तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत का गौरव पचता नहीं है। एक ओर राहुल गांधी सर्जिकल स्ट्राइक पर प्रश्न खड़ा करते हैं, हिंदू-मुस्लिम को बांटने की बात करते हैं और दूसरी ओर कहते हैं कि हम मोहब्बत की दुकान चला रहे हैं। जबकि आपने तो नफरत की मेगा शॉपिंग मॉल खोल रखी है। प्रधानमंत्री संग्रहालय में सोमवार को नरेंद्र मोदी सरकार के 9 साल की उपलब्धियों पर लिखित पुस्तक का विमोचन करते हुए जेपी नड्डा ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

रेल हादसे में मृतकों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देंगे : ममता

कोलकाता। ओडिशा के बालासोर में तीन ट्रेनों की दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मृतकों के आश्रितों को राज्य सरकार में नौकरी देने का एलान किया है।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि भयावह हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। बनर्जी ने आगे कहा कि सरकार उन लोगों को नकद राशि की मदद देगी, जो कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार थे और इस समय मानसिक और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को भुवनेश्वर और कटक का दौरा करेंगी और अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती घायल यात्रियों से मुलाकात करेंगी। उन्होंने बताया कि ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में उनके राज्य के 206 घायल यात्री भर्ती हैं। उन्होंने आगे बताया कि कटक के अस्पतालों में भर्ती घायल 33 यात्रियों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल -शेष पृष्ठ दो पर

अवधेश राय हत्यकांड : मुख्तार को आजीवन कारावास

वाराणसी। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई है। दरअसल आज बहुचर्चिच अवधेश राय हत्याकांड पर

वाराणसी एमपी/एमएलए कोर्ट अपना फैसला सुनाया है। सुबह से ही सभी की नजर कोर्ट के फैसले पर टिकी थी। बता दें कि कांग्रेसी नेता अवधेश राय की हत्या 3 अगस्त 1991 में की गई थी, जिसका आरोप बाहुबली मुख्तार अंसारी और उसके गुर्गों पर लगा था। अवधेश राय पूर्व मंत्री व पिंडरा के कई बार विधायक रहे और अब कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

फूलों की खुशबू हवा की दिशा में ही फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई चारों तरफ फैलती है।

- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

उत्तर 24 परगना के पब्लिक टॉयलेट में बम विस्फोट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24- परगना में सोमवार को एक पब्लिक टॉयलेट में बम विस्फोट होने से 11 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के दौरान नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया था। अधिकारी के अनुसार नाबालिक सुभाषपल्ली का रहने वाला था। वह बनगांव इलाके के रेल गेट-1 के निकटत्तम बाथरूम में गया, तभी विस्फोट हुआ। विस्फोट में वह गंभीर रूप से जख्मी हो -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्दाघर में पिता को दिखा बेटे का हिलता हुआ हाथ

बालासोर। ओडिशा ट्रेन हादसे को लेकर कई दर्दनाक कहनानियां सामने आ आई हैं। किसी का पूरा परिवार तबाह हो गया तो किसी के सर से माता-पिता का साया उठ गया। कई मासूम अनाथ हो गए। दुनिया देखने से पहले ही सर से माता-पिता का साया उठ गया। हादसे में कुछ ऐसे भी लोग हैं जो बुरी तरह से घायल होने के बाद जिंदगी की सबसे बड़ी जंग जीत चुके हैं। इन लोगों में 24 साल का विश्वजीत मलिक भी शामिल है जो मुर्दाघर तक जाने के बाद भी पिता की जिद की वजह से जिंदा बच गया है। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्वजीत के पिता ने कुछ घंटे पहले ही शालीमार स्टेशन से कोरोमंडल एक्सप्रेस में बैठाकर आए थे। हालांकि, तब उनको इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनका बेटा इतने बड़े हादसे का शिकार होगा और उसे जिंदगी के लिए जंग लड़नी पड़ेगी। कुछ घंटे बाद जब विश्वजीत के पिता हीलाराम मलिक को जब ट्रेन एक्सीडेंट की खबर मिली तभी हीलाराम ने बेटे को फोन मिलाया। संयोगवश उसने फोन उठा लिया। चोटिल होने की वजह से ज्यादा कुछ बता नहीं पाया, लेकिन इतना अंदाजा लग गया था कि विश्वजीत को गंभीर चोटें आई हैं। इसके बाद पिता ने तुरंत एक स्थानीय एंबुलेंस ड्राइवर को बुलाया और अपने बहनोई दीपक दास के साथ बालासोर के लिए निकल पड़ा। 230 किमी. की यात्रा कर बालासोर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद जब सभी ने मिलकर -शेष पृष्ठ दो पर

पिता ने जिंदा बेटी का रखा श्राद्धभोज

उदयपुर। बेटी के परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी करने से पिता की नाराजगी इतनी बढ़ गई कि उन्होंने अपनी जीवित बेटी का मुत्युभोज रख लिया और शोक पत्रिका छपवाकर बंटवाना शुरू कर दिया। मामला भीलवाड़ा जिले के रतनपुरा गांव का है जहां के एक परिवार की बेटी ने पड़ोस गांव दांथल गांव के उस लड़के से प्रेम विवाह कर दिया, जो बेटी के परिवार को पसंद नहीं था। बेटी के निर्णय से उसके पिता इतने आहत हो गए कि उन्होंने जीवित बेटी की शोक पत्रिका प्रकाशित ही नहीं करवाई, बल्कि बांटना शुरू कर दिया। यही नहीं, आगामी 13 जून को मृत्युभोज के लिए लोगों को आमंत्रित

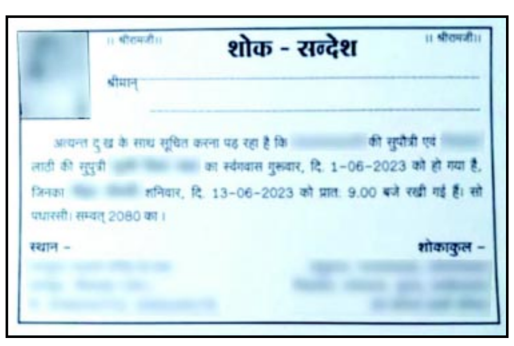

शोक - सन्देश

श्रीमान्

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि की सुपौत्री एवं की सुपुत्री का स्वर्गवास गुरुवार, दि. 1-06-2023 को हो गया है. जिनका शनिवार, दि. 13-06-2023 को प्रातः 9.00 बजे रखी गई है। सो पधारसी। सम्वत् 2080 का।

स्थान -

शोकाकुल -

भी किया है। इस मामले में मंगरोप थानाधिकारी का कहना है कि मामले में शिकायत नहीं मिली है, लेकिन पता चला है कि रतनपुर गांव के एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी का संबंध दांथल गांव के उसी युवक से किया था, जिसके साथ उनकी बेटी ने प्रेम विवाह कर लिया। रिश्ता होने से पहले दोनों परिवारों के बीच विवाद हो गया था और कुछ महीने पहले लड़की के परिजनों ने उसका रिश्ता तोड़कर कांदा गांव के अन्य लड़के के साथ कर दिया था। बताया गया कि 17 मई को बेटी के लापता होने का मामला हमीरगढ़ थाने में मां ने दर्ज कराया था। पुलिस उसकी तलाश -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जी20 : टीकों-दवाओं के समान वितरण पर भारत की स्थिति बेहतर

डब्ल्यूएचओ के अधिकारी ने की तारीफ

हैदराबाद। डब्ल्यूएचओ के एक शीर्ष अधिकारी ने महामारी के संबंध में तैयारियों को लेकर भारत की तारीफ की है। जिनेवा में डब्ल्यूएचओ स्वास्थ्य आपातकालीन कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डॉ. माइकल रयान ने कहा कि भारत के दवाओं, टीकों और नैदानिक सेवाओं को जरूरतमंदों तक समान रूप से पहुंचाने के लिए भारत एक प्रभावी चिकित्सा उपाय ढांचा विकसित करने की मजबूत स्थिति में है। सभी देशों को शामिल करते हुए देखा जाए तो भारत इसमें काफी आगे है। उन्होंने कहा कि भारत के नेतृत्व में स्वास्थ्य और महामारी के लिए उपायों की तैयारी का भविष्य मजबूत है। बता दें कि भारत इस साल जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसी क्रम में भारत ने कोरोना जैसी किसी भी महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक मेडिकल काउंटरमेजर कोआर्डिनेशन प्लेटफॉर्म बनाने का प्रस्ताव किया है। हैदराबाद में आयोजित तीसरी जी20 स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक में डॉ. माइकल रयान ने कहा कि आज हम महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया पर चर्चा कर रहे हैं। ताकि भविष्य में कोरोना जैसी महामारियों का बेहतर जवाब दे सकें। भारत इस मुद्दे को उजागर कर रहा है और इस बारे में बात कर रहा है कि हम चिकित्सा उपायों पर एक साथ कैसे काम करते हैं। हम कैसे बेहतर टीके और दवाएं बनाते हैं और उन्हें लोगों तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही भारत यह भी बता रहा है कि हम कैसे इस पूरे सिस्टम को निष्पक्ष बना सकते हैं, ताकि चिकित्सा उपाय और वस्तुएं उन लोगों को जल्दी से प्राप्त हो सकें, जिन्हें उनकी असल में जरूरत है। डॉ रयान ने कहा कि भारत ऐसा करने के लिए बहुत मजबूत स्थिति में है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास विज्ञान आधारित बेहतरीन नवाचार क्षमता है। यहां फार्मास्यूटिकल्स के साथ-साथ टीकों के लिए एक विशाल विनिर्माण आधार भी है। साथ ही यह बहुत उपयुक्त है कि जब भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा तो ऐसे में उसका ध्यान इस मुद्दे पर है। वहीं, अधिकारियों ने कहा है कि भारत की अध्यक्षता में हो रही जी20 की तीसरी स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक ग्लोबल साउथ देशों की चुनौतियों को आवाज देगी। साथ ही इसके वैक्सीन चिकित्सीय, अनुसंधान और विनिर्माण नेटवर्क के लिए क्षेत्रीय नेटवर्क स्थापित करने और एक वैश्विक चिकित्सा प्रतिउपाय समन्वय मंच के निर्माण में योगदान देगी। भारत की जी20 अध्यक्षता स्वास्थ्य ट्रैक में तीन प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। इन प्राथमिकताओं में से पहली स्वास्थ्य आपात रोकथाम, तैयारी और एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध और वन हेल्थ फ्रेमवर्क पर फोकस करना है। दूसरी प्राथमिकता, सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और किफायती चिकित्सा प्रति उपायों तक पहुंच और उपलब्धता पर ध्यान देने के साथ फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना है। तीसरी, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार और समाधान है जो सार्वभौमिक मेडिकल कवरेज में मददगार है और स्वास्थ्य सेवाओं वितरण में सुधार करता है। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि अगली महामारी वैश्विक संधि करने के लिए हमारा इंतजार नहीं करेगी। ऐसे में यह सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है कि अगली महामारी के लिए हम पर्याप्त रूप से तैयार रहें। उन्होंने सभी हितधारकों से एक साथ आने और *एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य* के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने पौधों का वितरण किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने पान बाजार स्थित दिघोली पुखुरी पार्क में मॉर्निंग वाकिंग करने आए लोगों के बीच विभिन्न तरह के फूल और फल के पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्तिकेयन एवं जेसीआई क्षेत्र 25 के प्रांतीय अध्यक्ष विजय अग्रवाल उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता शाखा मंत्री संजय खेतान ने दोनों अतिथियों का फुलाम गमछा और जापी से सम्मान किया। जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कामरूप शाखा के इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। जेसीआई क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने युवा मंच और जेसीआई के इस अनोखे मिलन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए दोनों सामाजिक संस्थाओं को एक दूसरे का पूरक बताया। कार्यक्रम में मॉर्निंग वॉक एंड टॉक के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र के अलावा उमा शंकर गट्टानी, राजेश अग्रवाल, संतोष जैन, बिजय भीमसरिया, रतन अग्रवाल सी.ए, दिलीप अग्रवाल, नीरज जैन, संदीप खट्टर, रतन अग्रवाल, दिलीप बेडीया, बिष्णु गट्टानी, शुभम जैन, सरोज अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, बिनोद शर्मा, दीपक जैन ओर रतन अग्रवाल उपस्थित थे। सम्मेलन की कामरूप शाखा ने पर्यावरण दिवस पर पौधों का वितरण किया

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद ने पौधा वितरण किया

गुवाहाटी (विभास)। लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद (पूर्वोत्तर) ने आठगांव पोखरीपार स्थित शिव मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल में पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद के अध्यक्ष विनोद जसरासरीया, उपाध्यक्ष विशाल भातरा, संयुक्त मंत्री सुशील व्यास, जनसंपर्क सचिव संपत मिश्र, सलाहकार डॉ. रघुनंदन शर्मा, द्वारका प्रसाद मिमानी के अलावा 19 नंबर वार्ड के पार्षद विजय रॉय व 281 बीजेपी बूथ अध्यक्ष शुक्ला दास उपस्थित थी।

ऑनलाइन धर्म परिवर्तन मामले में गाजियाबाद पुलिस पहुंची मुंबई

मुंबई (हि.स.)। ऑनलाइन धर्म परिवर्तन मामले की जांच करने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की पुलिस मुंबई पहुंची है। मुंब्रा के देवरी पाड़ा में रहने वाला शाहनवाज मकसूद खान बच्चों को ऑनलाइन गेम में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करता था। गाजियाबाद और मुंब्रा पुलिस संयुक्त रूप से शाहनवाज खान की तलाश कर रही है। ठाणे जिले के मुंब्रा पुलिस से जानकारी मिली है कि मुंब्रा के देवरी पाड़ा निवासी शाहनवाज खान ने एक गेम लॉन्च किया, जिसकी मदद से वह हिन्दू बच्चों को कलमा पढ़ाकर इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर करता था। इस गेम में वह बच्चों को कहता था कि अगर इस्लाम कबूल कर लिया, तो कभी गेम नहीं हारोगे। उसकी तलाश में उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस मुंब्रा पहुंची है, लेकिन शाहनवाज अपने परिजनों समेत फरार हो गया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने ऑनलाइन धर्म परिवर्तन मामले में अब्दुल रहमान उर्फ नन्नी पुत्र महमूद अंसारी को गिरफ्तार किया था। अब्दुल रहमान ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि शाहनवाज मकसूद खान मुंबई से सटे महाराष्ट्र के मुंब्रा इलाके में फर्जी यूजर आईडी बनाकर गेम खेलने के लिए उपलब्ध करा रहा था। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ठाणे जिले में हर संभावित ठिकानों पर शाहनवाज खान को खोज रही है।

बोकाखात विस क्षेत्र पर विश्व पर्यावरण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 बड़े उत्साह के साथ मनाया गया

गोलाघाट। गोलाघाट जिले के बोकाखात विधानसभा क्षेत्र पर मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस -2023 के अवसर पर बोकाखात के उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) कार्यालय ने बोकाखात शहर के विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया। अभियान की शुरुआत करते हुए, बोकाखात के उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) डॉ. नेहा यादव, आईएएस ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव को कम करने के लिए हमारे दैनिक कार्यों के प्रति अधिक सचेत रहना हमारी जिम्मेदारी है। डॉ. नेहा यादव ने नवोदित युवाओं से भी अपील की है कि वे अपनी जीवन शैली को हराभरा बनाएं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री का उपयोग करने से बचें। इस अवसर पर पर्यावरण को समृद्ध करने वाली प्रजातियों के पौधे रोपे गए। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया। साइक्लोथॉन का आयोजन उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) कार्यालय द्वारा किया गया जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ नागरिक एवं नवोदित युवा शामिल हुए। उसके बाद, गोलाघाट के गैर-लाभकारी संगठन ऑल एंड सनड्री ने बोकाखात के उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) कार्यालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष - 2023 को चिह्नित करने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर *मिरेकल मिलेट्स* अभियान नामक एक कार्यक्रम की मेजबानी की। मिरेकल मिलेट्स अभियान की परिकल्पना ऑल एंड सनड्री के संस्थापक अभिषेक सिंहा द्वारा की गई है। मिरेकल मिलेट्स अभियान का प्राथमिक एजेंडा जनता के बीच विचारशील कार्यक्रमों के माध्यम से मिलेट्स के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। नई दिल्ली के गैर-लाभकारी संगठन सोसायटी फॉर ह्यूमन एंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट इन हार्मनी और मिलेट्स फॉर हेल्थ मिरेकल मिलेट्स अभियान के *सद्भावना साथी* हैं। अपने संबोधन में बोकाखात के उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) डॉ. नेहा यादव ने कहा कि कोविड और जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में आज दुनिया में मिलेट्स की प्रासंगिकता बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष - 2023 खाद्य सुरक्षा और पोषण में मिलेट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि मिलेट्स 64 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ते तापमान को झेल सकता है और मिलेट्स को जलवायु-स्मार्ट फसलों के रूप में तेजी से पहचाना जा रहा है।

आमार प्रयास गोष्ठी की पहल पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

नगरबेड़ा (विभास)। दुनिया भर में आज विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। आमार प्रयास गोष्ठी ने अन्य वर्षों की तरह, एक प्रमुख गैर-सरकारी गैर संस्था ने नंबर 465 तुपामारी प्राथमिक विद्यालय के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य रबीउल आली व मनोवार हुसैन ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद आमार प्रयास गोष्ठी के ब्लॉक कमांडर अनवर हुसैन के नेतृत्व में आमार प्रयास गोष्ठी के छात्रों और स्वयंसेवकों ने हाथों में बैनर, तख्तियां आदि लेकर जनजागरूकता मार्च निकाला। पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए शिक्षिका मौसमी बेगम-और कमला खातून छात्रों के बीच चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन करती हैं। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण बैठक में प्रतियोगियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, साथ ही प्रधानाध्यापक जमीर अली ने विद्यार्थियों को धरती मां के नाम शपथ व संकल्प दिलाया। छात्र एक स्वर में कहते हैं कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हम हमेशा जागते रहेंगे। अगर पेड़ हैं, तो हम इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पौधे लगाएंगे। मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगा जो मिट्टी, पानी और हवा को प्रदूषित कर सके और हमेशा साफ रहेगा।

पृष्ठ एक का शेष

असम-अरुणाचल सीमा...

असम और अरुणाचल प्रदेश 804 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं और दोनों पक्ष सीमा विवादों को हल करने के लिए चर्चा कर रहे हैं। वहीं, असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर गोलीबारी की घटना पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दोनों राज्यों में सीमा निर्धारित करना अभी बाकी है। हमारे पड़ोसी राज्य हम पर हमला नहीं करते हैं, जमीन के लालच में कुछ लोग ऐसा करते हैं। पुलिस इसकी जांच कर उचित कार्रवाई करेगी। जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक मामले की जांच करेंगे। मालूम हो कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 20 अप्रैल को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सीमा विवाद को हल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल जुलाई में दोनों मुख्यमंत्रियों ने सीमा विवादों को हल करने के प्रयासों को गति देने के लिए *नामसाई घोषणा* पर हस्ताक्षर किए थे। अरुणाचल प्रदेश को 1972 में एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था। उसका दावा है कि मैदानी इलाकों में कई वनाच्छादित इलाके जो पारंपरिक रूप से पहाड़ी आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के थे, उन्हें एकतरफा असम में स्थानांतरित कर दिया गया था। 1987 में अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा मिलने के बाद एक त्रिपक्षीय समिति नियुक्त की गई थी जिसने सिफारिश की थी कि कुछ क्षेत्रों को असम से अरुणाचल प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया जाए। असम ने इसका विरोध किया और मामला सुप्रीम कोर्ट में रहा है।

गडकरी ने दो ...

निर्माण और 517 करोड़ रुपए की लागत से एनएच 29 पर 13 किलोमीटर चार-लेन डबोका-परखुवा खंड के निर्माण के लिए आधारशिला रखी। गडकरी ने 247 करोड़ रुपए की लागत से बने एनएच 127 के 10 किलोमीटर नगांव बाईपास से तेलियागांव 4-लेन सेक्शन और 156 करोड़ रुपए की लागत से बने एनएस पर बने 8 किलोमीटर के तेलियागांव-रंगागरा 4-लेन सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित किया। जनता को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि असम विकास की तरफ बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने इस परियोजना को परा करने में हमारी हरसंभव मदद की है। जमीन अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरियां देने में राज्य सरकार की ओर से अहम भूमिका निभाई गई है। काम ऐसे ही तेजी से पूरे किए जाते हैं। इसी में असम समेत पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को फायदा होगा।

मणिपुर में 790 हथियार...

के दौरान बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार, गोलाबारूद और मोर्टार आदि बरामद किए जा चुके हैं। सुरक्षा बलों की ओर से एक बार फिर से लूटे गए हथियार सरेंडर करने की अपील की गई है। वहीं, प्रेट्र के अनुसार रविवार को गुस्साए ग्रामीणों ने काकचिंग जिले के सुगनु में कुकी उग्रवादियों के खाली पड़े कैंप में आग लगा दी। दरअसल, इससे पहले नाजरेथ कैंप में मौजूद उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई थी। इसमें गांव के वालेंटियर भी मौजूद थे। गोलीबारी की घटना के बाद उग्रवादी कैंप छोड़कर भाग गए। यहां नए उग्रवादियों को प्रशिक्षित करने की सुविधा भी उपलब्ध थी। उग्रवादियों द्वारा खाली पड़े 100 घरों में आग लगाने से ग्रामीण गुस्सा थे।

फिर भड़की हिंसा : काकचिंग...

दिनों से उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई है। आगजनी की घटनाओं से पहले रविवार को भारतीय रिजर्व बटालियन और सीमा सुरक्षा बल सहित राज्य पुलिस ने उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाया था, जिसके बाद सभी उग्रवादी अपने शिविर से भाग गए। हालांकि, बाद में ग्रामीणों ने रविवार रात शिविर को आग के हवाले कर दिया, जिसमें नए भर्ती हुए कुकी उग्रवादियों के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं भी शामिल हैं। इसके साथ ही रविवार को पश्चिमी इंफाल जिले के फायेंग से भी भीषण गोलीबारी की खबरें मिली थी। इस दौरान कुकी उग्रवादियों ने एक कारखाने में आग लगा दी थी। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में अज्ञात लोगों ने रविवार को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल में कुछ घरों में आग लगा दी। बता दें कि मणिपुर में एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान चली गई थी और 310 अन्य घायल हो गए थे। इसके अलावा कुल 37,450 लोगों ने वर्तमान में 272 राहत शिविरों में शरण ली है। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद पहली बार 3 मई को झड़पें हुई थीं। मेइती समुदाय मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय नागा और कुकी जनसंख्या का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं। राज्य में शांति बहाल करने के लिए करीब 10,000 सेना और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया है।

इरोइसेंबा में तीन ...

दिया गया, उनमें एक नाबालिग था जिसकी उम्र करीब 8 साल बताई जा रही है। सूत्रों ने आज बताया कि बाद में भीड़ ने एंबुलेंस को आग के हवाले कर दिया। यह दर्दनाक घटना रविवार की शाम करीब साढ़े छह बजे की बताई गई है। हिंसक भीड़ बीते कल सुबह से ही हिंसा और उपद्रव मचाना आरंभ कर दिया। इस दौरान सुबह के शुरुआती घंटों में, बदमाशों ने कांग्रेस के विधायक रंजीत के आवास सहित काकचिंग जिले के सुगनू क्षेत्र में दो गांवों में आग लगा दी थी। सूत्रों ने बताया है कि इस घटना में विधायक का घर आंशिक रूप से जल गया था, जिससे क्षेत्र में और तनाव और अशांति फैल गई। इससे पहले, बीते तीन जून को लगभग 4:30 बजे, सत्तारूढ़ भाजपा के तीन सहित मणिपुर के चार विधायकों को सुगनू बाजार महिला कांग्रेस भवन में स्थानीय लोगों द्वारा कथित रूप से बंधक बना लिया गया था। बंधक बनाए गए विधायकों में समूह के एकमात्र गैर-भाजपा विधायक रंजीत भी थे। उनका नेतृत्व मंत्री वाई केमचंद ने किया, जिन्होंने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से मिलने और सुगनू से असम राइफल्स शिविर के स्थानांतरण पर चर्चा करने की अनुमति मांगी। राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह-रहकर हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। हिंसा की घटनाएं बीते 3 मई से आरंभ हुई थीं।

कांग्रेस ने नफरत ...

कि एक समय था, जब भारत के रक्षा मंत्री ने कहा था कि योजना के तहत देश के सीमावर्ती गांवों में सड़क नहीं बनाई जा रही है। इसके विपरीत, आज भारत के सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है। वहां सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साल 2014 से पहले के दौर और 2014 के बाद के दौर में भारी अंतर है। लोगों का मानना था कि कुछ भी नहीं बदलेगा और भ्रष्टाचार को मिटाया नहीं जा सकता। हमारे देश की गिनती भ्रष्ट देशों में होती थी। कोई नेतृत्व, इरादा या नीति नहीं थी। फिर लोगों ने भाजपा को वोट दिया और 2014 में भारत को एक ऐसा नेतृत्व मिला जो भारत को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को दिखाया कि महामारी से कैसे निपटा जाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान दुनिया का हर देश फेल हो गया। नरेंद्र मोदी ने समय पर साहसिक निर्णय लिया और देश में तालाबंदी की घोषणा की, जिससे अनगिनत कीमती जानें बच गईं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो आज भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। ऋषि सुनक कहते हैं कि वह दिन दूर नहीं जब भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

रेल हादसे में ...

के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी उनसे मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दुर्घटना पर किसी भी तरह की राजनीति में नहीं पड़ना चाहती हैं और घायल यात्रियों वउनके परिवारों की मदद के लिए सब कुछ करेंगी। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में बनर्जी ने ट्रेन दुर्घटना में घायल हुए राज्य के यात्रियों के उपचार और पुनर्वास की निगरानी के लिए अंतिम समय में दार्जिलिंग की अपनी चार दिवसीय यात्रा रद्द कर दी। सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख को दार्जिलिंग जाना था जहां उन्हें इस साल होने वाले पंचायत चुनावों से पहले पर्वतीय क्षेत्र में सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से मिलना था। उन्होंने बताया कि वह कोलकाता में रहना चाहती हैं और पश्चिम बंगाल के उन घायल यात्रियों के पुनर्वास और उपचार की देखरेख करना चाहती हैं जो कोरोमंडल एक्सप्रेस में दुर्घटना का शिकार हो गए थे। वह बाद में पर्वतीय क्षेत्रों का दौरा करेंगी। विजाग बंदरगाह से राउरकेला इस्पात संयंत्र तक कोयले से लदी एक मालगाड़ी अप लाइन और डाउन लाइन दोनों पटरियों की मरम्मत के कुछ घंटों बाद रविवार रात लगभग 10.40 बजे बहाल पटरियों पर दौड़ने वाली पहली मालगाड़ी बन गई। अधिकारियों ने बताया कि पहली हाई स्पीड यात्री ट्रेन हावड़ा-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार सुबह इन्हीं पटरियों से बालासोर से गुजरी। अधिकारियों ने बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दुर्घटनास्थल पर मौजूद थे, जब ट्रेन वहां से गुजरी तो उन्होंने चालकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। कोरोमंडल एक्सप्रेस दो जून को शाम सात बजे खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई थी जिससे उसके अधिकतर डिब्बे पटरी से उतर गए थे। कोरोमंडल के कुछ डिब्बे बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के अंतिम कुछ डिब्बों पर गिर गए जो उसी समय वहां से गुजर रही थी। दुर्घटना में एक मालगाड़ी भी शामिल थी। जांचकर्ता तीन ट्रेन दुर्घटना के पीछे संभावित मानवीय त्रुटि, सिग्नल विफलता और अन्य संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं।

अवधेश राय हत्यकांड..

अजय राय के बड़े भाई हैं। तीन अगस्त 1991 को वाराणसी के चेतगंज थाना क्षेत्र के लहुराबीर इलाके में रहने वाले कांग्रेस नेता अवधेश राय अपने भाई अजय राय के साथ घर के बाहर खड़े थे। सुबह का वक्त था। एक वैन से आए बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। अवधेश राय को गोलियों से छलनी कर दिया गया। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना से पूरा पूर्वांचल सहम उठा था। पूर्व विधायक अजय राय ने इस मामले में मुख्तार अंसारी को मुख्य आरोपी बनाया। साथ में भीम सिंह, कमलेश सिंह व पूर्व विधायक अब्दुल कलाम और राकेश न्यायिक का भी नाम रहा। इनमें से कमलेश व अब्दुल कलाम की मौत हो चुकी है।

मैट्रिक परीक्षा समाप्त...

यह सुनिश्चित करने के लिए निर्णय लिया गया है 11वीं और 12वीं कक्षा की पढ़ाई 10वीं कक्षा पूरी करने के ठीक बाद शुरू करें। इस शैक्षिक सुधार को सुविधाजनक बनाने के लिए, असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड असम (सेबा) एक एकल संगठन बनाने के लिए विलय करेंगे। इस विलय का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर शिक्षा के लिए एक सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण सुनिश्चित करना है।

मुर्दाघर में पिता...

विश्वजीत को खोजने शुरू किया तो उसका कहीं पता नहीं चला। समय के साथ सबकी उम्मीदें टूट रही थी, लेकिन हीलाराम कहते रहते हैं कि उसका बेटा जिंदा है। घटनास्थल पर बेटे के बारे में पूछताछ करने के बाद हीलाराम अस्थायी मुर्दाघर पहुंचे, जहां हादसे में जान गंवाने वालों के शव रखे गए थे। पहले तो अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली, तभी थोड़ी देर बाद किसी की नजर एक एक पीड़ित पर पड़ी, जिसका दाहिना हाथ हिल रहा था। हीलाराम ने हाथ देखा तो उनको विश्वजीत जैसा दिखाई दिया। इसके बाद विश्वजीत को तुरंत वहां से निकालकर बालासोर के सरकारी अस्पताल ले गए। चोट ज्यादा लगी थी इसलिए डॉक्टरों ने कटक मेटिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, पिता और फुफा ने बॉन्ड भरकर विश्वजीत को अपने साथ ले गए। एंबुलेंस उनके पास थी ही। पीड़ित शख्स का कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने के साथ शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं।

पिता ने जिंदा ...

कर रही थी कि इसी बीच एक जून को लापता युवती अपने पति के साथ पुलिस के पास पहुंची तथा उसने अपने बालिग होने के दस्तावेज प्रस्तुत किए। जिसके मुताबिक, वह 27 मई को बालिग हो चुकी थी। उसके बाद उसने एक जून को आर्य समाज पद्यति से विवाह कर लिया था। पुलिस के पास पहुंच कर उसने अपने पति के साथ रहने की इच्छा जताई थी। पुलिस ने युवती के माता-पिता को थाने बुलाया था लेकिन उसने पहचानने तक से इनकार कर दिया। जिस पर युवती को उसके पति के साथ जाने दिया गया।

उत्तर 24 परगना ...

गया, जिसके बाद उसे लोकल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना पर स्थानीय लोगों ने शोक जताया और आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

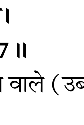

चतुर्थ मंडल — **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

शरण शरण मैं शरण हूँ, हे गुरु वन्दीछोर।
मोहि उबारो हे गुरो, यह सौ बार निहोर॥ 17 ॥

शब्दार्थ : (शरण) आधार (बन्दीछोर) भवबन्धन से छुड़ाने वाले (उबारो) रक्षा, (निहोर) विनती।

भाष्य : हे सद्गुरु बन्दीछोर! मैं मन, वच, एवं काया से आपकी शरण में हूं। हे गुरुदेव! मेरा इस भवसागर से उद्धार कीजिए। इसके लिए आपसे सौ बार मेरी विनती है।

जन अधीन वन्दन करें, केहि विधि कीजे सेव।
वार पार की गम नहीं, नमो नमो गुरुदेव॥ 18 ॥

शब्दार्थ : (जन अधीन)अधीन शरणागत सेवक (वन्दन) नमस्कार।

भाष्य : मैं आप की शरणागत, अधीन सेवक किस प्रकार आप की सेवा, वंदना करूं? आप की महिमा का वार-पार नहीं है इसलिए हे गुरुदेव! आप को नमस्कार है! नमस्कार है!!

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 38°
न्यूनतम 28°

गुवाहाटी/आसपास

मंगलवार, 6 जून, 2023

पूरे विश्व के साथ-साथ राज्यभर मनाया गया पर्यावरण दिवस

कालीपुर भैरवी आश्रम

नगरबेड़ा

कोकराझाड़

रंगिया

गुवाहाटी। आनंद निकेतन ट्रस्ट कालीपुर भैरवी आश्रम द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कालीपुर भैरवी आश्रम में फलों के 59 पौधे और 20 अन्य पौधे लगाए गए। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में आनंद निकेतन ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रभारी सदा दत्ता, कार्यकारी परिषद के सदस्य सांचीराम पायेंग चंदन देबनाथ, असम प्रकाशन भारती के सचिव माननीय दीपांकर बोरा, वार्ड नंबर 37 की परिषद माननीय स्वप्ना देवी और आनंद निकेतन ट्रस्ट के परियोजना प्रमुख मनोज कलिता ने वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम में माननीय दीपांकर बोरा ने कहा कि वृक्ष -रहेगा तभी मनुष्य होंगे तभी रहेंगे, हम सभी को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना होगा दो वृक्ष एक पुत्र समान हमने एक पेड़ काट दियातो कम से कम पांच पौधे लगाए जाने चाहिए। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से पेड़ों के पौधे लगाने का भी आग्रह किया। जीवन का आधार वृक्ष का हो संचार अंत में दीपांकर वोरा देव ने कहा कि आनंद निकेतन ट्रस्ट की ओर से किए जा रहे सभी सामाजिक विकास कार्यों के लिए आनंद निकेतन ट्रस्ट के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हैं। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार आज विश्व के विभिन्न इलाकों के साथ कोकराझाड़ जिले में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिले के फकीराग्राम स्थित राभापाड़ा के बोडोफा हाईस्कूल में आयोजित कार्यक्रम में जिला यूपीपीएल युथ समिति की ओर से यूपीपीएल जिला उपाध्यक्ष रुधिर दैमारी एवं कार्यकर्ता समेत प्रधानाध्यापक, टीचर एव बिद्यार्थियों ने पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर फकीराग्राम पौरसभा के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में फकीराग्राम शहर में सफाई अभियान चलाया गया। इसके अलावा नुक्कड़-नाटक का आयोजन हुआ। वहीं फकीराग्राम के मजदूर यूनियन व स्वागत एनजीओ ने विद्यार्थियों के बीच चित्रकला कार्यकम का आयोजन कराया। इस दौरान एनजीओ ने पौधा रोपण कार्यक्रम के दौरान पौधे लगाए। इस पौधारोपरण कार्यक्रम शरह के विभिन्न हिस्सों में किए गए। **नगरबेड़ा** से हमारे सेंवाददाता के अनसार आज विश्व पर्यावरण दिवस है। विश्व पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया के साथ-साथ बरपेटा जिले के दक्षिणी भाग में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान लुइतपरिया कॉलेज में भी मनाया गया है। इस दिन की तर्ज पर, छात्र और प्रोफेसर सुबह पौधे लगाते हैं। पौधे लगाने के अंत में, पर्यावरण दिवस के साथ मेल खाने के लिए एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। सेमिनार की अध्यक्षता कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आब्दुल वहाब चौधरी ने की। इस अवसर पर कॉलेज के अध्यापक क्रमानुसार अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर और एनएसएस ग्रुप के समन्वयक डॉ. शामसुल आलम छरवार्दी, शिक्षा विभाग के नडाल प्रोफेसर डॉ. अनवर हुसैन, असमिया विभाग के प्रोफेसर आबू आयूब आहमेद, सहायक प्रोफेसर जियाउर रहमान, इतिहास विभाग के प्रोफेसर अब्दुल बारिक, डॉ. रफीकुल हासान, डॉ. अताउर रहमान, डॉ. हजरत आली, डॉ. मसरत बानो, बेनजीर सुल्ताना आहमेद, हबीबुर रहमान, डॉ. मिर्जा हुमायूं कबीर, कार्यालय सहायक (वरिष्ठ) शुकुर माहमूद, लाइब्रेरियन मोफिदा आहमेद सहित कॉलेज के छात्र उपस्थित थे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार हर वर्ष की तरह इस बार भी विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कवि अरण्यम कश्यप के नेतृत्व में मनीष जैन, मनोज काकोती, भास्कर राजवंशी तथा हरयांदाब प्राथमिक विद्यालय के सहयोग से विद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं के बीच *पर्यावरण संरक्षण* - प्लास्टिक बर्जन शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 30 से भी अधिक छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें तृष्णा कलिता ने प्रथम, वंदना दास और समीरन दास ने क्रमश: दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। प्रतियोगिता के विचारक के रूप में शिक्षक क्रमश: तिलक उजिर और प्राणजीत बैश्य उपस्थित रहे। आयोजकों की और से विजेता प्रतियोगियों को एक- एक ग्रन्थ, पानी का फ्लास्क और एक- एक पौधा देकर पुरस्कृत किया गया।

152 बटा. सीआरपीएफ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाएं 1000 पौधे

ग्वालपाड़ा। ग्वालपाड़ा जिले के शास्त्री नगर स्थित 152 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर 1000 पौधारोपण किया गया। राकेश रंजन तिवारी द्वितीय कमान अधिकारी, के सानिध्य में बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने ग्वालपाड़ा कोलेज में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खनिन्द्र चौधरी, आईएएस, जिला उपायुक्त ग्वालपाड़ा की उपस्थिति में कोलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा *बीट प्लास्टिक पोल्यूशन* पर एक नाटक प्रस्तुत कर आम जन पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रहित हरे भरे विश्व के निर्माण का संदेश दिया गया। श्री चौधरी द्वारा वृक्षारोपण के साथ 152 बटा सीआरपीएफ के 85 अधिकारी एवं जवान, ग्वालपाड़ा कोलेज के 225 छात्र-छात्राओं व नेशनल कैडेट कोर, वन विभाग ग्वालपाड़ा के 55 व लगभग 150 स्थानीय नागरिकों के सहयोग से 1000 पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर चौधरी ने संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक पोल्यूशन को कम करने व अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया साथ अपने साथियों एवं परिवार के सदस्यों को इस महत्वपूर्ण योगदान में अपनी भागीदारी निभाने के लिए जागरूक करने के लिए बताया गया। इस मौके पर श्री चौधरी के अतिरिक्त राकेश रंजन तिवारी, द्वि कमां अधि. बाबू साहेब, उप कमां, युनिस सलीम डीएफओ (एस एफ) डॉ. सुभाष बर्मन, इंचार्ज ग्वालपाड़ा कोलेज, बटालियन के अधिकारी एवं जवान, वन विभाग गोलपाड़ा, कोलेज के छात्र-छात्रा, एन सी सी कैडेट, मीडिया बंधु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

होजाई : असम साहित्य सभा ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

होजाई (विसं)। असम साहित्य सभा की होजाई शाखा ने हालही में घोषित दसवीं की परीक्षा में डिस्टिंक्शन एवं स्टार मार्क्स प्राप्त विद्यार्थियों के लिए हर वर्ष की भांति सम्मान समारोह का आयोजन नया बाजार स्थित साहित्य सभा के सत्यार्थी लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा भवन में आयोजन रविवार को किया। उक्त समारोह में 225 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगांव महाविद्यालय के प्राचार्य व साहित्यकार डॉ. शरत बरकटकी व विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष के अलावा पूर्व प्रोफेसर व लेखक डॉ. शारदानंदा

देव गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षक मदन दत्त, डॉन बॉस्को हाई स्कूल के शिक्षक गोपी दास, होजाई जिला भाजपा अध्यक्ष अनूप देव सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन असम साहित्य सभा के अनूप कुमार बरठाकुर ने सुसज्जित तरीके से किया किया। मुख्य अतिथि डॉ. बरकटकी ने कहा कि आज के इस आधुनिक दौर में विद्यार्थियों के लिए अपना कैरियर बनाने के लिए कई रास्ते खुले हुए हैं। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को चाहिए कि वे लगन, निष्ठा, एकाग्रता के साथ अपनी रुचि के हिसाब से अपने भविष्य हेतु निर्णय ले। उन्होंने कई उदाहरण देते छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन किया। वही सभा में सभी अतिथियों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। उक्त समारोह में 62 डिस्टिंक्शन व 163 स्टार मार्क्स प्राप्त विद्यार्थियों का फूलाम गामोछा, सर्टिफिकेट व नीम की पूली देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में साहित्य सभा के अध्यक्ष दयाल चंद्र क्रो, सचिव हरगोविंद कलिता सहित सभी सदस्यों ने अपना पूर्ण योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

रंगापाड़ा : कछारी गांव चाय बगान में श्रमिकों ने किया विरोध-प्रदर्शन

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापारा थानांतर्गत कछारी गांव चाय बागान में आज सदौ असम आदिवासी छात्र संस्था, शोणितपुर जिला के उपाध्यक्ष जिसू तानी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में चाय श्रमिकों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। श्रमिकों की प्रमुख मांगों में जलावन की लकड़ी, पीने का पानी, टूटे-फुटे क्वार्टर, संपूर्ण चिकित्सा की व्यवस्था, सेवा निवृत्त होने के पश्चात पीएफ के रुपए मिलने में देरी आदि शामिल हैं। श्रमिकों ने अपने प्रमुख मुद्दों के समर्थन

में जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर जिसू तानी ने श्रमिकों के शोषण का मुद्दा उठाते हुए इस मामले में आवश्यक कदम उठाने की मांग की। अंत में श्रमिकों ने अपने मांग को लेकर चाय बागान प्रबंधन को एक ज्ञापन सौंपा।

मंत्री यूजी ब्रह्म की उपस्थिति में मूगा फार्म में लगाए गए सात हजार पौधे

गोलाघाट (हिंस)। जिले के नुमलीगढ़ में हरित पर्यावरण के उद्देश्य के मद्देनजर सोमवार विश्व पर्यावरण दिवस अनोखे रूप में मनाया गया। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। आज के दिन हरे सपनों के साथ नुमालीगढ़ रिफाइनरी के सहयोग से बागीधाला मूगा फार्म में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। विधायक बिश्वजीत फुकन और नुमलीगढ़ रिफाइनरी के प्रबंध निदेशक भास्करज्योति फुकन की उपस्थिति में हरा-भरा वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऐसे समय में जब कई शरारती तत्व जंगलों को नष्ट कर रहे हैं और प्राकृतिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

महेश नवमी का सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का समापन

गुवाहाटी (विभास)। महेश्वरी समाज द्वारा आयोजित महेश नवमी की सप्ताह व्यापी कार्यक्रम का समापन माछखोवा आईटीए सेंटर में सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शंकर लाल बागड़ी ने दीप प्रज्वलित कर भगवान महेश के चित्र के आगे माल्यार्पण किया। महेश्वरी युवा संगठन के सदस्यों ने भगवान महेश का वंदना गीत प्रस्तुत किया। दीप प्रज्वलन के अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ महेश्वरी महासभा के पूर्वांचल उपाध्यक्ष कैलाश काबरा, गुवाहाटी शाखाध्यक्ष सीताराम बिहाणी, पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा के सचिव राजकुमार सोमानी, पूर्वोत्तर महिला समिति की उपाध्यक्ष सीता झंवर, महिला समिति की शाखाध्यक्ष वर्षा सोमानी, युवा संगठन के शाखाध्यक्ष शिवरतन सोनी, उपस्थित थे। अतिथियों के अलावा कार्यक्रम संयोजक रमेश तापडि़या, युवा संगठन के सचिव राघव बाहेती, महिला समिति की मंत्री पुष्पा सोनी, आसाम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव शंकर लाल बिडला, सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानदास दम्मानी, सभा के सचिव सुरेंद्र लाहोटी ने शुभकामना संबोधन दिया। संदीप राठी ने मुख्य अतिथि शंकरलाल बागड़ी का परिचय पढ़कर सुनाया। सम्मान सत्र के संयोजक केपी सारडा, अरविंद सोनी, नरेन माहेश्वरी, अमृत राठी के संयोजन में मैट्रिक, हायर सेकेंडरी, सीए, एमबीबीएस, एमबीबी, एसीएफ व खेलकूद में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र से सम्मान किया गया। मंच संचालन अखिलेश मूंदड़ा ने किया। जबकि सम्मान समारोह का संचालन राघव बाहेती और नरेंद्र महेश्वरी ने किया।

मायुमं, बेलतला शिखर शाखा का जनसेवा कार्य संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बेलतला शिखर शाखा ने बेलतला स्थित लखी मंदिर प्रांगण में अपने स्वास्थ्य सेवा के साथ शिक्षा व जन सेवा के कार्य संपन्न किया। इस अवसर पर प्रथम चरण में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्राइड ईस्ट इंटरटेनमेंट की मैनेजिंग डायरेक्टर रिनिकी भुइयां ने अपने संबोधन में मायुमं बेलतला शिखर शाखा के कार्यों की सराहना करते हुए अमृतधारा प्रकल्प का शुभारंभ किया एवं राहगीरों को पानी की बोतलें वितरित की। द्वितीय चरण में मुख्य अतिथि रिनीकी भुइयां ने मैट्रिक व हायर सेकेंडरी परीक्षा में 85त्न से अधिक अंक लेकर उपलब्धि प्राप्त छात्र-छात्राओं का फुलाम गमछा व प्रशस्ति पत्र देकर अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में समाजसेवी नवीन सिंघल, मायुमं के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया, मायुमं के प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष मितेश सुराना, शाखाध्यक्ष संदीप पोद्दार, सचिव अविनाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंकुर सिंघल उपस्थित थे। द्वितीय चरण के कार्यक्रम में रिलायंस मेडी लेब और नवनीत हेल्थ केयर के सहयोग से

बृहद स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें रक्त जांच, मधुमेह जांच, हड्डी रोग की जांच व अन्य बिमारियों की जांच तथा सलाह दी गई। जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। इसके अलावा सैनिटरी नैपकिन भी नि:शुल्क वितरित किए गए यह कार्य सुबह 10 बजे से शाम को 5 बजे तक चलता रहा जिसमें हजारों लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया।

फकीराग्राम : मोनाखोचा में गोमांस के साथ दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम थाना क्षेत्र के मोनाखोचा में आज सुबह गो मांस, बिना नंबर प्लेट वाली बाइक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि फकीराग्राम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर फकीराग्राम थाना अंतर्गत टेकरखाता गांव निवासी कमरुद्दीन शेख के पुत्र सद्दाम हुसैन (23) और फकीराग्राम थाना अंतर्गत बिन्नासरा गांव निवासी अब्दुल मन्नान के पुत्र महबुल हुसैन (22) को उस समय गिरफ्तार किया जब दोनों युवक बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर दो बैग में गो मांस लेकर धुबड़ी जिला के बिलसीपारा की और जा रहे थे। गिरफ्तार युवकों के पास से करीब 20 किग्रा गो मांस जब्त किया गया है। इस मामले में फकीराग्राम पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार युवकों से अधिक जानकारी के लिए पूछताछ कर रही है।

मोइराबाड़ी : मादक पदार्थ के साथ तीन गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिला के मोइराबाड़ी में एक दंपति को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। पुरुषों के बाद इस बार महिला भी नशे के धंधे में लिप्त पाई गई है। मोइराबाड़ी में मादक पदार्थ भरे चार साबुनदानी के साथ तीन लोग गिरफ्तार हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार किए गए तीन ड्रग्स तस्करों की पहचान शरीफुल इस्लाम, अजूफा खातून और अलाल उद्दीन के रूप में की गयी है। इनमें से अजूफा खातून और अलाल उद्दीन रिश्ते में पति-पत्नी हैं। मोइराबाड़ी पुलिस ने बीती रात तीनों मादक पदार्थ के तस्करों को गिरफ्तार किया था। मोरीगांव से मोइराबाड़ी की ओर जाते समय पुलिस ने मोइराबाड़ी के पास छापा मारा और तीन लोगों को मादक पदार्थ भरे तीन साबुनदानी और एक बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया। पता चला है कि अधिक जानकारी के लिए मोइराबाड़ी पुलिस द्वारा तीनों से पूछताछ की जा रही है।

51 जोड़ों का जेसीआई गुवाहाटी ने किया कन्यादान

आशीर्वाद देने पहुंचे विधायक व जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। सामुदायिक विकास और सशक्तिकरण पर केंद्रित एक अग्रणी वैश्विक संगठन जेसीआई समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियां कर रहा है। जेसीआई गुवाहाटी अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना *कन्यादान* नाम से सामुदायिक विवाह का आयोजन किया है, जिसका उद्देश्य सामाजिक स्वीकृति, सरकारी योजनाओं और विवाह पंजीकरण को बढ़ावा देना है। इस परियोजना में 4 जून को सांगनेरिया धर्मशाला में जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफएस एमके कार्तिकेयन की उपस्थिति में 51 जोड़ों का विवाह करवाया। अरुण सरावगी की अध्यक्षता में चैप्टर ने *कन्यादान* के तहत 51 जोड़ों की शादियां कराई हैं। सामूहिक विवाह के इस आयोजन की सफलता के लिए मेंटर मनीष गोयनका और रमेश चांडक आध्यक्ष, कार्यक्रम जेएफपी रेखा सरावगी, निदेशक कार्यक्रम मनीषा अग्रवाल और आरती अग्रवाल, संयोजक प्रियंका जैन, शशि गोयल, ऋषिन

खेमका, नीलम अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, राजेश मित्तल और राहुल चमड़िया के साथ सचिव डॉ. अशीम चौधरी और कोषाध्यक्ष सौरभ लिला ने दिन-रात कड़ी मेहनत की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्तिकेयन ने कहा कि जेसीआई हमेशा समाज के पिछड़े लोगों के लिए काम कर रहा है। यहां अरुण सरावगी और उनकी टीम के नेतृत्व में जेसीआई गुवाहाटी ने दूल्हा और दुल्हन की की पोशाक के साथ कुछ बर्तन, कपड़े, मच्छरदानी, कंबल और एक बैग प्रदान करके 51 जोड़ों का विवाह करवाया। पूर्वी गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विधायक के साथ पार्षद प्रमोद स्वामी और पार्षद सौरव झुनझुनवाला और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कन्यादान परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य जाति, पंथ या आर्थिकपृष्ठभूमि के बावजूद विवाह की सामाजिक स्वीकृति को बढ़ावा देना है। जैसी आई जोन 25 के अध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित करके जेसीआई बाधाओं को तोड़ने और एक ऐसे समाज को प्रोत्साहित करने की उम्मीद करता है जो प्यार और रिश्तों की विविधता को गले लगाता है। इसके अलावा परियोजना का उद्देश्य विवाहित जोड़ों के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं और लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत-अमेरिका की साझेदारी महत्वपूर्ण

– रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की

– अमेरिकी रक्षा सचिव ने मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को भारत पहुंचे अमेरिकी रक्षा सचिव ने आज राष्ट्रीय राजधानी में मानेकशॉ सेंटर में राजनाथ सिंह की उपस्थिति में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। ऑस्टिन की यह यात्रा प्रमुख रूप से भारत-अमेरिका के नए रक्षा नवाचार, औद्योगिक सहयोग की पहल को आगे बढ़ाने, अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच परिचालन सहयोग का विस्तार करने के प्रयासों को जारी रखने पर केंद्रित होगी। भारत आने के बाद अमेरिकी रक्षा सचिव ने ट्वीट किया, "मैं अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के बारे में चर्चा के लिए प्रमुख नेताओं से मिलने के लिए भारत आ रहा हूं। हम एक मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक के लिए भारत के साथ साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं।" वहीं भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि नई दिल्ली में अपने दोस्त ऑस्टिन से मिलकर खुशी हुई। हमारी वार्ता रणनीतिक हितों और सुरक्षा सहयोग में वृद्धि सहित कई क्षेत्रों में रक्षा सहयोग बढ़ाने के इर्द-गिर्द घूमती है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत-अमेरिका की साझेदारी महत्वपूर्ण है। हम सभी क्षेत्रों में अमेरिका के साथ निकटता से काम करने की आशा करते हैं और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन क्कक्कने सोमवार को मानेकशॉ सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता की। भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत भी वार्ता में शामिल हुए। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गासेर्टी भी बैठक के दौरान उपस्थित थे। वार्ता से पहले अमेरिकी रक्षा सचिव ने मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। पेंटागन ने रक्षा सचिव की यात्रा के विवरण पर विस्तार से कहा, "सिंगापुर के बाद सचिव ऑस्टिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली का दौरा करेंगे, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी का आधुनिकीकरण करना जारी रखेंगे।" यह यात्रा औद्योगिक सहयोग की पहल को तेज करने, अमेरिकी और भारतीय सेनाओं के बीच परिचालन सहयोग का विस्तार करने के लिए चल रहे प्रयासों को चलाने का अवसर देगी। यह ऑस्टिन की दूसरी भारत यात्रा है। वह पहली बार मार्च, 2021 में भारत की यात्रा पर आए थे। अमेरिकी रक्षा सचिव की यह यात्रा इसलिए भी अहम है क्योंकि अगले माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिका की राजकीय यात्रा का कार्यक्रम प्रस्तावित है। राष्ट्रपति जो बाइडेन 22 जून को अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करेंगे, जिसमें राजकीय रात्रिभोज शामिल होगा। भारत के बाद अमेरिकी रक्षा सचिव ऑस्टिन डी-डे की 79वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए फ्रांस में अपनी यात्रा का समापन करेंगे और फ्रेंच और यूनाइटेड किंगडम के रक्षा नेताओं से मिलेंगे।

विदेश जा रही अभिषेक बनर्जी की पत्नी को इमीग्रेशन डिपार्टमेंट ने रोका

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजीरा बनर्जी को एक बार फिर सोमवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर रोक लिया गया। वह दो बच्चों को साथ लेकर विदेश जाने की फिराक में थीं लेकिन इमीग्रेशन डिपार्टमेंट ने उन्हें रोक लिया। रुजीरा सोमवार सुबह करीब सात बजे अपने दोनों बच्चों के साथ एयरपोर्ट पहुंचीं। उन्हें दुबई के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। एयरपोर्ट पर आव्रजन विभाग ने उन्हें "रोक" लिया। कुछ देर इंतजार करने के बाद वह एयरपोर्ट से घर लौट गईं। आव्रजन विभाग के सूत्रों के मुताबिक ईडी के एक मामले में रुजीरा के नाम से "लुक आउट" नोटिस जारी किया गया है। इसलिए उनके विदेश जाने पर प्रतिबंध है। हालांकि, अभिषेक बनर्जी के करीबी सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने ईडी मामले में अभिषेक और रुजीरा को संरक्षण दिया है और कहा कि उनकी विदेश यात्रा पर कोई रोक नहीं है। इसलिए अभिषेक रुजीरा को एयरपोर्ट पर रोकने के खिलाफ कानूनी कदम उठा सकते हैं। इससे पहले ईडी अभिषेक और उनकी पत्नी रुजीरा से कोयला तस्करी के मामले में कई बार पूछताछ कर चुकी है। पिछले दिनों डायमंड हार्बर से तृणमूल सांसद और उनकी पत्नी को भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली तलब किया था। समन मिलने के बाद अभिषेक दिल्ली में ईडी दफ्तर पहुंचे थे। हालांकि, रुजीरा दिल्ली में ईडी कार्यालय में पेश नहीं हुईं और कोलकाता में उनसे पूछताछ की गई।

त्यागराज स्टेडियम में पर्यावरण सम्मेलन

अजय त्यागी

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को दिल्ली सरकार के पर्यावरण एवं वन विभाग की ओर से त्यागराज स्टेडियम में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अन्य गणमान्य लोगों के साथ दीप प्रज्जवलित कर इसकी शुरूआत की। इस दौरान प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक पेश किया गया और वोकल ग्रुप ने पर्यावरण को लेकर गीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद पर्यावरण विभाग की ओर से ऑक्सीजन पर बनी एक लघु फिल्म दिखाकर लोगों को पर्यावरण का शुद्ध रखने के लिए जागरूक किया गया। अंत में पर्यावरण को सुधारने को लेकर बेहतरीन कार्य करने वाले ईको क्लब, आरडब्ल्यूए और फॉरेस्ट गार्डों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय, स्थानीय विधायक, मुख्य सचिव, पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पर्यावरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि हम 50वां विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं। 1972 में यूएन जनरल एसेंबली ने इसकी शुरूआत की थी। तब लगा होगा कि दुनिया में प्रदूषण बहुत बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने की जरूरत है। जब-जब हम विकास की बात करते हैं तो माना जाता है कि विकास के साथ-साथ प्रदूषण भी होगा। विकास होगा तो पेड़ काटे जाएंगे, धूल-मिट्टी उड़ेगी, निर्माण होगा। हम 50 साल से विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, लेकिन इन 50 वर्षों में पूरी दुनिया के अंदर प्रदूषण कम होने के बजाय बढ़ा है। भारत में भी किसी शहर, कस्बा या गांव को देंखे तो हर जगह प्रदूषण बढ़ा है। लेकिन पूरे देश में दिल्ली के अंदर प्रदूषण घटा है। केजरीवाल ने आंकड़ों के जरिए बताया कि 2016 के मुकाबले 2022 में पीएम-2.5 और पीएम-10 में 30 फीसद की कमी आई है। हम देखते हैं कि पूरे आसमान में प्रदूषण ही प्रदूषण हो गया है और सांस लेना मुश्किल हो जाता है। 2016 में 26 दिन ऐसे थे, जब दिल्ली गैस चैंबर बन गई थी और सांस लेना मुश्किल था। लेकिन 2022 केवल 6 दिन ऐसे थे, जब दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खराब था। थोड़े समय की और बात है। मुझे पूरी उम्मीद है कि दिल्ली वाले मिलकर प्रदूषण के ये 6 दिन भी खत्म कर देंगे और आने वाले सालों में एक भी दिन खराब नहीं होगा। 2016 में 109 दिन ऐसे थे, जो बहुत अच्छे थे। प्रदूषण नहीं था और आसमान बिल्कुल साफ था। जबकि 2022 में 163 दिन ऐसे थे, जो बहुत अच्छे थे। आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अकेला शहर है, जहां पेड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। 2013 में दिल्ली के कुल क्षेत्रफल के 20 फीसद जमीन पर पेड़ थे और आज (2023) ट्री कवर (पेड़ों की संख्या) 20 फीसद से कम होने के बजाय बढ़कर 23 फीसद हो गया है। इसका कारण यह है कि हम लोग बहुत बड़ी संख्या में पौधे लगाते हैं। इस बार भी दिल्ली सरकार ने दिल्लीवालों के साथ मिलकर पूरी दिल्ली में 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली के अंदर उद्योगों में पहले इस्तेमाल होने वाले ईंधन से बहुत ज्यादा प्रदूषण होता था। हमने उद्योगों से प्रदूषित ईंधन को खत्म कर दिया। अब उद्योगों में पीएनजी का इस्तेमाल होता है। पीएनजी से प्रदूषण नहीं होता है। इस तरह हम लोगों ने दिल्ली में औद्योगिक प्रदूषण भी खत्म कर दिया है। आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर हम लोगों ने दिल्ली में नई तकनीक का अविष्कार किया है। दिल्ली की सारी सड़कों को हम लोग मैकेनिकल स्वीपर से वैक्यूम क्लीनिंग करेंगे ताकि धूल न उड़े। हर हफ्ते दिल्ली की सभी सड़कों की पानी से सफाई की जाएगी। ताकि धूल का उड़ना बंद हो जाए। जब ये हो जाएगा तो यूरोपियन स्टैंडर्ड की सड़कों की तरह दिल्ली की सड़कें भी हो जाएंगी। दिल्ली सरकार ने लोगों के साथ मिलकर पटाखों के खिलाफ मुहिम छेड़ी और अब काफी सफल है। हमने ग्रीन एप बनाया है। कोई भी इस एप पर दिल्ली में कहीं पर भी हो रहे प्रदूषण की शिकायत कर सकता है। इसमें अभी तक 58 हजार शिकायतें आई हैं। इनमें से 90 फीसद शिकायतों का निवारण कर दिया गया है। आगे केजरीवाल ने कहा कि पूरी दिल्ली में हम लोग 380 झीलें बना रहे हैं। आने वाले समय में दिल्ली झीलों का शहर कहलाएगा। दिल्ली में जगह-जगह खूबसूरत झीलें दिखाई देंगी। अभी तक 26 झीलें बनकर तैयार हो गई हैं। मैं झीलों को देखकर आया हूं। वहां बहुत हरियाली है, खूबसूरत वातावरण और शुद्ध हवा है। झीलों में दूर-दूर से पक्षी आने लगे हैं। द्वारका झील पर जल स्तर पांच मीटर उपर आ गया है। वहीं दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज पूरी दुनिया विश्व पर्यावरण दिवस मना रही है, जिसका केवल एक ही मकसद है पर्यावरण को बेहतर बनाना। दिल्ली के अंदर भी पहले बहुत ज्यादा प्रदुषण हुआ करता था लेकिन मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दिल्ली को प्रदुषण से मुक्त करने का संकल्प लिया है।

पहलवान साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया सरकारी ड्यूटी पर लौटे, विरोध से हटने की खबरों को बताया अफवाह

महिला पहलवानों की एफआईआर उठाने की खबर भी झूठी

अजय कुमार

नई दिल्ली। पहलवानों के चल रहे विरोध ने सोमवार को तब नाटकीय मोड़ ले लिया जब पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने घोषणा की कि वे अपने सरकारी कर्तव्यों में फिर से शामिल होंगे। दोनों पहलवानों द्वारा रेलवे में अपनी नौकरी ज्वाइन करने के बाद कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही जाने लगी कि पहलवान विरोध प्रदर्शन से हट कर नौकरी पर वापस लौट गए हैं, हालांकि अब पहलवानों ने विरोध से हटने की खबर को अफवाह बताया है। बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट समेत देश के शीर्ष पहलवान यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर निवर्तमान डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बजरंग ने ट्वीट किया, "हम न पीछे हटे हैं और न ही हमने आंदोलन वापस लिया है। महिला पहलवानों की एफआईआर उठाने की खबर भी झूठी है। इंसाफ मिलने तक लड़ाई जारी रहेगी।" साक्षी मलिक ने ट्वीट कर कहा, "ये खबर बिलकुल गलत है। इंसाफ की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा। सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी ज़िम्मेदारी को साथ निभा रही हूँ। इंसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। कृपया कोई गलत खबर ना चलाई जाए।" गौरतलब है कि पहलवानों ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी, जिसके बाद उन्होंने नौकरी ज्वाइन करने का फैसला किया।

जेपी नड्डा ने की पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल दलबीर सिंह सुहाग से मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्र सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में विशिष्ट नागरिक संपर्क अभियान की शुरूआत की है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 सफल वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशिष्ट नागरिक संपर्क अभियान के तहत सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुग्राम (हरियाणा) में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल दलबीर सिंह सुहाग के साथ उनके आवास पर मुलाकात की। इस मौके पर जेपी नड्डा ने दलबीर सिंह सुहाग को मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों की बुकलेट भी सौंपी और उनसे इस पर चर्चा भी की।

दिल्ली में बाइक सर्विस पर रोक लगाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट 7 जून को सुनवाई करेगा

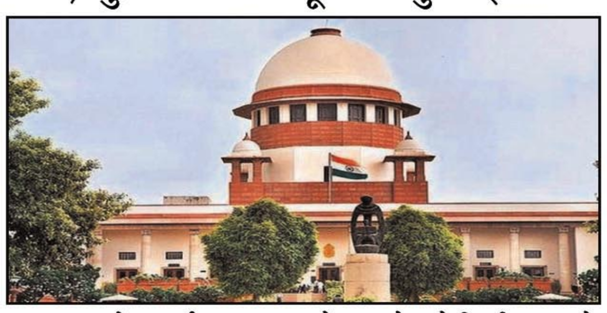

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में ओला-उबर और रैपिडो जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों की बाइक सर्विस पर रोक लगाने की मांग वाली दिल्ली सरकार की अर्जी पर 7 जून को सुनवाई करेगा। जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन बेंच ने ये आदेश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने बाइक सर्विस पर रोक लगाने वाले दिल्ली सरकार के फैसले पर रोक लगा दी थी। दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम में चुनौती दी है। दिल्ली परिवहन विभाग ने उबर,ओला और रैपिडो जैसे राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म द्वारा बाइक टैक्सी सेवाओं को चलाना बंद करने का निर्देश जारी किया था। हाईकोर्ट ने इसी आदेश पर रोक लगाई है।

सेना प्रमुख बांग्लादेश के दो दिवसीय दौरे पर, रक्षा संबंधों पर करेंगे चर्चा

– पासिंग आउट परेड में तंजानिया के ऑफिसर कैडेट एवर्टन को दी बांग्लादेश-भारत मैत्री ट्रॉफी

– बांग्लादेश के सेना प्रमुख और सशस्त्र बल विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ से भी मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। यात्रा के दौरान सेना प्रमुख बांग्लादेश के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से मुलाकात करके भारत-बांग्लादेश रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। सेना प्रमुख मनोज पांडे 10 जून को आईएमए, देहरादून में पासिंग आउट परेड की समीक्षा करने के बाद बांग्लादेश मेडल और ट्रॉफी प्रदान करेंगे। थल सेनाध्यक्ष ने यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को बांग्लादेश सैन्य अकादमी (बीएमए), चटोग्राम में 84वें लॉन्ग कोर्स के अधिकारी कैडेट्स की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में शामिल हुए और समीक्षा की। परेड के दौरान सेना प्रमुख ने बीएमए से पासिंग आउट कोर्स के सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट (विदेशी मित्र देशों से) के लिए स्थापित बांग्लादेश-भारत मैत्री ट्रॉफी प्रदान की। इस वर्ष की पहली ट्रॉफी तंजानिया के ऑफिसर कैडेट एवर्टन को दी गई है। यह ट्रॉफी दिसंबर, 2021 में भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून में स्थापित 'बांग्लादेश ट्रॉफी और मेडल' के परस्पर आदान-प्रदान में स्थापित की गई है। इस कार्यक्रम के अलावा सेना प्रमुख बांग्लादेश के वरिष्ठ सहयोगी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वह बांग्लादेश के सेना प्रमुख और सशस्त्र बल विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ से भी मुलाकात करेंगे। सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जुलाई, 2022 में अपनी पहली विदेश यात्रा पर बांग्लादेश का दौरा किया था। बांग्लादेश के सेना प्रमुख इस वर्ष अप्रैल में भारत के दौरे पर आकर अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई में पासिंग आउट परेड की समीक्षा की थी। दोनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों के बार-बार दौरे और संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रम दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को बढ़ाने में अहम योगदान करते हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर दो दिन में 10 किलोग्राम सोना बरामद, चार यात्री गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। राजस्व खु$फिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने पिछले दो दिनों में मुंबई एयरपोर्ट पर 10 किलोग्राम सोना बरामद करके चार यात्रियों को गिरफ्तार किया है। बरामद सोने की कीमत 6.2 करोड़ रुपये आंकी गई है। सूत्रों के अनुसार डीआरआई की टीम ने दोनों कार्रवाई गोपनीय सूचना के आधार पर की है। डीआरआई की टीम ने 3 जून को दुबई से आई फ्लाइट से मुंबई आए तीन यात्रियों को 8 किलोग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया है। इन यात्रियों ने सोना कपड़े छिपाकर बैग में रखा था। बरामद सोने की कीमत 4.94 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके बाद 4 जून को डीआरआई की टीम ने दुबई से आए एक यात्री को शक के आधार पर रोका। उसके बैग की तलाशी के दौरान 56 लेडीज पर्स मिले। इन पर्सों में दो किलोग्राम पांच ग्राम सोने के तार मिले। डीआरआई की टीम ने सोने की तार बरामद कर यात्री को गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों मामलों की गहन छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अदार पूनावाला को दी राहत, सोशल मीडिया पोस्ट पर लगाई रोक

मुंबई, (ईएमएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने दो व्यक्तियों को कोवीशील्ड वैक्सीन निमार्ता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और सीईओ अदार पूनावाला के खिलाफ सोशल मीडिया से 100 करोड़ रुपये की अपमानजनक सामग्री हटाने का निर्देश दिया। न्यायाधीश रियाज छागला ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और अदार पूनावाला द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर्स योहान टेंगरा और अंबर कोरी के खिलाफ दायर एक अंतरिम आवेदन का निस्तारण किया। फरयादी का आरोप है कि योहान टेंगरा और अंबर कोरी ने पूनावाला के खिलाफ कोवीशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभावों के बारे में मानहानिकारक पोस्ट, लेख और वीडियो पोस्ट किए। वरिष्ठ अधिवक्ता अस्पी चिनॉय ने तर्क दिया, जो लोग चालीस लाख लोगों की जान बचाने के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें अब सामूहिक हत्यारों के रूप में ब्रांडेड किया जा रहा है। ये आपके व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, लेकिन आप उन्हें इस तरह सोशल मीडिया पर नहीं डाल सकते। मानहानिकारक पोस्ट में अभियोगी को हत्यारे और अपराधी के रूप में संदर्भित किया गया है। कोविशील्ड की दो करोड़ उन्नीस लाख खुराक के बाद 12 मौतें हो चुकी हैं। चिनॉय ने तर्क दिया कि टीके के लाभ संभावित प्रतिकूल प्रभावों से कहीं अधिक हैं। प्रतिवादियों के वकील नीलेश ओझा और अभिषेक मिश्रा ने कहा कि एक अध्ययन के अनुसार, टीके से मृत्यु और कैंसर का खतरा बढ़ गया। यूरोप के 21 देशों ने उत्पाद पर प्रतिबंध लगा दिया है। न्यायमूर्ति छागला की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि टीका स्वेच्छा से दिया जा रहा था, इस टिप्पणी पर प्रतिवादीं के वकील नीलेश ओझा ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने नागरिकों के लिए लोकल ट्रेनों में यात्रा करने के लिए यह टीका अनिवार्य कर दिया है।

रेलवे की बुनियाद मजबूत करने की बजाय खबरों में बने रहने के लिए दिया जा रहा सतही टच : मल्लिकार्जुन खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ओडिशा में हुए बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में रेल हादसे पर दुख जताते हुए पीएम से रेलवे में सुधार की मांग की है। मुझे खेद है कि रेलवे को बुनियादी स्तर पर मजबूत करने की बजाय खबरों में बने रहने के लिए सतही टच अप दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रेलवे को अधिक प्रभावी, अधिक उन्नत और अधिक कुशल बनाने के बजाय इसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार गलत निर्णय लेने के चलते रेल यात्रा को असुरक्षित बना दिया गया है और हमारे लोगों की समस्याएं बढ़ रही हैं।

खड़गे ने पीएम से चार सवाल पूछे

- पिछले 9 वर्षों में रेलवे में बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों को क्यों नहीं भरा गया?

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम से सवाल करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे में इस समय करीब 3 लाख पद खाली पड़े हैं। अकेले ईस्ट कोस्ट रेलवे में जहां यह दुखद दुर्घटना हुई, उसी के लगभग 8278 पद रिक्त हैं। खड़गे ने कहा कि खुद रेलवे बोर्ड ने हाल ही में माना है कि मैनपावर की कमी के कारण लोको पायलटों को अनिवार्य घंटों से ज्यादा घंटे काम करना पड़ा रहा है। लोको पायलट सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके काम का ओवरबर्डन हादसों का मुख्य कारण साबित हो रहा है। उनके पद अब तक क्यों नहीं भरे गए?

इसी साल 8 फरवरी को दक्षिण पश्चिम क्षेत्रीय रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने मैसूर में दो ट्रेनों की टक्कर का हवाला देते हुए सिग्नलिंग प्रणाली को दुरुस्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया था और भविष्य में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं के बारे में भी आगाह किया था, लेकिन रेल मंत्रालय ने इस अहम चेतावनी की अनदेखी क्यों की?

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 323वीं रिपोर्ट में रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) की सिफारिशों के प्रति रेलवे बोर्ड की लापरवाही की आलोचना की थी। रिपोर्ट में सीआरएस की कमी बताई गई थी, लेकिन सीआरएस को मजबूत करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

मनीष सिसोदिया को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका, ईडी मामले में नहीं मिली अंतरिम जमानत

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आबकारी घोटाला मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को ईडी मामले में अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया पर आरोप गम्भीर हैं, ऐसे में उनको 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने सिसोदिया को अपनी पत्नी से घर या अस्पताल में पुलिस की मौजूदगी में मिलने की इजाजत दी। कोर्ट ने शर्त लगाई है कि पत्नी से मिलने जाने के दौरान सिसोदिया मीडिया से बात नहीं करेंगे। सिसोदिया फोन भी इस्तेमाल नहीं करेंगे। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को बताया गया कि मनीष सिसोदिया को 3 जून की सुबह उनके घर पर ले जाया गया था लेकिन वह अपनी पत्नी से मुलाकात नहीं कर पाए, क्योंकि उससे पहले ही उनकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। ईडी ने मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जब उन्होंने पहली बार अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी, उस समय और अभी की अंतरिम जमानत की अर्जी के समय उनकी पत्नी की हालत में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। ईडी ने कहा कि पत्नी दो दशक से इस बीमारी से पीड़ित है। अगर 6 हफ्ते के लिए सिसोदिया को अंतरिम जमानत दी भी जाती है, तो उससे बहुत ज्यादा असर नहीं होगा। इतना ही नहीं, उनके पास पीडब्ल्यूडी, शिक्षा, आबाकरी, फाइनेंस, विजिलेंस, बिनली, स्वास्थ्य, गृह समेत 18 पोर्टफोलियो थे। ऐसे में वह पत्नी के एक मात्र देख भाल करने वाले नहीं हो सकते हैं। ईडी की इस दलील का मनीष सिसोदिया के वकील ने विरोध करते हुए कहा कि सिसोदिया अपनी पत्नी के अकेले देखभाल करने वाले हैं, क्योंकि उनका इकलौता बेटा विदेश में पढ़ रहा है। सिसोदिया के वकील ने ईडी की इस दलील का भी विरोध किया कि उनके पास 18 पोर्टफोलियो थे, तो क्या इसका मतलब यह हुआ कि वह पत्नी के केयरटेकर नहीं हैं। हम भी दिन भर में कई मामलों से निपटारा करते हैं, दिन के अंत में घर वापस जाकर क्या हम अपने परिवार की देखभाल नहीं करते। मनीष सिसोदिया ने पत्नी की सेहत का हवाला देते हुए 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत की मांग की थी। 2 जून को हाई कोर्ट ने फौरी राहत देते हुए मनीष सिसोदिया को पुलिस हिरासत में पत्नी से 3 जून की सुबह 10 से शाम 5 बजे तक के लिए मिलने की इजाजत दी थी। हालांकि, सिसोदिया के घर जाने से पहले उनकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

प्रदूषण के दुष्परिणामों से बचने को पर्यावरण अनुकूल आचरण अनिवार्य : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण के प्रत्येक क्षेत्र में दिख रहे प्रदूषण पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार अपने स्तर पर गंभीर प्रयास कर रही है, लेकिन प्रदूषण के घातक दुष्परिणामों से बचने के लिए हर व्यक्ति को पर्यावरण अनुकूल आचरण करना होगा। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित 'रेस फॉर लाइफ : सर्कुलर इकॉनमी एवं लोकल क्लाइमेट एक्शन' विषयक कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन की शुरूआत के साथ पर्यावरण संकट पर 51 वर्ष पूर्व से चिंता की जा रही है। 51 वर्षों की आर्थिक विकास यात्रा में पर्यावरण कहां छूट गया, यह चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पृथ्वी, जल, वायु, पेड़-पौध सबका समन्वित रूप है। हम सबकी रचना भी पंचतत्वों के इर्द-गिर्द हुई है। हमारा जीवन चक्र व सृष्टि एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन हमने सृष्टि के तत्वों जल, वायु को प्रदूषित किया। इसका खामियाजा हमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों के रूप में भुगतना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मनीषा के मंत्र इस बात के प्रमाण हैं कि हमारे पूर्वजों ने सृष्टि के प्रत्येक वस्तु के कल्याण की बात की है। कल्याण मतलब कोई भी वस्तु प्रदूषित न होने पाए। पहले हम यज्ञ करते थे, घर-घर हवन होता था। इन सबको तिलांजलि देकर हमने ऐसी जीवन पद्धति अपना ली जो आज हमारे लिए ही घातक हो गई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ करने का दुष्परिणाम प्रदेश के कुछ हिस्सों में सितंबर-अक्टूबर की असमय बाढ़ या दिल्ली में नवंबर-दिसंबर के स्मॉग के रूप में सामने है। उद्योगों को बंद करना पड़ता है। कभी सूखा तो कभी अतिवृष्टि से अन्न का संकट भी खड़ा हो सकता है।

पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को प्रोत्साहित कर रही है सरकार – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम कर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सरकार पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए शहर ही नहीं गांवों में एलईडी लाइट की व्यवस्था हो रही है। एलईडी कार्बन उत्सर्जन कम करने का माध्यम बन रहा है। इसी तरह सोलर पावर को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नमामि गंगे से निर्मल एवं अविरल हुई गंगा – मुख्यमंत्री योगी ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नमामि गंगे प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रयागराज, काशी में गंगा जी का जल स्वच्छ व अविरल हो गया है। लोग प्रसन्नता से इसका आचमन व स्नान कर रहे हैं। जबकि पहले लोग प्रयागराज कुंभ में आचमन, स्नान नहीं कर पाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के लिए आजादी के अमृत महोत्सव में गांव-गांव अमृत सरोवर बन रहे हैं। उन्होंने ग्राम प्रधानों से तालाबों के संरक्षण और उनके चारों तरफ पौधरोपण का आह्वान भी किया। साथ ही हर घर नल योजना में भी पानी की बबार्दी रोकने की अपील की।

प्रदूषण व गंदगी थे इंसेफेलाइटिस के कारण – मुख्यमंत्री योगी ने चार दशक में पूर्वी उत्तर प्रदेश में पचास हजार मासूमों को असमय काल कवलित करने वाली बीमारी इंसेफेलाइटिस का जिक्र करते हुए कहा इसके कारण प्रदूषण व गंदगी थे। पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर इसे दोबारा पैर पसारने से रोकने के लिए सबको प्रयास करना होगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पाप के समान – मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का ध्येय वाक्य है, सॉल्यूशन फॉर प्लास्टिक पॉल्यूशन' है। प्रदेश में इसे 2018 में ही बैन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पाप के समान है। फेंके गए प्लास्टिक को गाय खाकर मर जाती हैं तो गोमाता की हत्या का पाप लगता है। कभी नष्ट न होने से यह प्लास्टिक धरती मां के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है।

पर्यावरण संरक्षण को सिक्स आर का मंत्र दिया – मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक से पर्यावरण के संरक्षण के लिए सिक्स आर का मंत्र दिया। उन्होंने रिड्यूस, रियूज, रिसाइकल, रिकवर, रिफैब्रिकेट और रिपेयर के फामूर्ले को अपनाने की अपील की।

हर ग्राम पंचायत लगवाए एक हजार पौधे – मुख्यमंत्री ने जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में चलाए जाने वाले वन महोत्सव की जानकारी भी साझा की। बताया कि प्रदेश सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में कम से कम एक-एक हजार पौधरोपण होना चाहिए। यदि सभी ग्राम पंचायत और नगर निकाय इस लक्ष्य को अपना लें तो छह करोड़ पौधरोपण इनके द्वारा ही हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाले राज्य में 35 करोड़ पौधरोपण कोई चुनौती नहीं है। हर व्यक्ति एक पौधा लगाए तो 25 करोड़ पौधरोपण अपने आप दिखेगा। मुख्यमंत्री ने पौधे लगाने के साथ उनकी रक्षा का दायित्व लेने की भी अपील की। इसका महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि वन आच्छादित क्षेत्र में तापमान 05 से 06 डिग्री कम रहता है और भीषण गर्मी से राहत मिलती है। उन्होंने पौधरोपण में पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, जामुन, देसी आम जैसे पारंपरिक वृक्षों को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया।

कश्मीर पर लगे कंलक 370 को समाप्त कर मोदी ने देश को प्रदान की सही दिशा : विधुड़ी

बिजनौर, (हि.स.)। कश्मीर के माथे पर लगा अनुच्छेद-370 का कलंक प्रधानमंत्री मोदी ने समाप्त कर दुश्मन मुल्क के मंसूबे पर पानी फेर दिया। वहीं जी-20 की मीटिंग में कश्मीर आये विदेशियों को लेकर दोनों पड़ोसी मुल्क खासे परेशान हैं। चांदपुर नगर के धनौरा मार्ग पर स्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता विकास गुप्ता राकी के शिक्षण संस्थान जेपी पब्लिक के प्रांगण में पत्रकारों से बात करते हुए मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल में 'सबका साथ-सबका विकास' की सीरीज में सांसद रमेश विधूड़ी ने कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र में मोदी सरकार के आने से पहले गरीबों को अपना इलाज जमीन जायदाद का टुकड़ा बेचकर कराना पड़ता था, लेकिन मोदी की सरकार आने के बाद आयुष्मान कार्ड योजना से लोग फ्री में अपना इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी की जन औषधि केन्द्र की सस्ती और सुलभ दवाओं के माध्यम से देशवासियों ने 18 हजार करोड़ रुपए अभी तक बचा लिये हैं।

सांसद विधुड़ी ने मोदी सरकार की ओर से किसानों के हितों में चलायी जा रही लाभकारी योजना के अलावा पिछली सरकारों में मिलों पर गन्ने का रूकने वाले भुगतान को दिलाने में मोदी-योगी की डबल इंजन की सरकार ने जो काम किया वह सराहनीय है। सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकार में किसानों के गन्ने का दाम 210 मिलता था, लेकिन डबल इंजन सरकार किसान को 350 रुपए कुन्टल दे रही है। उन्होंने मोदी सरकार की शुद्ध पेयजल योजना को लेकर कहा कि 2025 तक 12 हजार करोड़ लोगों के घरों में नल के माध्यम शुद्ध पेय जल दिया जायेगा। उन्होंने कहाकि मोदी ने कोरोना काल में अपने देश में बनी कोविड बैक्सीन से अपने देश के लोगों की ही नहीं, बल्कि विदेशों में बैक्सीन भेजकर मानवता के नाम पर लाखों लोगों की जान बचायी है। इससे पूर्व भाजपा नेताओं ने व्यापारी सम्मेलन में भी भाग लिया। इस मौके पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष बाल्मीकि, महासचिव विवेक कर्णवाल, वरिष्ठ भाजपा नेत्री सुमन त्यागी, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, वरिष्ठ नेता विकास गुप्ता राकी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मंत्री व जिलाधिकारी ने साइकिल रैली निकाल कर पर्यावरण सुरक्षित रखने का संदेश दिया

बांदा, (हि.स.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राइफल क्लब बांदा मैदान से स्वच्छता जागरूकता साइकिल रैली को प्रदेश के जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद एवं जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सरदार बल्लभ भाई पटेल आक्सीजन पार्क के लिए रवाना की गई रैली से स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया गया। रैली में मंत्री एवं जिलाधिकारी ने स्वयं साइकिल चलाते हुए लम्बी दूरी तय की और लोगों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया। रैली राइफल क्लब मैदान से चलकर रामलीला मैदान तिराहा, अतर्रा चुंगी तिराहा होते हुए सरदार बल्लभ भाई पटेल आक्सीजन पार्क में समाप्त हुई।

रैली में पर्यावरण को सुरक्षित रखने को स्वच्छता, वृक्षारोपण, प्लास्टिक पॉलीथिन का उपयोग न करने की अपील की गई। इस दौरान हम सबने आपस में ठाना है, स्वच्छ भारत बनाना है...., वृक्ष धरा के भूषण हैं, करते दूर प्रदूषण हैं..., जैसे विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से जनपद के लोगों को जागरूता का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने मिशन लाइफ की शपथ, पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने की दिलाई। सरदार बल्लभ भाई पटेल आक्सीजन पार्क में मंत्री एवं जिलाधिकारी ने नवाब टैंक एवं पार्क में स्वच्छता के लिए अभियान चलाकर सफाई की। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री के मिशन लाइफ के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के कार्य के साथ जुड़कर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के लिए सभी लोग कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया गया है तथा साइकिल रैली के माध्यम से वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे साधनों को उपयोग करें जिससे कि वातावरण प्रदूषित न हो, लोगों को पर्यावरण की अहमियत के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सांस्कृतिक गीत के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जल संचयन एवं संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए संदेश प्रदान किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी उमाकान्त त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे अमिताभ यादव, मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बुद्धि प्रकाश सहित बडी संख्या में अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण को बचाने के लिए पर्यावरणीय जीवनशैली को अपनाने की जरूरत : बादल पत्रलेख

रांची, (हि.स.)। राज्य के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल पत्रलेख ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मिशन लाइफ का संदेश यह है कि लोगों द्वारा किए गए छोटे कार्य भी समाज को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें धरती को बचाने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदार बनाता है। मंत्री बादल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में आम जन-जीवन में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को अपनाने पर बल दिया गया। मौके पर मिशन लाइफ के अभियान से जुड़ी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. संजय ने कहा कि मिशन लाइफ के रूप में वैश्विक पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके तहत व्यक्तिगत स्तर पर उठाए गए छोटे कदमों पर खास बल दिया गया है।

मिशन लाइफ अभियान को व्यापक जन-समर्थन मिला है। वन विभाग बेहतर पर्यावरण के लिए अभियान की गतिविधियों को निरंतर जारी रखेगा। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के अध्यक्ष शशिकर सामंता ने कहा कि यदि हम प्रदूषण-मुक्त एवं खुशहाल समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें अपने जीवन में सततशीलता के सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ नागरिक जुड़ाव और सामूहिक जिम्मेदारियों पर जोर देता है। हम सभी स्टेकहोल्डर्स को बेहतर पर्यावरण और समाज के लिए योगदान करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के सदस्य सचिव वाईके ने बदलाव लाने में सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि जिस पर्यावरण में हम रहते हैं, उसे संरक्षित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बेहतर पर्यावरण और समृद्ध समाज बनाने के लिए स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए। सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हम पर्यावरणीय मुद्दों पर जन-जागरुकता फैलाने के लिए अधिकाधिक कदम उठाएंगे। सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि प्रकृति ही हमारा असली घर है, इसलिए हमारा यह दायित्व है कि इसके संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करें। हमें स्थानीय स्तर पर जलवायु-अनुकूल पारंपरिक एवं सामाजिक मानदंडों को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सीड डाटा और विज्ञान के व्यापक उपयोग से जन-जागरूकता को बढ़ावा देने में सरकारी विभागों एवं एजेंसियों को निरंतर सहायता प्रदान करता रहेगा।

भाजयुमो ने बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र ने किया लाभार्थी संवाद एवं संपर्क अभियान

बेगूसराय, (हि.स.)। भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रुदौली पंचायत में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा लाभार्थी संवाद एवं संपर्क अभियान का आयोजन किया गया। युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष एवं लाभार्थी संवाद के प्रभारी नवनीत रंजन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मोदी सरकार के यशस्वी नेतृत्व में आम जन मानस के जीवन में आए सार्थक परिवर्तन की विस्तृत चर्चा किया गया। वक्ताओं ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा की। भाजपा के जिला महामंत्री कुंदन भारती ने सभा को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल में किए गए जनकल्याणकारी योजना और देशहित में किए कार्यों की चर्चा की। इसके साथ ही ग्रामीणों को उनके लाभ से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आपके विकास के अपने वचन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आगे भी समाज हित की योजनाएं भाजपा सरकार लाते रहेगी।

जिसके लाभार्थी हर तबके के लोग बनें, इसको सुनिश्चित करने का कार्य भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता करेंगे। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी ने पार्टी के जनकल्याण के सम्पूर्ण समर्पण भाव को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान को हर विधानसभा, हर पंचायत, गांव और क्षेत्र में सबों का अपार स्नेह एवं समर्थन प्राप्त हो रहा है। यह आगामी लोकसभा चुनाव में सफलता को सुनिश्चित करने जैसा है। जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि सदैव ही भ्रष्टाचार और स्वार्थसिद्धि से ऊपर विकास तथा समाज एवं राष्ट्र कल्याण के विचारों को ही चुनेगी।

स्थानीय सांसद प्रतिनिधि प्रभाकर राय ने कहा कि दूसरे देश के प्रधान के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रणाम कर स्वागत करना वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की स्वीकारोक्ति को दशार्ता है।

किसानों को मछली पालन और सिंघाड़े की खेती के लिए बढ़ावा दिया जाए : जिलाधिकारी

हरदोई, (हि. स.)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (खेत तालाब) वर्षा जल संचयन, सिंचाई, मछली पालन व सिंघाड़े की खेती को जनपद में बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए लक्ष्य के अनुरूप पात्रों के चयन का कार्य कर लिया जाए। जनपद का लक्ष्य बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा जाए। किसानों को फोन कर आवेदन रिजेक्ट होने की सूचना और कारणों के बारे में बताया जाए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत जल भराव क्षेत्रों के सुधार, एवं उपचार के लिए जलभराव क्षेत्रोपचार, कृषि वानिकी, वृक्षारोपण का कार्य कार्ययोजना बनाकर मनरेगा के अंतर्गत कार्य कराया जाए। क्षेत्र पंचायतों से भी इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त किये जायें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, विधायक गोपामऊ श्याम प्रकाश, प्रभाष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रांची, (हि. स.)। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक (बाह्य) निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे। ईवीएम वेयर हाउस के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि निर्धारित समय पर इवीएम वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण कर रख-रखाव, सुरक्षा एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट राज्य निर्वाचन विभाग को समर्पित करना होता है।

मऊ दंगे के बाद मुख्तार अंसारी ने आत्मसमर्पण किया तो जेल की कोठरी ही बना घर

– प्रदेश में बदली शासन व्यवस्था और मुकदमों की मजबूत पैरवी से मुख्तार का आपराधिक साम्राज्य बिखरा

वाराणसी, (हि.स.)। 'देख दिनन का फेर' कहावत पूर्वांचल के दुर्दांत माफिया और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी पर सटीक बैठती है। 26 साल से अधिक के अपराधिक और सियासी सफर में मुख्तार अंसारी और उसके परिवार की एक समय पूरे पूर्वांचल में तूती बोलती थी। समाजवादी पार्टी और बसपा के शासन काल में 786 नंबर की गाड़ियों के काफिले में चलने वाले मुख्तार अंसारी का वरदहस्त पाने के लिए न केवल छुटभैये बल्कि तब के दुर्दांत गैंगेस्टर और जनप्रतिनिधि लालायित रहते थे। मुख्तार के घर 'बड़का फाटक' में दरबार सजता था। तब के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक उसके दरवाजे पर सैल्यूट मारने जाते थे। मुख्तार के सियासी रसूख और धनबल के चलते थाना प्रभारी और पुलिस कर्मी उसके हर आदेश का पालन करते थे। उल्लेखनीय है कि

मुख्तार अंसारी के खिलाफ गाजीपुर, वाराणसी, मऊ और आजमगढ़ के अलग-अलग थानों में 61 मुकदमे दर्ज हैं। इसमें आठ मुकदमे ऐसे हैं, जेल में रहने के दौरान दर्ज हुए थे। ज्यादातर मामले हत्या से संबंधित हैं। मऊ दंगे में मुख्तार का सियासी रसूख दिखा था। वर्ष 2005 में मऊ दंगे में वहां पहली बार रेलवे संचालन बंद रहा। प्रदेश सरकार पर दबाव बनने के बाद मुख्तार अंसारी ने 25 अक्टूबर, 2005 को गाजीपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। जेल में रहने के बाद तत्कालीन सरकारों में पैठ के कारण जेल से ही वह आपराधिक साम्राज्य चलाता था। वाराणसी के पत्रकार सुशील मिश्र बताते हैं कि वर्ष 1988 में गाजीपुर के एक हत्या के एक मामले में पहली बार मुख्तार अंसारी का नाम सामने आया था। लेकिन पुख्ता सबूत न मिलने पर मुख्तार इस मामले में बरी हो गया। इसके बाद मुख्तार का मऊ, वाराणसी, जौनपुर, मिजार्पुर, भदोही और आसपास के इलाके में सिक्का चलने लगा। मुख्तार के सियासी रसूख को ऐसे समझा जा सकता है। साल 2009 के लोकसभा चुनाव में मुख्तार को बसपा से टिकट मिला तो उसने तत्कालीन भाजपा के कद्दावर नेता डॉ मुरली मनोहर जोशी को जेल में रहते हुए कांटे की टक्कर दी थी। लेकिन 2017 में प्रदेश में सत्ता बदलते ही उसका दुर्दिन शुरू हो गया। इसके बाद योगी सरकार ने माफिया के आर्थिक साम्राज्य की कमर तोड़ दी। न्यायालय में मुकदमों की मजबूत पैरवी और गवाही के दम पर मुख्तार अंसारी को 22 सितंबर 2022 से पांच जून 2023 तक पांच मामलों में सजा मिल चुकी है। अब अवधेश राय हत्याकांड में उम्रकैद की सजा मिली है।

बाबूलाल मरांडी ने देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया के कारोबार की जांच की मांग की

रांची, (हि.स.)। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया का फैल रहे कारोबार की जांच कराने की मांग की है। गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने भी उनसे सहमति जताई है। बाबूलाल के मुताबिक रांची की तरह देवघर में भी बड़े पैमाने पर कागजातों की हेराफेरी और जालसाजी कर जमीन घोटाला हुआ है। यह सिलसिला जारी है। अपनी चिंताओं को साझा करते कहा है कि एम्स एवं एयरपोर्ट स्थापना की गयी है। साथ ही बाबा वैद्यनाथ के विश्वव्यापी महत्व के चलते देवघर की जमीन पर न सिर्फ झारखंड बल्कि सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल के

जमीन माफियाओं की भी नजर रही है। वहां के कुछ मामलों की जांच सीबीआई भी कर रही है। फिर भी जमीन घोटाले का गोरखधंधा जारी है। मरांडी के अनुसार देवघर में हो रहे जमीन घोटाले गोरखधंधे का अंतरराज्यीय संबंध रांची की तरह बंगाल से है। सीबीआई और ईडी डायरेक्टर से अनुरोध करते बाबूलाल ने कहा है कि रांची की तरह देवघर में कागजातों की हेराफेरी कर हो रहे जमीन घोटाले की विस्तार से जांच का काम अपने हाथ में लें। सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने पीएमओ, गृह मंत्रालय, इनकम टैक्स विभाग, देवघर डीसी और झारखंड सीएमओ को भी इस ओर ध्यान देने को कहा है। गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बाबूलाल की चिंताओं को जायज मानते कहा है कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री होने के साथ साथ वे संताल परगना के नस नस को जानते हैं। देवघर में मंदिर, ट्रस्ट, धर्मशाला की जमीन को बेचने की होड़ लगी है। इसके अलावा एसपीटी कानून को धता बताकर गलत कागज पर भी जमीन की खरीद बिक्री हो रही है। एलपीसी भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट बन गया है।

विपक्ष का काम सिर्फ बोलना है, हमने जांच के आदेश दे दिए हैं : सीएम

– सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस पर जेपी को किया गया नमन

पटना, (हि.स.)। सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस पर पटना के गांधी मैदान में स्थापित स्व जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा स्थल पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। खगड़िया-अगवानी-सुल्तानगंज के बीच बन रहे पुल के ऊपरी हिस्से के गिरने पर विपक्षी पार्टियों द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे आरोप से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोग कुछ भी बोलते रहते हैं। उनका काम सिर्फ बोलना है। हमने जांच के आदेश दे दिए हैं। सीएम ने कहा कि जो हमारे साथ पहले उप मुख्यमंत्री थे, उनको पार्टी ने कोई जगह नहीं दिया है तो कुछ न कुछ तो बोलना ही है। आज के कार्यक्रम में उनलोगों को भी आना चाहिए था। वे लोग भी जेपी मूवमेंट से जुड़े हुए हैं।निमार्णाधीन पुल के स्ट्रक्चर गिरने से संबंधित सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निमार्णाधीन पुल का स्ट्रक्चर एकबार पहले और गिरा था उस समय भी हमने पूछा था कि ऐसा क्यों हुआ है। वर्ष 2012 में ही इस पुल के निर्माण करने का निर्णय किया गया था और वर्ष 2014 में इसकी शुरूआत हुई। कल ही जानकारी मिली है कि फिर से इसका स्ट्रक्चर गिरा है, तुरंत हमने विभाग के सभी अधिकारियों को कहा कि जाकर देखिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई कीजिए। पुल का निर्माण कार्य मजबूत तरीके से हो, इसको लेकर भी हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है। ओड़िशा में हुए रेल दुर्घटना से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना दुखद है। हमने इस पर दुख व्यक्त किया है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में जब हम रेल मंत्री थे उस समय रेल हादसा हुआ था। हमने घटनास्थल पर

जाकर मृतकों को देखा तो काफी तकलीफ हुई थी तो हमने रेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन श्रद्धेय अटल जी ने उसे स्वीकार नहीं किया था।

हमने उनसे आग्रह कर दोबारा इस्तीफा दिया, उसके बाद उन्होंने मेरा इस्तीफा स्वीकार किया था। डेढ़ साल के बाद जब पुनः मुझे रेल मंत्री बनाया गया तो मैंने प्रधानमंत्री जी से कहा था कि रेलवे सुरक्षा की दृष्टि से जो तय हुआ है उस पर काम किया जाए। उसके चलते रेलवे की स्थिति बेहतर हुई। ओडिशा में जो रेल हादसा हुआ है इसको ठीक से देखना चाहिए कि घटना का कारण क्या है। पहले रेलवे का बजट अलग से पेश होता था। लोकसभा और राज्यसभा में रेल बजट पर विस्तृत चर्चा होती थी। सांसदों की बात सुनी जाती थी और उनकी समस्याओं का निदान भी होता था। रेल बजट को इस सरकार ने खत्म कर दिया। रेल हादसा को लेकर पहले भी एक-दो मंत्रियों ने रिजाइन किया है। रेल मंत्रालय पुराना मंत्रालय है, लोगों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखना जरूरी है लेकिन रेल बजट को हटाकर सब अपने तरीके से किया जा रहा है। 12 जून को पटना में विपक्षी एकता की बैठक होने से संबंधित प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक के लिए अधिकतर लोगों का समर्थन आ गया था। 12 तारीख होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। हमने कांग्रेस पार्टी से कहा है कि आपलोग भी बैठक के लिए आगे की तिथि को लेकर बात कर लीजिए। सभी पार्टी के अध्यक्ष को आना है, इसमें कोई दूसरा आएगा तो अच्छा नहीं लगेगा। आगे इसकी तिथि तय होगी और उसके बारे में आपलोगों को बता दिया जाएगा।

संपादकीय

'रेल कवच' कहां गया?

यह अंतिम रेल सफर साबित हुआ। बीते 30 सालों में ऐसी घोर भयावह, जानलेवा, त्रासद रेल दुर्घटना नहीं देखी गई। ओडिशा के बालासोर जिले की रेल दुर्घटना अपनी किस्म की अभूतपूर्व त्रासदी है। वैसे यह तीसरा सबसे बड़ा, भयानक और त्रासद रेल हादसा है, क्योंकि तीन रेलगाडियों की टक्कर अभूतपूर्व और अकल्पनीय है। रेल आम आदमी का आसान और सुरक्षित सफर माना जाता रहा है। दुर्घटनाएं भी कम हुई हैं। लाखों यात्री हररोज रेल के जरिए ही आवागमन करते हैं। देश का रेल रूट 68,103 किलोमीटर लंबा है। हम विश्वस्तरीय रेलवे हैं। बालासोर हादसे में 288 मौतें हो चुकी हैं और 1116 लोग घायल हैं। अस्पतालों में उनका इलाज जारी है। करीब 56-58 यात्रियों की हालत गंभीर बताई गई है, लिहाजा मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हावड़ा से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन में और बेंगलुरू से हावड़ा जाने वाली दुरंतो सुपरफास्ट रेलगाड़ी में सवार यात्री आश्वस्त थे। कोई अपने घर, गांव जा रहा था, तो किसी को अपने गन्तव्य तक पहुंचना था। किसी के घर में समारोह था अथवा किसी को मुद्दत के बाद परिजनों से मिलना था। तीन रेलगाडियों की टक्कर ने सब कुछ चकनाचूर कर दिया। किसी की बाजू रह गई, किसी की टांग ही शेष रही, तो किसी का चेहरा ही विकृत हो गया। यात्री बोगियों के बीच फंस गए, तो कुचले गए। टीवी चैनलों पर दृश्य देखे, तो मन विचलित हो उठा। वेदना ने तालू चिपका दिया। क्या भारतीय रेल इतनी असुरक्षित है? क्या किसी मानवीय चूक और मैकेनिकल नाकामी के कारण इतनी बड़ी और वीभत्स मानवीय त्रासदी हुई? क्या तकनीकी स्तर और रेलवे स्टेशन पर स्थित नियंत्रण-कक्ष की प्रौद्योगिकी में हम इतने अक्षम हैं कि रेल हादसे नहीं रोक सकते? इस हादसे पर 'एंटी कोलिजन डिवाइस' का मुद्दा पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी ने उठाया है और विशेषज्ञ भी रेलवे के 'सुरक्षा कवच' पर सवाल कर रहे हैं। दरअसल यह 'कवच' 2020 में लागू किया गया था। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'कवच' का परीक्षण और प्रयोग देखा था, तो खूब तालियां बजाई थीं और 'कवच' को संचालित करने वालों की पीठ थपथपाई थी। दरअसल इस 'कवच' की हकीकत यह है कि 31 दिसंबर, 2022 तक 1455 किलोमीटर रूट ही 'कवच' से कवर किया जा सका था। यानी 95 फीसदी से ज्यादा रेल रूट 'कवचहीन' है। देश में 13,215 रेल इंजन हैं। इनमें से सिर्फ 65 में ही 'कवच' की व्यवस्था है। रेल के 19 जोन में से 18 में एक भी 'कवच' सिस्टम नहीं है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यदि 'कवच' होता, तो दूरंतो का इंजन 400 किमी पहले ही रुक जाता। रेल मंत्री के स्तर पर खूब दावे किए गए थे कि दो ट्रेरन की संभावित टक्कर को यह 'कवच' रोक सकता है, क्योंकि इसकी प्रौद्योगिकी दुर्घटना को भांप लेती है और ट्रेरन में स्वचालित ब्रेक लग जाते हैं। बहरहाल यह राजनीति और दोषारोपण का समय नहीं है। घोर त्रासद हादसा हुआ है। जो जिंदा हैं, उनका बेहतर इलाज किया जाए। यदि सरकार उन्हें कुछ मुआवजा देती है, तो कमोबेश भारत सरकार के खजाने से 'बूंद भर' राशि ही निकलेगी। कितनों को संबल मिलेगा और नए सिरे से सक्रिय होने का साहस भी मिलेगा, यह अनुभव प्रधानमंत्री मोदी को है। हादसों के बाद रेल मंत्रियों ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफे दिए हैं, लेकिन यह कोई संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मंत्री के इस्तीफे से त्रासदी की भरपाई नहीं की जा सकती। बेहतर होगा कि उच्चस्तरीय समिति और रेल सेफ्टी कमिश्नर की अलग-अलग जांच रपटें यथाशीघ्र सामने आ जाएं, ताकि जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जा सके।

हावड़ा से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन में और बेंगलुरू से हावड़ा जाने वाली दुरंतो सुपरफास्ट रेलगाड़ी में सवार यात्री आश्वस्त थे। कोई अपने घर, गांव जा रहा था, तो किसी को अपने गन्तव्य तक पहुंचना था। किसी के घर में समारोह था अथवा किसी को मुद्दत के बाद परिजनों से मिलना था। तीन रेलगाडियों की टक्कर ने सब कुछ चकनाचूर कर दिया। किसी की बाजू रह गई, किसी की टांग ही शेष रही, तो किसी का चेहरा ही विकृत हो गया। यात्री बोगियों के बीच फंस गए, तो कुचले गए। टीवी चैनलों पर दृश्य देखे, तो मन विचलित हो उठा। वेदना ने तालू चिपका दिया। क्या भारतीय रेल इतनी असुरक्षित है? क्या किसी मानवीय चूक और मैकेनिकल नाकामी के कारण इतनी बड़ी और वीभत्स मानवीय त्रासदी हुई? क्या तकनीकी स्तर और रेलवे स्टेशन पर स्थित नियंत्रण-कक्ष की प्रौद्योगिकी में हम इतने अक्षम हैं कि रेल हादसे नहीं रोक सकते? इस हादसे पर 'एंटी कोलिजन डिवाइस' का मुद्दा पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी ने उठाया है और विशेषज्ञ भी रेलवे के 'सुरक्षा कवच' पर सवाल कर रहे हैं।

कुछ अलग

पुरानी होती इमारतें

हिमाचल का विकास जिन राहों को नजरअंदाज कर रहा है, उन्हें पुनः खोजना होगा। विकास के लक्ष्यों में अतीत का सवाल उन इमारतों, रिवायतों, ग्रामीण आर्थिकी या समाज से पूछ लेना चाहिए, जो राजनीति की भीड़ में कहीं पीछे रह गए। सरकारी भवनों से जुड़ते नए ब्लॉक, शहरों से जुड़ते नए गांव और पुराने हो रहे मुकाम को फिर से पाने की कोशिश न की, तो विकास का बदलता भूगोल बहुत कुछ चौपट कर देगा। प्रदेश की नियुक्तियों में सबसे पीछे रह गया पद उस चौकीदारी व माली का है जो सार्वजनिक इमारतों की उम्र व प्रासंगिकता बढ़ा सकता है। हद तो यह कि न्यायालयों, जिलाधीश व अन्य सार्वजनिक कार्यालयों की इमारतों में नए को पुराना बनाने की होड़ ने आवश्यकता के पैमाने बदल दिए। हम सुनते हैं कि सरकारें दबादब तरीके से भवनों की कतार लगा रही हैं, लेकिन जहां ढांचा बर्बाद हो रहा है, उसकी खबर किसी को नहीं। ड्राइंग व डिजाइन की वजह से भी भवनों की उपयोगिता व भविष्य की मांग पूरी नहीं हो रही, जबकि वर्तमान ढांचे के सदुपयोग पर चर्चा ही नहीं होती। अब कहीं जाकर निर्माणाधीन पुलों की जांच का विषय उठा तो महकमे ने आनन-फानन में कदम उठाने का फैसला किया, वरना पिछले दिनों चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा व मंडी जिलों में पुलों की सूरत में उनके ध्वस्त होने की कहानी ही सामने आई। यह सिर्फ इमारतों का खेल नहीं, बल्कि उस भूमि के आबंटन का भी है जो वर्षों से दबाए कुछ विभाग इसके महत्त्व व जरूरत को ही नजरअंदाज कर रहे हैं। प्रदेश के बड़े शहरों में सरकारी आवासीय कालोनियां हैं, तो कार्यालयों की जमीन पर साहबों की कोठियां कैसे बन रहीं। दुर्भाग्यवश सरकारी संपत्ति को हर सरकार का विकास नहीं मापता, नतीजतन जहां अस्पताल होना चाहिए वहां स्कूल और जहां बस स्टैंड होना चाहिए वहां कोई कार्यालय भवन चस्पां कर दिया जाता है। ऐसे में सरकारी भवनों की देखरेख, सदुपयोग व बेहतर योजना के लिए एक केंद्रीय एजेंसी या सार्वजनिक संपत्ति एवं एस्टेट विकास प्राधिकरण का गठन होना चाहिए, जो मांग व आपूर्ति के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करे कि सरकारी संपत्तियों का सदुपयोग कैसे बढ़ाया जाए। इसके साथ यह विचार भी करना होगा कि हर शहर में एक जैसा विकास संभव नहीं। पालमपुर को अगर टी सिटी की रुहानियत में आगे बढ़ाना है या मनाली को पर्यटन डेस्टिनेशन, तो वहां अधोसंरचना निर्माण की प्राथमिकताएं अलग होनी चाहिए। हमने इसी होड़ में अनावश्यक रूप से पर्यटन की कई परियोजनाएं व इकाइयां बर्बाद कर दीं। शहरों में पशु अस्पताल, तत्संबंधी कार्यालय या फिशरीज आफिस खोलने की दरकार नहीं है। बहुत सारे कार्यालय ग्रामीण परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता बढ़ा सकते हैं। इसीलिए एक बार फिर शिमला से कुछ राज्य स्तरीय कार्यालय राज्य के अन्य भागों में स्थानांतरित करने होंगे। बहरहाल भवनों का लावारिस रह जाना गहन चिंतन का विषय है। शहरी सरकारी स्कूलों या इसी तरह अन्य कार्यालयों में उद्देश्य का हारना न रोका गया, तो भविष्य में राज्य सिर्फ नई इमारतों का जंगल बनकर रह जाएगा। प्रदेश के कई शहरों में सरकारी स्कूलों के पास भवन तथा जमीन की कमी नहीं, बस इन्हें निजी स्कूलों के मुकाबिल करने की जरूरत है। आरंभिक तौर पर कुछ चयनित स्कूलों को सीबीएसई या आईसीएसई पाठ्यक्रम के तहत चलाना होगा। निस्संदेह राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल इसी तरह की प्रतिज्ञा के साथ अपने लिए जमीन तलाश रहा है। सरकार ऐसे स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत चलाने की योजना बना रही है।

अनियंत्रित वाहन आगमन से फैलने वाले धुएं से स्थानीय स्तर पर तापमान वृद्धि की संभावना बढ़ जाती है

जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय आजीविका

कुलभूषण उपमन्यु

पर्वतों को मानव जाति के लिए जल मीनार, जैव विविधता भंडार, पवित्र स्थल, पर्यटन के रूप में राहत स्थलों, सघन वनों और जलवायु नियंत्रण जैसी अनेक पर्यावरणीय सेवाओं के प्रदाता के रूप में मान्यता दी। इसके साथ ही वर्तमान विकास मॉडल में पर्वतों के साथ जो मुख्य धारा के विकास का रिश्ता बना वह आर्थिक रूप से असमान शर्तों पर स्थापित हुआ है। पर्वतीय संसाधनों पर मुख्य धारा अर्थतंत्र का कब्जा मजबूत होता जा रहा है, किन्तु उसके बदले पर्वतीय क्षेत्रों को जितना आर्थिक संबल वापिस मिलना चाहिए वह नहीं मिलता है। इसलिए विश्व भर के पर्वतों के लिए विशेष व्यवस्था विकसित किये जाने की बात कही गई।

विश्व भर में पर्वतीय क्षेत्र अगम्यता और नाजुकता के कारण हाशिए पर रहते आये हैं। इस तथ्य को मान्यता देते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1992 के पर्यावरण और विकास पर आयोजित रिओ सम्मेलन में माउंटेन एजेंडा 21 के रूप में पर्वतीय क्षेत्रों के लिए एक विशेष अपील जारी की थी। पर्वतों को मानव जाति के लिए जल मीनार, जैव विविधता भंडार, पवित्र स्थल, पर्यटन के रूप में राहत स्थलों, सघन वनों और जलवायु नियंत्रण जैसी अनेक पर्यावरणीय सेवाओं के प्रदाता के रूप में मान्यता दी। इसके साथ ही वर्तमान विकास मॉडल में पर्वतों के साथ जो मुख्य धारा के विकास का रिश्ता बना वह आर्थिक रूप से असमान शर्तों पर स्थापित हुआ है। पर्वतीय संसाधनों पर मुख्य धारा अर्थतंत्र का कब्जा मजबूत होता जा रहा है, किन्तु उसके बदले पर्वतीय क्षेत्रों को जितना आर्थिक संबल वापिस मिलना चाहिए वह नहीं मिलता है। इसलिए विश्व भर के पर्वतों के लिए विशेष व्यवस्था विकसित किये जाने की बात कही गई। हरित प्रभाव गैसों के बढ़ते उत्सर्जन के कारण जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता बन गई है। पर्वतीय स्थलों के संरक्षण से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों में कुछ राहत की सांस ली जा सकती है। भारतवर्ष के सन्दर्भ में हिमालय क्षेत्र की स्थिति से इस बात को समझा जा सकता है। वर्तमान विकास मॉडल के चलते हिमालय के संसाधनों का दोहन और विकास मैदानी क्षेत्रों की जरूरतों के हिसाब से किया जाता रहा है। बड़े बांध, सीमेंट और मेगा पर्यटन, वनों का दोहन आदि में स्थानीय हित कहीं अनदेखी का शिकार हो जाते हैं। भाखड़ा, पौंग बांधों के विस्थापित पांच दशकों तक भी पूरी तरह से पुनर्वासित नहीं हो पाए हैं। हिमाचल में बनने वाला सीमेंट जिसके लिए लोग विस्थापन का शिकार हुए, हिमाचल में महंगा मिलता है और हिमाचल से बाहर सस्ता। इसके लिए कई बहाने बनाए जा सकते हैं, जैसे ढुलाई सब्सिडी आदि, किन्तु अंतिम परिणाम तो यही है न कि हिमाचल का सीमेंट हिमाचलियों को महंगा मिलता है। इन बड़े प्रोजेक्टों से कोई रोजगार भी स्थानीय स्तर पर टिकाऊ रूप से पैदा नहीं होता है। पर्वतीय क्षेत्रों में खेती, बागवानी, पशुपालन, दस्तकारी, मधुमक्खी पालन, स्थानीय नदी-नालों से मछली पकडना आदि परंपरागत आजीविका के साधन रहे हैं। वर्तमान में नौकरी सबसे आकर्षक आजीविका के रूप में उभरा है, किन्तु नौकरी तो 2-3 फीसदी

से ज्यादा के लिए संभव नहीं है। तो बाकी की आबादी को पर्वतीय संसाधनों के टिकाऊ उपयोग पर आधारित व्यवसायों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इस दिशा में नए नवाचारों को लेकर गवर्नमेंट कॉलेज शाहपुर में उत्तर-पश्चिमी हिमालय में टिकाऊ आजीविका संवर्धन पर आयोजित 27 मई से तीन दिवसीय कार्यशाला में मुझे जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसमें कुछ अच्छे सुझाव सामने आए, उन्हें भी यहां उद्धृत करना प्रासंगिक होगा। पर्यटन में रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं, किन्तु पर्यटन को जिम्मेदार बनाना होगा। मेगा पर्यटन कचरा लेकर आता है। सांस्कृतिक प्रदूषण भी एक खतरा हो सकता है। इनसे बचते हुए हिमालय की शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, रमणीय भूदृश्य का लाभ लेकर, स्वास्थ्य-पर्यटन, ईको पर्यटन, साहसिक पर्यटन, होम स्टे आदि के माध्यम से जिम्मेदार पर्यटन के रूप में विकसित करके टिकाऊ आजीविका खड़ी की जा सकती है। हिमालय में ऐसे उत्पादों पर जोर देना चाहिए जो केवल यहां के वातावरण में ही हो सकते हों। जिसे हम निश उत्पाद कह सकते हैं, जिसमें बेमौसमी सब्जी आदि पर अच्छा काम हो रहा है। कुछ पहल सुगन्धित कृषि की दिशा में भी हो रही है। इस क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। खास करके सुगन्धित एस्सेंशिय्ल तेलों के क्षेत्र में। फिलहाल पूरा साल काम देने वाली सुगन्धित फसलों के फसल चक्र को स्थापित करना होगा। सुगन्धित तेलों का अरबों करोड़ रुपए वैश्विक कारोबार है, जिसमें भारत का हिस्सा अभी नगण्य है। हिमालय में इसकी अपार संभावना है, जिसकी खोज की जानी चाहिए। आईएचबीटी पालमपुर इस दिशा में अच्छा काम कर रहा है, किन्तु इसको और ज्यादा बल प्रदान करने की जरूरत है। कुछ ऐसी परियोजनाओं पर काम करने के लिए इस संस्थान को बजट दिया जाना चाहिए जिससे हिमाचल और अन्य हिमालयी राज्यों के लिए उपयुक्त सुगन्धित फसलों का वर्षपर्यंत उत्पादन चक्र स्थापित करने की दिशा में काम हो और उत्पादों की लाभकारी बिक्री की व्यवस्था हो सके। स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत के दृष्टिगत इस दिशा में भी काफी काम हो सकता है। हिमालय में चीड़ रोपण ने पर्वतीय चरागाहों और अन्य जैव विविधता को नष्ट किया है जिससे पशुपालन को बड़ा नुकसान हुआ है और इससे आम किसान को कोई आजीविका भी नहीं मिली है। यदि चीड़ की पत्तियों के ब्रिकेट्स बनाए जाएं तो चीड़ की पत्तियां वनों से निकाल कर वनों को आग से भी बचाया जा सकेगा और लोगों को भी काम मिलेगा। इस दिशा में कुछ पहल हो रही है जिसे जहां-जहां चीड़ के वन हैं वहां तक बढ़ाया जाना चाहिए। इसी कड़ी में बांस से एथनोल बनाने का काम है। बांस से गन्ने के मुकाबले दस गुणा ज्यादा एथनोल बनाया जा सकता है। और इसकी सिंचाई की भी जरूरत नहीं होती। हिमालय की तराई के क्षेत्रों में बांस सफलता से उगाया जा सकता है। इससे तराई के इलाकों में फैले भयंकर खरपतवारों को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। हिमाचल सरकार कृषि अवशेषों से एथनोल बनाने की अच्छी पहल शुरू कर रही है किन्तु इसके साथ यदि बांस से एथनोल को जोड़ा जाए तो बहुत बड़े पैमाने पर एथनोल उत्पादन किया जा सकता है जिसकी मांग सतत रहने वाली है और बढ़ती जाने वाली है। औषधियों की खेती में भी कुछ संभावना है, बशर्ते उनके आर्थिक लाभ-हानि पक्ष को देख कर ही किसानों को सुझाव दिया जाए। हिमालय में वनाधिकार कानून 2006 को सही तरीके से लागू करके वनाधारित सामुदायिक आजीविका को बढ़ाया जा सकता है और वन प्रबन्धन में समुदायों की सक्रिय भूमिका को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इससे वन संरक्षण और प्रबन्धन का काम भी बेहतर होगा। इसके साथ दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों की अनदेखी से भी बचना होगा। वनों का अत्यधिक दोहन शुद्ध वायु के भंडार और वनों द्वारा संरक्षित जल को नष्ट करने जैसा है, अनियंत्रित वाहन आगमन से फैलने वाले धुएं से स्थानीय स्तर पर तापमान वृद्धि की संभावना बढ़ जाती है। प्रदूषणकारी उद्योगों को भी हिमालय में स्थान नहीं मिलना चाहिए। हिमालय से संबंधित संवेदनशील मुद्दों में ढील अक्षम्य है।

लॉजिस्टिक लागत घटने का सुकूनदेह परिदृश्य

विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अक्टूबर 2021 में घोषित पीएम गति शक्ति योजना और सितंबर 2022 में घोषित राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के कार्यान्वयन और वर्ष 2020 से लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के प्रारंभिक अपेक्षित परिणामों से लॉजिस्टिक लागत में कमी आने का परिदृश्य निर्मित होने लगा है। ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक के ताजा लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक के तहत कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट और लॉजिस्टिक क्षमता संबंधी भारत की बढ़त दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण से भी भारत का लॉजिस्टिक प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

इस समय लॉजिस्टिक लागत से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी करके उत्पादकता और निर्यात तेजी से बढ़ाए जा सकते हैं। इसके साथ-साथ यातायात प्रबंधन में सुधार करके जहां लॉजिस्टिक लागत को और कम किया जा सकता है, वहीं समय व ऊर्जा की बचत करते हुए दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सकती है। ऐसे में आम आदमी से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था को लाभान्वित किया जा सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले एक-दो वर्षों में लॉजिस्टिक लागत में कुछ कमी दिखाई देने लगी है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अक्टूबर 2021 में घोषित पीएम गति शक्ति योजना और सितंबर 2022 में घोषित राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के कार्यान्वयन और वर्ष 2020 से लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के प्रारंभिक अपेक्षित परिणामों से लॉजिस्टिक लागत में कमी आने का परिदृश्य निर्मित होने लगा है। ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक के ताजा लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक के तहत कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट और लॉजिस्टिक क्षमता संबंधी भारत की बढ़त दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण से भी भारत का लॉजिस्टिक प्रदर्शन बेहतर हुआ है। सामान्यतया वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल की लागत पहले क्रम पर और मजदूरी की लागत दूसरे क्रम पर होती है। फिर लॉजिस्टिक लागत का क्रम आता है। लॉजिस्टिक लागत का मतलब है उत्पादों एवं वस्तुओं को उत्पादित स्थान से गंतव्य स्थान तक पहुंचाने तक लगने वाले परिवहन, भंडारण व अन्य खर्च। लॉजिस्टिक लागत कम या अधिक होने में बुनियादी ढांचे की अहम भूमिका होती है। यदि सडकें बेहतर और अन्य बुनियादी ढांचे की सुविधाएं उपयुक्त हों तो तेजी से सामान पहुंचने, परिवहन संबंधी चुनौतियां और ईंधन की लागत कम होने से भी लॉजिस्टिक लागत कम हो जाती है। यदि निर्धारित समय में बुनियादी ढांचे संबंधी परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं तो भी लॉजिस्टिक लागत में कमी आती है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की गति शक्ति योजना करीब 100 लाख करोड़ रुपये की महत्त्वाकांक्षी परियोजना है जिसका लक्ष्य देश में एकीकृत रूप से बुनियादी ढांचे का विकास करना है। वस्तुतः देश में सडक, रेल, जलमार्ग आदि का जो इंफ्रास्ट्रक्चर है, वह अलग-अलग 16 मंत्रालयों और विभागों के अधीन है, उनके बीच में सहकार व समन्वय बढ़ाना गति शक्ति योजना का मुख्य फोकस है। वस्तुतः नई लॉजिस्टिक पॉलिसी गतिशक्ति योजना की अनुपूरक है। इसका प्रमुख लक्ष्य माल परिवहन की लागत घटाकर सभी प्रकार के उद्योग-कारोबार को बढ़ावा देना और वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना भी है। देश में नई लॉजिस्टिक नीति के जरिए अगले 10 सालों में लॉजिस्टिक्स सेक्टर की लागत को 10 प्रतिशत तक लाया जाएगा। चूंकि वर्तमान में लॉजिस्टिक्स का ज्यादातर काम सडकों के जरिए होता है, अतएव अब नई नीति के तहत रेल ट्रांसपोर्ट के साथ-साथ शिपिंग और एयर ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जा रहा है। लगभग 50 प्रतिशत कार्गो को रेलवे के जरिए भेजे जाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है और सडकों पर ट्रैफिक को कम किया जा रहा है। देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से निर्माण होने लगा है। ऐसे में इंजीनियरिंग, डिजिटलीकरण और बहु-साधन परिवहन जैसे क्षेत्रों पर जोर देकर माल ढुलाई क्षमता में सुधार की ओर कदम बढ़ा दिए गए हैं। इस समय केंद्र सरकार सडक और रेल मार्ग, दोनों में सुधार पर ध्यान दे रही है। देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक एवं कारोबारी केंद्रों के बीच की दूरी कम करने के लिए एक तरफ डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर के जरिए रेल मार्ग से माल ढुलाई को तेज करने की कवायद कर रही है, दूसरी तरफ देश के लगभग हर हिस्से में ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसके साथ ही राजमार्गों पर आधारित इंडसट्रियल कोरिडोर भी बनाए जा रहे हैं। यह बात भी उभरकर दिखाई दे रही है कि देश में बुनियादी ढांचे के तहत सडकों, रेलवे, बिजली और हवाई अड्डों के अलावा बंदरगाह से संबंधित सडक और रेल कनेक्टिविटी में भी निजी निवेश का प्रवाह अहम भूमिका निभा रहा है। यात्रा के आधार पर भारत का लगभग 95 फीसदी विदेश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। देश में नवीनतम बंदरगाह नीति के तहत बंदरगाह 'लैंडलॉर्ड मॉडल' की शुरुआत के साथ सरकार के स्वामित्व वाले 'प्रमुख बंदरगाह' की परिचालन जिम्मेदारियां निजी क्षेत्र को सौंपने की रणनीति के कारण बंदरगाह विकास और संचालन में घरेलू और विदेशी निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश के कोने-कोने के शहरी भागों में सडकों पर वाहनों की भरमार और इससे यातायात में होने वाली असुविधाओं से जहां समय और ऊर्जा की हानि होती है, वहीं इसका उत्पादकता एवं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर प्रभाव पड़ता है। सामान्यतया विश्व स्तरीय सडकों के मापदंडों पर सडक निर्माण पर काफी धनराशि खर्च की जाती है, मगर यातायात सुगम बनाने के परिप्रेक्ष्य में उपयुक्त पार्किंग पर पर्याप्त खर्च पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ऐसे में वाहन चालक सडकों के किसी भी हिस्से पर वाहन खड़ा करना शुरू कर देते हैं। इससे आवागमन में असुविधा होती है, साथ ही सडकों पर बड़ी संख्या में लोग तनाव, वाद-विवाद और दुर्घटनाओं का सामना भी करते हैं। 15 मई 2023 को रोड एक्सीडेंट सैंपलिंग सिस्टम फॉर इंडिया के डेटाबेस के आधार पर बॉश लिमिटेड की प्रकाशित रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में 2021 में सडकों पर पैदल चलने वाले घायल लोगों की संख्या 29200 थी जोकि पूरे यूरोप और जापान की संयुक्त सडक दुर्घटनाओं से अधिक थी। ऐसे में शहरों में सडक एवं यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए कदम बढ़ाना जरूरी है। इससे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। खास तौर से जहां नए शहरों में अच्छी सडकों और पुराने शहरों में उपलब्ध जगह में ही पार्किंग बढ़ाने पर पूरा ध्यान देना होगा, वहीं अब वाहन चालकों को भी लाइसेंस आवंटित करते समय चालक के वाहन चलाने की क्षमता के साथ-साथ भीड़ भरे यातायात के बीच दूसरे लोगों को दिक्कत पहुंचाए बिना वाहन चलाने की क्षमता का परीक्षण भी अनिवार्य किया जाना लाभप्रद होगा। इससे भी सडकों पर यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के साथ-साथ विभिन्न लागतों में कमी लाई जा सकेगी।

नागरिक बोध

जलता हुआ दीप दूसरे दीपो को जला सकता है

बुझा हुआ दीप अंधेरे में ही पड़ा रहता है। इसलिए प्रज्वलित दीपक बनो।संसार मे ज्योति बनकर जियो।ताकि अंधेरे को रोशनी में बदल सको। कोयला बनकर मत जिओ। जो पड़ा पड़ा सुलगता रहे। धुंआ उगलता रहे। जिंदगी बहुत मूल्यवान है। इसका एक एक पल इतना महत्वपूर्ण है कि हम इन पलो में शताब्दियों का इतिहास रख सकते है युग की धारा बदल सकते है। बस, आवश्यकता है उत्साह की,उल्लास की,और जीवन मे कुछ न कुछ नव निर्माण करने के शुभ संकल्प की। जिंदगी का अर्थ है उत्साह और साहस। आज वर्तमान में देश मे भयावह स्थिति है। वह हमारे सामने है।आज देश मे विद्वेष की राजनीति चल रही है। गुंडागर्दी की असभ्य भाषा चल रही है। ताश के पत्तो की तरह सरकार बदल रही है दूसरी तरफ़ अधर में लटकी चरमराती सरकार बन रही है। न ही नैतिक मूल्य है और न ही कोई सिद्धांत और न ही कोई नीति। आत्म सम्मान खोकर सभी सता का खेल रहे है। राजनीति दिशाहीन हो रही है। नैतिक मूल्यों का विध्वंस हो रहा है। राजनेता धन और सता के पीछे पागलों की तरह दौड़ रहा है।सत्ता और धन की तृष्णा कभी शांत नही होती। अपार वैभव पाकर भी मनुष्य का मन भूखा, व्याकुल और दरिद्र बना हुआ है। सत्ता की कुर्सी पर बैठकर उसे कभी छोड़ना नही चाहता है। अपना सबकुछ दांव पर लगाकर कुर्सी का दावा छोड़ना नही चाहता है। महत्वहीन यक्तित्व महत्व कांक्षा की दौड़ में इसके घोड़े बने हुए है। इस प्रकार सत्ता और धन का महा भारत आज मच रहा है। आज असीमित धनाकांशा ,भोगलिप्सा और स्वार्थवादी मनोवृति के कारण मनुष्य मनुष्य के कारण संवेदना शून्य बन गया है। भावनाहीन बन गया है। नेता विदेश में जाकर सतारूढ़ सरकार के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर भारत को बदनाम कर रहे है। भाषा का तालमेल नही है। विपक्ष सतारूढ़ सरकार पर हमलावर हो रहा है।धर्म के नाम पर बहस चल रही है। दिलीलो में अपने अपने धर्म को महान बताकर समाज में दीवार खड़ी की जा रही है। मनुष्य जितना स्वार्थी आज के समय मे है। वह पौराणिक काल मे भी नही हुआ होगा। लोग भावनाहीन बनते जा रहे है।ममनुष्य आज स्वार्थी बना है। इतना पौराणिक काल मे भी इतना स्वार्थी और क्रूर नही हुआ होगा । आज का नेता अभिनेता की भांति तरह तरह का चरित्र जी रहा है। ऐसे समय मे हमारा कर्तव्य है कि जीवन मे आशावादी बनकर,मानवतावादी बनकर जिये।देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति आस्था और आशा जगाए,संकल्प और पुरुषार्थ जगाए। केवल अपने लिए नही जिये।देश मे विरले ही नेता है जिन्होंने देश के लिए घर बार छोड़ दिया। मोदी और योगी दिग्गज नेताओं को अपने परिवार कीकोई चिंता नही है।उनके लिए देश ही सर्वोपरि है। दुसरो के लिए भी जिये। अपने स्वार्थ को परमार्थ में बदले।

देश दुनीया से

सियासत के स्मार्ट मुर्दे

सिटी स्मार्ट हो रही थी, लोग उससे भी ज्यादा यह सोच-सोच कर स्मार्ट होने लगे थे कि वे भारत की तस्वीर बदल देंगे, समाज-संस्कृति बदल देंगे और जहां तक नजर जाती है, विकास का अर्थ बदल देंगे। देश में इतना विकास संभव भी है कि हम थोड़ा-बहुत अतिक्रमण करके सरकारी सडक के ठीक छोर पर ऊंची से ऊंची इमारत खड़ी कर दें। आजादी के बाद इस शहर ने जबसे अपने विकास को स्मार्ट कहना शुरू किया है, इसकी आंखों में सबसे पुराना श्मशानघाट अटक गया है। यह पुराना, लेकिन सबसे प्रमुख श्मशानघाट था, इसलिए सोचा गया कि क्यों न इसे भी स्मार्ट बनाया जाए। वैसे इसी श्मशानघाट की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के नाम पर कई छोटे ठेकेदार पहले से ही बड़े बन गए थे, फिर भी अब इसे बड़े वाला स्मार्ट बनाना था ताकि पूरे राज्य को पता चल जाए कि विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए क्या कुछ नहीं किया है। प्रशासन हमेशा से मतदाताओं की मांग और आपूर्ति का हिसाब लगा कर ही काम करता आया था, इसलिए गौर करने लगा कि हर दिन कितने मुर्दों के हिसाब से ऐसा डिजाइन बनाए जो दूर से ही स्मार्ट लगे। कम से कम विधायक को तो श्मशानघाट बनाकर संतुष्टि मिले। श्मशानघाट की योजना का जिक्र हुआ, तो स्मार्ट सिटी परियोजना ने इसके लिए दिल खोल कर पैसा दिया। आखिर श्मशानघाट बनते-बनते इतना बड़ा बन गया कि भविष्य में कहीं मुर्दों की कमी न हो जाए, यह चिंता भी होने लगी। वहां बाकायदा कोशिश की गई कि एक कोना वीआईपी बनाकर आरक्षित रखा जाए, ताकि जो लोग वीआईपी बनकर जीते रहे, उनकी वापसी उसी तरह करवा दी जाए। लोगबाग दूर से देखकर तसल्ली कर लेते कि उनका शहर कितना विकास कर रहा है, जहां मुर्दा बनकर भी जलने को स्मार्ट श्मशानघाट मिलेगा। खैर सब कुछ सही हो गया और ठेकेदार को बढ़ी हुई पेमेंट भी मिल गई, लेकिन अब इसके उद्घाटन का इंतजार था, सो सत्ता पक्ष चाहता था कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ही इसका उद्घाटन करें। विपक्ष इसके लिए राजी नहीं था, क्योंकि उसी की पिछली सरकार में इसकी योजना बनी और बजट से डिजाइन तक उसे याद दिला रहा था कि कहीं तो काम हुआ है। जनता चाहती थी कि किसी मुर्दे से ही श्मशानघाट का उद्घाटन करवा दिया जाए ताकि शव दहन हो सके। वैसे भी लोगों के मरने की न तो कमी थी और न ही मरने की वजह कम थी। आखिर मामला प्रोटोकाल तक पहुंच गया। सत्ता के हिसाब से श्मशानघाट के उद्घाटन का हक उसे मिल जाता है, क्योंकि सारी संस्थाएं व लोकतंत्र का हिसाब किताब उसी के अधिकार क्षेत्र में आता है। विपक्ष की नाराजगी डिजाइन में किए गए बदलाव पर भी थी, लेकिन सत्ता पक्ष विश्वस्त था कि अगर वह जीने वालों को अपने डिजाइन पर नचा सकता है, तो मरने वालों को तो कहीं भी ले जा सकता है। सत्ता के पक्ष में मीडिया भी उतर आया। मीडिया लोगों को समझा रहा था कि विपक्ष की वजह से उन्हें स्मार्ट श्मशानघाट नहीं मिल रहा था, बल्कि अब सरकार की वजह से मरने वाले का मान बढ़ेगा। 'यह सरकार अगर घाटे के बस रूट चलाकर सवारियां बढ़ा सकती है, तो कल इसी श्मशानघाट के लिए मुर्दे भी बढ़ा देगी।' मीडिया को आशा थी कि बस पास की तरह श्मशान पास भी मौजूदा सरकार पत्रकारों को जरूर देगी ताकि कल कोई यह न कहे कि मीडिया वाला बिना मान्यता के ही मर गया। इधर श्मशानघाट का उद्घाटन नहीं हो रहा था और उधर मुर्दों को भी भटकना पड़ रहा था। आखिर फैसला हुआ कि छह महीने श्मशानघाट पर विपक्ष की तख्ती लगेगी और छह महीने सत्ता पक्ष की, लेकिन इससे अब आम जनता के मुर्दे यहां नहीं आ रहे।

देश में इतना विकास संभव भी है कि हम थोड़ा-बहुत अतिक्रमण करके सरकारी सडक के ठीक छोर पर ऊंची से ऊंची इमारत खड़ी कर दें। आजादी के बाद इस शहर ने जबसे अपने विकास को स्मार्ट कहना शुरू किया है, इसकी आंखों में सबसे पुराना श्मशानघाट अटक गया है। यह पुराना, लेकिन सबसे प्रमुख श्मशानघाट था, इसलिए सोचा गया कि क्यों न इसे भी स्मार्ट बनाया जाए। वैसे इसी श्मशानघाट की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के नाम पर कई छोटे ठेकेदार पहले से ही बड़े बन गए थे, फिर भी अब इसे बड़े वाला स्मार्ट बनाना था ताकि पूरे राज्य को पता चल जाए कि विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए क्या कुछ नहीं किया है। प्रशासन हमेशा से मतदाताओं की मांग और आपूर्ति का हिसाब लगा कर ही काम करता आया था, इसलिए गौर करने लगा कि हर दिन कितने मुर्दों के हिसाब से ऐसा डिजाइन बनाए जो दूर से ही स्मार्ट लगे।

अफगानिस्तान में 80 बच्चियों को जहर दिया: सभी प्राइमरी स्कूलों की स्टूडेंट, अस्पताल में भर्ती; तालिबान बोला- ये किसी की साजिश

काबुल।
अफगानिस्तान के उत्तरी इलाके में दो अलग-अलग मामलों में प्राइमरी स्कूल की 80 लड़कियों को जहर दिया गया। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके के शिक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद ये पहला ऐसा मामला है। तालिबान पहले ही देश में लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ाई करने पर प्रतिबंध लगा चुका है। जिन स्कूलों में लड़कियों को जहर दिया गया है वो अफगानिस्तान के सर-ए-पुल प्रांत में हैं। दोनों स्कूल आस-पास बताए जा रहे हैं। एक के बाद एक इन स्कूलों को निशाना बनाया गया।

लड़कियों को साजिश के तहत जहर दिया - सर-ए-पुल के एजुकेशन डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया कि वो मामले की जांच कर रहे हैं। अभी ये नहीं पता चल पाया है कि लड़कियों को जहर कैसे दिया गया। शुरुआती जांच से ये किसी की साजिश लग रही है। किसी ने थर्ड पार्टी के जरिए इन लड़कियों को जहर दिलाया है। जिन लड़कियों को जहर दिया गया वो एक से छठी क्लास की बताई जा रही हैं। अफगानिस्तान में 2015 में भी ऐसी घटना हुई थी। तब हेरात प्रांत में स्कूल की 600 बच्चियों को जहर दिया गया था। तब भी किसी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली थी। हालांकि उस समय कई मानवाधिकार संगठनों ने तालिबान को घटना का जिम्मेदार ठहराया था।

तालिबान चाहता है दुनिया उसे मान्यता दे - घटना तब हुई है जब 4 दिन पहले अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने दुनिया के तमाम देशों से उसे मान्यता देने की बात कही है। इसी सिलसिले में बातचीत के लिए कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन थानी 12 मई को अफगानिस्तान के कंधार गए थे। थानी ने अफगान तालिबान के सुप्रीम लीडर हेबुतुल्लाह अखुंदजादा से कंधार में सीक्रेट मीटिंग की थी। इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक- थानी ने अखुंदजादा से साफ कहा कि अगर वो चाहते हैं कि दुनिया तालिबान हुकूमत और अफगान सरकार को मान्यता दे तो उन्हें महिलाओं को उनके अधिकार देने होंगे। इसी मसले पर बातचीत अटक गई।

ईरान में भी हुई थी ऐसी घटना - इसी साल मार्च में ईरान में भी ऐसी घटना हुई थी। ईरान में छात्राओं को पढ़ने से रोकने के लिए जहर दिया गया था। इस बात का खुलासा डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने किया था। उन्होंने कहा था- घोम शहर में नवंबर 2022 के बाद से रेस्पिरेटरी पॉइजनिंग के सैकड़ों मामले सामने आए हैं।

न्यूज ब्रीफ

साल भर तक नहीं कराया टीबी का इलाज तो पुलिस ने जेल में डाला

वाशिंगटन। वाशिंगटन में एक न्यायाधीश के आदेश की अवहेलना करने के कारण एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। महिला साल भर से अधिक समय से टीबी से पीड़ित है, जिसकी जांच के लिए जस्टिस ने आदेश दिया था। इसी वजह से महिला को हिरासत में लिया गया। बता दें, वारंट जारी होने के करीब तीन माह बाद महिला की गिरफ्तारी हो सकी है। स्वास्थ्य विभाग ने महिला के नाम को उजागर नहीं किया है। कोर्ट में महिला को वीएन नाम से पेश किया गया है। टैकोमा-पियर्स काउंटी स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि महिला को पियर्स काउंटी जेल में बंद किया गया है। यहां टेस्टिंग, इलाज और आइसोलेशन की पूरी तैयारी की गई है। विभाग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि महिला टीबी का इलाज कराएंगी। एक लोकल मीडिया के अनुसार, जनवरी 2022 में स्वास्थ्य विभाग ने महिला में टीबी के संक्रमण की जानकारी दी थी। उन्होंने उसे आइसोलेट करने के निर्देश दिए थे। साल भर तक अधिकारी महिला के परिवार और रिश्तेदारों को उसे इलाज के लिए मनाने की कोशिश करते रहे। लेकिन महिला ने मना कर दिया। इसके बाद मार्च 2023 में महिला की गिरफ्तारी के लिए नागरिक वारंट जारी किया गया। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि 20 सालों में यह ऐसा तीसरा मामला है, जहां एक संक्रमित रोगी को हिरासत में लेने के लिए कोर्ट के आदेश की आवश्यकता होती है। लोकल मीडिया के अनुसार, इलाज न कराने और आइसोलेट न होने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, महिला की वकील सारा टोफलेमायर का दावा है कि महिला ने इलाज से इसलिए मना किया था, क्योंकि उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। वाशिंगटन के कानून के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग ऐसी बीमारियों के कारण मरीजों के साथ काम करता है। विभाग सुनिश्चित करता है कि वह जल्द ठीक होने के लिए सही इलाज कराए। बता दें, टीबी एक संक्रामक रोग है, जो मरीज के संपर्क में आने वाले व्यक्ति में फैलता है। इसे संभावित घातक माना जाता है।

फ्लोरिडा गवर्नर ने वोक कल्चर के खिलाफ लड़ाई का किया एलान, बोले- यहां खत्म हो जाएंगे ऐसे लोग

वॉशिंगटन। अमेरिका के राज्य फ्लोरिडा के गवर्नर रोन देसांतिस ने वोक कल्चर के खिलाफ लड़ाई छेड़ने का एलान किया है। देसांतिस ने कहा कि उनके राज्य में वोक जल्द ही खत्म हो जाएंगे। बता दें कि जो लोग बहुत ज्यादा पाखंड करते हैं और हर बात में बौद्धिकता दिखाते हैं, उन्हें वोक कहा जाता है। फ्लोरिडा के गवर्नर ने वोक शब्द को परिभाषित करते हुए कहा कि यह एक तरह का सांस्कृतिक वामपंथ है और सच के खिलाफ लड़ाई है। फ्लोरिडा के गवर्नर देसांतिस ने कहा कि वोक लोग योग्यता और उपलब्धियों से आगे पहचान को रखते हैं। देसांतिस का कहना है कि वोक कल्चर के चलते हमारे संस्थान और समाज दूषित हो रहे हैं। देसांतिस ने कहा कि फ्लोरिडा वह राज्य होगा, जिसमें वोक खत्म हो जाएंगे। देसांतिस ने वोक कल्चर के खिलाफ लड़ने की बात कही। फ्लोरिडा में वोक कल्चर को रोकने के लिए स्टॉप वोक एक्ट भी पेश किया गया है। इस कानून के तहत वोक विचारधारा में किसी व्यक्ति को इतिहास में उसके पूर्वजों द्वारा की गई गलती के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। दासांतिस का दावा है कि वोकनेस से अमेरिकी सिद्धांतों और स्वतंत्रता को कमतर आंका जा रहा है।

अमेरिका में फिर लहराए गए खालिस्तानी झंडे: ब्लू स्टार ऑपरेशन की बरसी मनाने के लिए हुए इकट्ठे; पंजाब में भी बढ़ाई गई सुरक्षा

कैलिफोर्निया। पंजाब में ब्लू स्टार ऑपरेशन की बरसी को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं विदेशों में एक बार फिर खालिस्तानी समर्थक युवाओं को भड़काने की कोशिशों में लगे हैं। बीते रविवार अमेरिका के कैलिफोर्निया में खालिस्तानी समर्थकों बड़ी संख्या में खालिस्तान के झंडे लिए खुलेआम दिखे। गौरतलब है कि 6 जून, यानी कि मंगलवार, स्वर्ण मंदिर में ब्लू स्टार ऑपरेशन की 39वीं बरसी मनाई जाएगी। पुलिस की कोशिश है कि इस साल माहौल को तनावपूर्ण ना होने दिया जाए। जिसके लिए अहम कदम उठाए जा रहे हैं। अर्ध-सैनिक बलों की टुकड़ियां पंजाब पुलिस के साथ तैनात की गई हैं। (स्पेशल) लॉ एंड ऑर्डर पंजाब अर्पित शुक्ला खुद अमृतसर में हैं। इन सबके उलट विदेश में जा चुके खालिस्तानी समर्थक विदेश व पंजाब दोनों जगह माहौल खराब करने की कोशिशों में जुटे हैं। बीते रविवार कैलिफोर्निया में साउथ फ्रांसिस्को स्थित सिविक सेंटर के बाहर हजारों सिख परिवार इकट्ठे हुए। इनमें खालिस्तानी समर्थक भी पहुंचे, जिन्होंने खालिस्तानी झंडे फहराए और लोगों व युवाओं को गुमराह करने के भी प्रयास किए। ब्लू स्टार ऑपरेशन की बरसी के अवसर पर पूरे पंजाब में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। हर जिले में अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है।

भारत यात्रा को लेकर आलोचनाओं से घिर गए हैं नेपाल के प्रधानमंत्री दहल

काठमांडो।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की बीते सप्ताहांत पूरी हुई भारत यात्रा के बाद नेपाल में उन पर 'भारत पर निर्भर' हो जाने के इल्जाम लगाए जा रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान नेपाल को ज्यादा कुछ हासिल नहीं हुआ। थिंक टैंक सेंटर फॉर सोशल इन्क्लूजन एंड फेडरलिज्म में रिसर्च डायरेक्टर अजय भद्र खनाल ने दहल की यात्रा से ठीक पहले एक वेबसाइट पर लिखी अपनी टिप्पणी में अनुमान लगाया था कि दहल की यात्रा का ऐसा ही नतीजा होगा। अब उन्होंने कहा है कि दहल की यात्रा के बाद नेपाल की भारत पर निर्भरता और भी ज्यादा बढ़ गई है। खनाल ने कहा है कि जरूरत इस 'निर्भरता' को 'एक दूसरे पर निर्भरता' में बदलने की है। लेकिन अब हालत यह हो गई है कि अगर भारत ने फिर कभी नेपाल पर दबाव बनाया, तो नेपाल के लिए उसका मुकाबला करना कठिन साबित होगा।

विश्वास बराल ने एक टिप्पणी में लिखा है कि भारत ने दहल का स्वागत संदेह के साथ किया। इसकी वजह दहल के बारे में यह धारणा है कि वे एक कमजोर गठबंधन के नेता हैं। साथ ही उनकी 'चाइना मैन' (चीन के समर्थक) की छवि है। लेकिन बराल ने लिखा है कि दहल भारत को खुश रखने की जरूरत बहुत पहले समझ चुके हैं। नेपाल में परंपरा रही है कि वहां प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई नेता अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाता है। टीकाकारों ने कहा है कि दहल ने यह रस्म-अदायगी की, लेकिन वे अपने देश के लिए ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर पाए। अखबारी टिप्पणियों में कहा गया है कि भारत से लौटने के बाद अब दहल की चीन यात्रा की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। बराल ने लिखा है- 'चीन में दहल को संभवतः यह मालूम पड़ेगा (यही भारत में हुआ होगा) कि भारत और चीन के साथ संबंध अधिक से अधिक एक दूसरे की कीमत पर होता दिखने लगा है। दोनों को साथ-साथ खुश रखना लगातार अधिक मुश्किल होता जा रहा है।' विपक्षी दलों ने भी यह कह कर दहल की यात्रा को नाकाम बताया है कि वे सीमा विवाद, विमान रूट, पंचेश्वर परियोजना के बारे में नेपाल की मांगों पर भारत को राजी नहीं कर पाए। उन्होंने दोनों देशों के बीच इलाकों की अदला-बदली की बात की। यहां इसका यह अर्थ निकाला गया है कि दहल ने भारत को यह संकेत दिया कि नेपाल कालापानी इलाके पर से अपना दावा छोड़ने को तैयार है। दहल की भारत यात्रा शुरू होने से ठीक पहले नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने नेपाल के विवादित नागरिकता विधेयक पर दस्तखत कर दिए। विपक्ष का आरोप है कि ऐसा भारत सरकार को खुश करने के लिए किया गया। इसके अलावा कभी अपने को धर्म निरपेक्ष राजनीति का चेहरा बताने वाले दहल ने भारत में हिंदू धर्म के एक प्रसिद्ध मंदिर का दौरा किया। इसे भी वर्तमान भारत सरकार को खुश करने की कोशिश का हिस्सा बताया गया है। कुछ आलोचकों ने कहा है कि दहल युवा नेपालियों की भावना को समझने में नाकाम रहे हैं। विश्लेषक सीके लाल ने एक लेख में कहा है कि धनी नेपालियों को अब काशी और कोलकाता के पुराने सपने दिखा कर लुभाया नहीं जा सकता। इन नेपालियों की नजरें अब सिडनी और न्यूयॉर्क पर टिकी हैं। जानकारों के मुताबिक इस हाल में 'भारत निर्भर' होने की धारणा दहल के लिए राजनीतिक नुकसान का सौदा साबित हो सकता है।

नेपाल में घटी हिंदुओं की आबादी, मुसलमानों और ईसाइयों की बढ़ी

काठमांडो। नेपाल में पिछले एक दशक में हिंदुओं व बौद्धों की आबादी में मामूली गिरावट आई है, जबकि मुसलमानों व ईसाइयों की जनसंख्या बढ़ी है। केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की तरफ से जारी जनगणना-2021 की रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल में बहुसंख्यक हिंदुओं की कुल आबादी में हिस्सेदारी 81.19 प्रतिशत है। देश में 2,36,77,744 लोग हिंदू हैं। बौद्ध दूसरे स्थान पर आते हैं, जिनकी कुल जनसंख्या में हिस्सेदारी 8.2 प्रतिशत है और उनकी आबादी 23,94,549 है। 14,83,060 मुसलमान हैं, जिनकी कुल जनसंख्या में हिस्सेदारी 5.09 प्रतिशत है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले दशक में हिंदुओं की आबादी में 0.11 प्रतिशत व बौद्धों की जनसंख्या में 0.79 की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी तरफ, मुसलमान, किराट व ईसाइयों की आबादी क्रमशः 0.69, 0.17 व 0.36 प्रतिशत बढ़ी है। 2011 की जनगणना के अनुसार, नेपाल में हिंदुओं की आबादी 81.3 प्रतिशत तथा बौद्धों की 9 फीसदी थी। मुसलमान 4.4 प्रतिशत, किराट 3.1 फीसदी तथा ईसाई 0.1 प्रतिशत थे। पांच अन्य प्रमुख धर्मों में प्रकृति, बोन, जैन, बहाई व सिख शामिल नेपाल में मुस्लिम तीसरी सबसे बड़ी आबादी है। चौथे नंबर पर कुल जनसंख्या में 3.17 प्रतिशत की भागीदारी रखने वाले किराट आते हैं। पांचवें पर 5,12,313 जनसंख्या वाले ईसाई आते हैं, जिनकी कुल आबादी में 1.76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नेपाल में हर 10 साल पर जनगणना होती है, लेकिन कोविड-19 के कारण इसमें देरी हुई थी।

रूस ने किया 250 यूक्रेनी सैनिकों को मारने का दावा

कहा- 16 टैंक तबाह किए, यूक्रेन बोला- हमने 23 रूसी हमलों को नाकाम किया

मास्को।
रूस ने डोनटेस्क इलाके में यूक्रेन के बड़े हमले को नाकाम करने का दावा किया है। रूसी सेना ने कहा है कि उन्होंने यूक्रेन के 250 सैनिकों को मारा है और 16 टैकों और कई सैन्य वाहनों को तबाह किया है। रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोमवार को टेलीग्राम चैनल पर बताया की दुश्मन की तरफ से 4 जून को बड़ा हमला लॉन्च किया गया था, जिसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिल पाई।

यूक्रेन की तरफ से रूस के इस दावे पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया गया है। यूक्रेनी सेना के अधिकारी ने सिर्फ ये कहा कि वो लुहांस्क और डोनटेस्क में रूस के कब्जे को पूरा होने से रोकने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। रूस के 23 हमलों को नाकाम किया गया है।

यूक्रेन पर हमले के दौरान मौजूद रहे रूसी चीफ ऑफ स्टाफ

रूस ने बताया है कि यूक्रेनी सेना पर हमले के दौरान लड़ाई के मैदान में खुद चीफ ऑफ स्टाफ वैलेरी गैरिसिमोव मौजूद थे। वहीं, रूस के दावे पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शाम को दिए गए संबोधन में भी कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने सिर्फ ये कहा कि यूक्रेन हमले के लिए तैयार है। दरअसल, काफी समय से यूक्रेन के रूसी सेना पर बड़ा अटैक करने की तैयारियों की बात कही जा रही है। इसके लिए यूक्रेनी सैनिकों को अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी में बने हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। रूस की दहलीज तक जा पहुंची जंग, बेल्गोरोद समेत सीमाई शहर वीरानरूस लगातार यूक्रेन की राजधानी कीव समेत दूसरे शहर पर मिसाइलें बरसा रहा है। इसके बदले में यूक्रेन ने भी रूस की सीमा वाले इलाकों में हमले करने शुरू कर दिए हैं। अब लड़ाई रूस के बेल्गोरोद क्षेत्र में पहुंच चुकी है। हमलों से रूस के लोगों में वैसी ही दहशत बैठ गई है, जिससे कीव के लोग 15 महीने से गुजर रहे हैं। यूक्रेन के हमलों में वो क्षेत्र भी शामिल हैं, जो रिहायशी हैं। सीमा से करीब 10 किमी दूरी पर स्थित 40,000 की आबादी वाला शेबेकिनो शहर को यूक्रेनी हमलों से सबसे ज्यादा खतरा है। इस पर मॉस्को के खिलाफ मिलिशिया गुटों ने ताबड़तोड़ हमले किए हैं।

सुरक्षा परिषद की बैठक का उत्तर कोरिया ने किया विरोध, कहा- हमेशा अमेरिका के कहने पर करता है काम

प्योंगयांग।
उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की कड़ी निंदा की और उसे खारिज कर दिया। बैठक प्योंगयांग के असफल जासूसी उपग्रह लॉन्च करने पर रखी गई थी। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग और पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र उनके आंतरिक मामले में हस्तक्षेप कर रहा है। परिषद उनके संप्रभुता का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरासर गलत और पक्षपात है।

एक देश के लिए काम करता है परिषद

किम यो जोंग ने बताया कि वह बहुत दुखी हैं। परिषद अमेरिका के कहने पर कोरियन सरकार के अधिकारों और राष्ट्र की संप्रभुता का उल्लंघन करता है, जो अनुचित है। किम ने परिषद का विरोध करने की कसम खाई है। परिषद ने अमेरिका के अनुरोध पर सिर्फ कोरिया के सैटेलाइट लॉन्चिंग के मुद्दे पर एक बैठक आयोजित की। इससे परिषद ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह एक कैसे एक देश के

प्रोपेगैंडा के लिए काम करता है। किम ने कहा कि आज अलग-अलग उद्देश्यों से करीब 5000 सैटेलाइट आज धरती के चारों ओर हैं। यहां तक की अब निजी कंपनियां भी अंतरिक्ष में रुचि ले रही हैं। किम ने परिषद पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह एकतरफा उनकी संप्रभुता और विकास के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। यह बहुत खतरनाक है। इससे शक्ति का असंतुलन हो सकता है। उत्तर कोरिया द्वारा लॉन्च किया गया मिसाइल 31 मई को फेल हो गया था और वह सीधे येलो सी में जा गिरा था। यह एक सैन्य जासूसी उपग्रह था, जो इंजन की समस्या के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

म्यांमार के गृह युद्ध में सेना को भारी नुकसान, घटती जा रही है फौजियों की तादाद

यंगून।
म्यांमार के गृह युद्ध में दोनों पक्षों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सैनिक शासन ने इस दौरान अपने विरोधियों को कमजोर करने की योजनाबद्ध कोशिश की है। दो महीने पहले उसने देश की प्रमुख पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) को भंग कर दिया था। विद्रोही गुटों के खिलाफ उसने अपनी कार्रवाई को ज्यादा बेरहम बना दिया है। इसके बावजूद सेना को हुए नुकसान की भरपाई वह नहीं कर पा रहा है।

अमेरिकी थिंक टैंक यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ पीस में विजिटिंग स्कॉलर ये मयो हिन हाल में एक विश्लेषण में लिखा- 'म्यांमार में सैनिकों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है।' इस विश्लेषण में अनुमान लगाया गया है कि गृह युद्ध में म्यांमार की सेना को 13 हजार जवान गंवाने पड़े हैं। उनके अलावा आठ हजार सैनिक ड्यूटी छोड़ कर भाग गए हैं। इसके पहले विश्लेषकों का अनुमान था कि म्यांमार की सेना में तीन से चार लाख तक फौजी हैं। मयो हिन का कहना है कि सेना को जो नुकसान हुआ है, उन जगहों को भरने के लिए नई भर्ती करने में वह

नाकाम रही है। सेना में आखिरी भर्ती फरवरी 2021 में हुए सैनिक तख्ता पलट से पहले हुई थी। फिलहाल सेना के कई बटालियन अपनी पूरी क्षमता के बिना काम कर रहे हैं। मयो हिन ने लिखा है- 'सेना में फौजियों की कमी को पूरा करने के लिए सैनिक शासकों ने नौसैनिकों और वायु सैनिकों की मदद गृह युद्ध में ली है। इसके अलावा सहायक दस्तों की मदद ली गई है। फिलहाल म्यांमार के सशस्त्र सेनाओं में डेढ़ लाख जवान ही मौजूद हैं। उधर बैंकाक स्थित विश्लेषक और म्यांमार की सुरक्षा स्थिति के विशेषज्ञ एंथनी डेविस ने अनुमान लगाया है कि म्यांमार की पैदल सेना में एक लाख से एक लाख 20 हजार तक जवान और अधिकारी हैं। उन्होंने कहा है- 'मैं इस बात से सहमत हूं कि पहले म्यांमार की सेना के आकार को लेकर जो अनुमान लगाए गए थे, उनमें संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया था। विश्लेषकों के मुताबिक म्यांमार के नौजवान अब सेना में शामिल होने को लेकर अनिच्छुक हैं। इसलिए सेना नई भर्तियां नहीं कर पा रही है। इसका कारण पिछले दशक में देश में रहा लोकतांत्रिक शासन है। लोकतांत्रिक शासन का स्वाद लगने के बाद अब नौजवान सेना की नौकरी में जाने को इच्छुक नहीं रह गए हैं। बल्कि सेना की ज्यादतियों को लेकर उनमें गुस्से की भावना है। थल सैनिकों की संख्या घटने के कारण सैनिक शासक गृह युद्ध में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों का अधिक इस्तेमाल करने लगे हैं। अप्रैल में वायु सेना ने सगायंग इलाके में जुटी लोकतंत्र समर्थकों की भीड़ पर हवाई बमबारी की थी। ये लोग विपक्षी समूहों की तरफ से बनाई गई वैकल्पिक सरकार-नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट के कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर इकट्ठे हुए थे।

फ्रांस में पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ बाजवा को गालियां

अफगान नागरिक बोला- जिहाद के नाम पर तुमने मेरा मुल्क बर्बाद कर दिया

पेरिस।
8 महीने पहले तक पाकिस्तान के सबसे ताकतवर शख्स रहे पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा को फ्रांस में गालियां सुनने मिलीं। बाजवा यहां पत्नी आयशा अमजद के साथ छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचे हैं। पेरिस में बाजवा एक जगह पत्नी के साथ बैठे थे। यहां एक अफगान नागरिक आता है। वो बाजवा को खुलेआम गालियां देता है। इन्हें लिखा या सुनाया नहीं जा सकता। बाजवा उसे पुलिस बुलाने की धमकी देते हैं। इस पर वो कहता है- बुलाओ पुलिस। यह अफगान नागरिक बाजवा से कहता है कि तुमने तालिबान के साथ मिलकर हमारा मुल्क तबाह कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अब माजरा तफ्सील से समझिए

नवंबर 2022 तक जनरल बाजवा आर्मी चीफ थे। ये वही दौर था जब

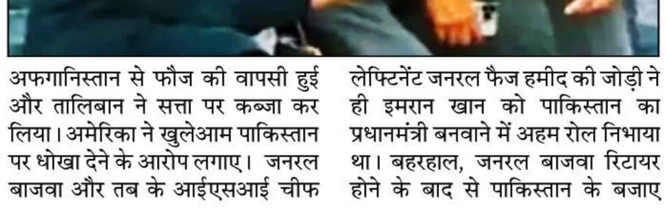

अफगानिस्तान से फौज की वापसी हुई और तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। अमेरिका ने खुलेआम पाकिस्तान पर धोखा देने के आरोप लगाए। जनरल बाजवा और तब के आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद की जोड़ी ने ही इमरान खान को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनवाने में अहम रोल निभाया था। बहरहाल, जनरल बाजवा रिटायर होने के बाद से पाकिस्तान के बजाए यूरोप में ज्यादा नजर आ रहे हैं। बाजवा पत्नी आयशा के साथ पेरिस के एक बाजार में घूम रहे थे। कुछ देर के लिए एक जगह पर बैठे। इसी वक्त एक अफगान नागरिक वहां पहुंचा। वीडियो में उसका चेहरा नजर नहीं आता। सिर्फ आवाज सुनाई देती है। वो पहले बाजवा को गालियां देता है। इस पर बाजवा कहते हैं- यहां से चले जाओ, नहीं तो मैं पुलिस बुला लूंगा। वो कहता है- बुलाओ पुलिस, जल्दी बुलाओ। बाजवा और आयशा फिर मोबाइल देखने लगते हैं। 2 मिनट 17 सेकंड के इस वीडियो में साफ सुनाई और दिखाई पड़ता है कि अफगान शख्स बाजवा को क्या कह रहा है। वो ज्यादातर बातें पश्तो (अफगानिस्तान के बड़े हिस्से में बोली जाने वाली लोकल लैंग्वेज) में कहता है। ये शख्स बाजवा पर तालिबान की मदद करने, जिहाद को बढ़ावा देने और ह्यूमन राइट्स वॉयलेशन के आरोप लगाता है। कुछ देर में बाजवा उठकर चल देते हैं। ये शख्स पीछे चलता है और फिर उन्हें गालियां देता है।

इमरान से दोस्ती और दुश्मनी

जनरल बाजवा 2016 में 3 साल के लिए आर्मी चीफ बने। 2019 में जब उनका टेन्योर पूरा हो गया तो इमरान उन्हें 3 साल का एक्सटेंशन दिया। हैरानी की बात ये रही कि इसके लिए संविधान में संशोधन करना पड़ा। बहरहाल, बाजवा और इमरान के रिश्ते 2022 की शुरुआत में तल्खी में बदल गए। इसकी वजह यह थी कि इमरान अपने चहेते आईएसआई चीफ फैज हमीद को आर्मी चीफ बनवाना चाहते थे। ये आर्मी रूल के हिसाब से मुमकिन नहीं था। बाजवा ने फैज को आईएसआई चीफ के ओहदे से हटाया और उन्हें कोर कमांडर पेशावर बना दिया। लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम नए आईएसआई चीफ बने। इस दौरान इमरान की सरकार भी गिर गई। जनरल बाजवा रिटायर हुए तो जनरल आसिम मुनीर ने फौज की कमान संभाली। अब खुफिया एजेंसी और फौज दोनों इमरान के सख्त खिलाफ हैं। खान अब बाजवा को धोखेबाज और गद्दार बता रहे हैं। इमरान ने पिछले दिनों अल जजीरा टीवी चैनल में कहा था- बाजवा को एक्सटेंशन देना मेरी सबसे बड़ी भूल थी। वो गद्दार और धोखेबाज निकला। वैसे भी पाकिस्तान में दिखावे की डेमोक्रेसी है। यहां 70 साल से किसी न किसी तौर पर फौज की ही हुकूमत रही है। पिछले साल पाकिस्तान मीडिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि बाजवा का परिवार 6 साल में अरबपति हो गया था। नवंबर 2022 में बाजवा के रिटायरमेंट से पत्रकार अहमद नूरानी ने फैक्ट फोकस के लिए लिखी अपनी रिपोर्ट में यह बात कही थी।

स्थानीय निकाय मंत्री के काफिले पर हमला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के नवनियुक्त स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह के काफिले पर जालंधर में हमले की घटना सामने आई है। मंत्री रविवार देर रात पत्नी के साथ घर जा रहे थे। ऑपरेशन ब्ल्यू स्टार की बरसी से एक दिन पहले मंत्री पर हुए हमले ने पुलिस सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिया है। हाल ही में हुए विस्तार के दौरान बलकार सिंह पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री बने थे। राजनीति में आने से पहले वह जालन्धर में ही बतौर डीसीपी ड्यूटी कर चुके हैं। रविवार रात करीब एक बजे स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह के काफिले पर बदमाशों ने उस समय हमला कर दिया जब वह अपनी पत्नी के साथ रविदास चौक के पास से निकल कर अपने निवास स्थान मान नगर जा रहे थे। मंत्री को पायलट कर रही गाड़ी ने हाथ देकर रास्ता क्लियर करवाने की कोशिश की तो कार सवारों ने अपनी कार को बीच चौक पर लगा दिया।

प्रदेश में हमारी सरकार नहीं, हम केवल सरकार में सहयोगी : अजय चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला का कहना है कि प्रदेश में उनकी सरकार नहीं है, वह केवल सरकार में सहयोगी है। जजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र के 70 प्रतिशत वायदे पूरे कर दिए हैं जबकि 30 प्रतिशत वायदे इसलिए पूरे नहीं किए जा सके क्योंकि हम सहयोगी और छोटा दल हैं। वह सोमवार को फतेहाबाद में जजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लव कुमार देव द्वारा डिप्टी दुष्यंत चौटाला की उचाना विधानसभा सीट से अगली विधायक प्रेमलता के बनने के बयान पर अजय चौटाला ने कहा कि जिस सीट से प्रदेश के डिप्टी सीएम 40 हजार से ज्यादा वोट लेकर जीते हों, उस सीट पर कैसे क्लेम कर सकते हैं। यह समझ में नहीं आता। उन्होंने कहा कि भाजपा और जजपा अगला विधानसभा चुनाव

मिलकर लड़ेंगे या नहीं, इसको लेकर चुनावी घोषणा के समय ही फैसला लिया जाएगा। अगर समझौते के तहत उचाना सीट उनके हिस्से आएगी तो वह अवश्य लड़ेंगे। बुढ़ापा पेंशन 5100 रुपए का वायदा पूरा न होने के सवाल पर अजय सिंह ने कहा कि प्रदेश में सरकार हमारी नहीं है। हम सरकार के सहयोगी हैं और सहयोगी होने के नाते 2 बार में 250-250 रुपए पेंशन बढ़वा चुके हैं, लेकिन जो यह सवाल उठाते हैं, उन्होंने 10 साल में कितनी पेंशन बढ़ाई, इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जजपा चौधरी देवीलाल की नीतियों पर चलने वाली पार्टी है। चौधरी देवीलाल ने जो वादे जनता में किए थे, जजपा द्वारा उनको कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। पहलवानों के आंदोलन के सवाल पर अजय चौटाला ने कहा कि जजपा पहलवानों के साथ है। उन्हें इंसाफ मिलना चाहिए, जितनी देरी होगी, उतनी परेशानी बढ़ेगी। मिशन 2024 के बारे में अजय चौटाला ने कहा कि प्रदेश भर में मिशन 2024 का जनजागरण अभियान जारी है। कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाने और लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाने को कहा गया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र लेगा, जिलाध्यक्ष रविंद्र बेनीवाल, कुलजीत कुलड़िया, वरिष्ठ नेता डॉ. विरेंद्र सिवाच, जिला परिषद की वाइस चेयरपर्सन कैलाशो देवी, युवा जिलाध्यक्ष अजय संधु सहित अनेक नेतागण मौजूद रहे।

भाजपा-जजपा सरकार में किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं : अनिल मान

हिसार (हिंस)। कांग्रेस व किसान नेता अनिल मान ने नलवा हलके के जनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को अपनी टीम के साथ गांव कैमरी का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए वहां की समस्याओं को जाना। अनिल मान ने कहा कि किसानों को न तो पर्याप्त मात्रा में बिजली व पानी मिलता है और न ही उनकी समस्याओं का समाधान होता है। अधिकारों के लिए किसान हिसार के लघु सचिवालय के समीप कई दिनों से धरना दे रहे हैं लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी होने का दावा तो करती है लेकिन किसान विरोधी नीतियों से उसकी पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि महंगाई की मार के चलते किसान के लिए पहले ही खेती करना मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही उसकी समस्याओं का समाधान न करके सरकार व प्रशासन किसानों की मुश्किलों को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि देखा जाए तो वर्तमान भाजपा-जजपा सरकार से किसान ही नहीं बल्कि मजदूर, व्यापारी व नौकरीपेशा सहित सभी वर्ग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा-जजपा की गलत नीतियों को समझ गई है। इसलिए लोगों का अब इस गठबंधन सरकार से विश्वास उठ गया है।

पंजाब यूनिवर्सिटी में हरियाणा को नहीं मिलेगी कोई हिस्सेदारी: भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब यूनिवर्सिटी के राज्य की भावनात्मक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और समृद्ध विरासत का हिस्सा होने का दावा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को स्पष्ट तौर पर कहा कि उनको क्षेत्र की इस शीर्ष शैक्षिक संस्था यूनिवर्सिटी में हरियाणा के हिस्से की जरूरत नहीं है। पंजाब भवन में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के किसी भी कालेज को यूनिवर्सिटी से मान्यता नहीं दी जाएगी और न ही यूनिवर्सिटी की सैनेट में पिछले दरवाजे से दाखिले के लिए हरियाणा के किसी यत्न को कामयाब होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी के दर्जे को बदलने के लगातार यत्न किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हितों के मद्देनजर सरकार ऐसा बिल्कुल नहीं होने देगी। भगवंत मान ने कहा कि राज्य के 175 कालेज इस यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त हैं, जिस कारण पंजाब की कई पीढ़ियां इससे भावनात्मक तौर पर जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी पंजाब और इसकी राजधानी चंडीगढ़ के विद्यार्थियों को शिक्षा देती है। यूनिवर्सिटी के इतिहास, मूल, सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ों और पंजाब के इस यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों और अध्यापकों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी का कानूनी और प्रशासकीय दर्जा पहले की तरह ही रहना चाहिए।

उन्होंने याद करवाया कि साल 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के समय इस यूनिवर्सिटी को पंजाब पुनर्गठन एक्ट की धारा 72 (1) के अंतर्गत *इंटर स्टेट बॉडी कॉर्पोरेट* घोषित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी अपनी स्थापना से लेकर अब तक पंजाब में निरंतर काम कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि विभाजन के बाद इसको पंजाब की तत्कालीन राजधानी लाहौर तबदील किया गया, उसके बाद होशियारपुर और फिर पंजाब की मौजूदा राजधानी चंडीगढ़ में तबदील कर दिया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी का पूरा अधिकार-क्षेत्र मुख्य तौर पर पंजाब राज्य और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुनर्गठन एक्ट, 1966 की धारा 72 की उप धारा (4) के अनुसार, यूनिवर्सिटी को रख-रखाव घाटे की ग्रांटें को सम्बन्धित राज्यों भाव पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के यूटी प्रशासन में क्रमवार 20: 20: 20: 40 के अनुपात में सांझा और अदा किया जाना था। उन्होंने कहा कि 1970 में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बंसी लाल ने अपनी मर्जी से यूनिवर्सिटी में से अपने राज्य का हिस्सा वापस ले लिया था और 1973 में भी हरियाणा ने अपने सैनेट के सदस्यों को यूनिवर्सिटी से वापस बुला लिया था। भगवंत मान ने कहा कि तब से पंजाब और चंडीगढ़ प्रशासन ने यूनिवर्सिटी को क्रमवार 40: 60 के अनुपात में रख-रखाव घाटे की ग्रांटों का भुगतान करने की वित्तीय जिम्मेदारी उठाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के पीछे हटने और राज्य में नयी यूनिवर्सिटियों के निर्माण के कारण बड़े वित्तीय बोझ के बावजूद पंजाब ने यूनिवर्सिटी के साथ राज्य निवासियों की ऐतिहासिक और भावनात्मक सांझ यकीनी बनाए रखने के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी को समर्थन देना जारी रखा। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार ने यूनिवर्सिटी को होस्टलों के निर्माण के लिए 49 करोड़ रुपए दिए हैं, जबकि इसकी कोई मांग भी नहीं की गई थी। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार यूनिवर्सिटी के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर और हरजोत बैंस, मुख्य सचिव विजय कुमार जंजूआ, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए वेनूप्रसाद, मुख्यमंत्री के विशेष प्रमुख सचिव रवि भगत और अतिरिक्त विशेष प्रमुख सचिव हिमांशु जैन और अन्य उपस्थित थे।

ईडी ने पेपर लीक मामले में बाड़मेर, डूंगरपुर जयपुर सहित कई जिलों में की छापेमारी

जयपुर (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पेपर लीक मामले में सोमवार सुबह बाड़मेर, डूंगरपुर, जयपुर सहित कई जिलों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार बाड़मेर में राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा(रीट) पेपर लीक मामले में गिरफ्तार ठेकेदार भजनलाल विश्नोई के घर पर छापा मारा है और वहीं डूंगरपुर में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) सदस्य बाबूलाल कटारा के घर पर छापेमारी की है। ईडी के अधिकारी छापेमारी में मिले दस्तावेज की जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले ईडी ने आरपीएससी के अधिकारियों से पेपर लीक के नामजद आरोपियों की डिटेल मांगी थी। आरपीएससी ने सभी सदस्यों और पेपर लीक में शामिल लोगों की जानकारी ईडी के साथ साझा की थी। जानकारी के अनुसार ईडी के दस अधिकारी और सुरक्षाकर्मियों की टीम सोमवार सुबह डूंगरपुर जिले के सुभाषनगर कॉलोनी स्थित बाबूलाल कटारा के घर पहुंची। जहां घर के बाहर केंद्रीय पुलिस बल को तैनात किया है, जबकि घर के अंदर कटारा परिवार के दो लोगों की मौजूदगी में जांच पड़ताल की जा रही है। साथ ही साथ ही परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं बाबूलाल कटारा के आरपीएससी सदस्य रहते मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की जांच कर रही है। हालाकि कोई भी अधिकारी जांच को लेकर किसी तरह का कोई आधिकारिक बयान नहीं दे रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ईडी की जांच पूरी होने के बाद ही कुछ जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल न तो कोई घर के अंदर जा सकता है न ही कोई बाहर आ सकता है। गौरतलब है कि पेपर लीक मामले में बाबूलाल कटारा के साथ उसका भांजा भी पकड़ा गया था। आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा ने अपने भांजे विजय डामोर के माध्यम से ही पेपर बेचा था। पुलिस ने उसके भांजे विजय को भी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों मामा और भांजे अभी जेल में है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के घर पहले तलाशी ली थी। उस समय पेपर लीक में मिले 51 लाख रुपए बरामद भी किए थे। जबकि उसके भांजे विजय के घर से गिफ्ट में मिला सोने का कड़ा बरामद किया गया था। इसके बाद से पेपर लीक मामले में ईडी की जांच की बात भी सामने आ रही है। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की शिकायत पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। वहीं प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने बाड़मेर महावीर नगर क्षेत्र में स्थित ठेकेदार भजनलाल विश्नोई के घर पर छापा मारा है। ईडी के अधिकारी भजनलाल के घर पर दस्तावेज की जांच कर रहे हैं। फिलहाल ठेकेदार भजनलाल के निवास पर ईडी की कार्रवाई जारी है। ईडी की टीम किस मामले को लेकर जांच में जुटी है इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन जानकारी के अनुसार पेपर लीक से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। गौरतलब है कि रीट पेपर लीक मामले में बाड़मेर जिले के ठेकेदार भजनलाल जेल भी जा चुके हैं।

गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं का 13 को चलो सचिवालय : सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर प्रदेश में आगामी एक माह तक होने वाले सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जयपुर शहर जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण के भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आगामी 13 जून को जयपुर में होने वाली जन आक्रोश यात्रा के संबंध में कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को अधिक से अधिक संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। आगामी कार्ययोजना और रोडमैप को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने संबोधित किया। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि जन आक्रोश यात्रा, जन आक्रोश महा घेराव, सहित मौजूदा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेपर लीक व अन्य विषयों को लेकर आंदोलन हुए हैं। पेपर लीक मामले में ईडी द्वारा आरपीएससी सदस्य कटारा और ठेकेदार भजनलाल से भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा एसीबी में चहेतों के खिलाफ सरकार द्वारा अभियोजन स्वीकृति नहीं दिया जाना योजना भवन में 2.31 करोड़ की नकदी और सोने के बिस्किट मिलना जैसे अनेकों मामले यह बताते हैं कि मौजूदा सरकार किस कदर भ्रष्टाचार में डूबी है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि हमने ग्राम चौपालों पर जाकर आमजन की नब्ज टटोली है, आम लोगों ने खुद यह माना है कि मौजूदा सरकार चोरों की सरकार है। मुफ्त बिजली देने के मामले पर कटाक्ष करते हुए उन्होने कहा कि पहले तो फ्यूल सरचार्ज के नाम पर सरकार लूट करती है। सरकार अपने थर्मल पावर प्लांट बंद करके इंडोनेशिया से महंगा कोयला खरीद करती है। इस दौरान राजेन्द्र राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अजमेर रैली के सफल आयोजन पर कार्यकर्ताओं का आभार भी जताया।

महिला पहलवानों के समर्थन में एडनोकेटों का सांकेतिक धरना

हिसार (हिंस)। जिला बार एसोसिएशन ने दिल्ली में चल रहे महिला पहलवानों के धरने के समर्थन में सोमवार को बार परिसर में सांकेतिक धरना दिया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान बंसीलाल गोदारा ने कहा कि देश की शान महिला खिलाडियों का कथित तौर पर यौन शोषण होना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना है। महिला खिलाडियों के समर्थन में ओलंपियन पहलवान तक धरने पर बैठे है लेकिन दिल्ली पुलिस न्याय मांग रहे इन खिलाडियों से बर्बरता से पेश आ रही है। पूरा देश इन खिलाड़ियों के धरने को देख और समर्थन कर रहा है। इस मौके पर बार के उपप्रधान एडवोकेट राज कृष्टण वशिष्ठ, सचिव एडवोकेट मुकेश शर्मा, सह सचिव गीतांजलि शर्मा, कोषाध्यक्ष रिंकू सिंह खटाणा सहित बार के अधिवक्ता महेंद्र सिंह नैन, जोगिंद्र सिंह मल्ही, बजरंग इंदल, मंजीत नैन, लक्ष्मी रानी सहित काफी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद थे।

चौदह लाख लाभार्थियों के खाते में 60 करोड़ की गैस सब्सिडी : गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार बचत, राहत, बढ़त की सोच के साथ नीतियां एवं कार्यक्रम बना रही है। महंगाई वर्तमान में देश की बड़ी समस्या है। आमजन महंगाई की मार से त्रस्त है। राज्य सरकार जनता पर महंगाई का बोझ कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोगों को बढ़ती कीमतों के कारण गैस सिलेंडर खरीदने में कठिनाई हो रही है। इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के माध्यम से राज्य सरकार 1140 रुपए तक का सिलेंडर 500 रुपए में उपलब्ध करा रही है और आमजन को महंगाई से राहत देने के लिए किए गए वादे पूरे कर रही है। गहलोत सोमवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय लाभार्थी उत्सव में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर एक साथ 14 लाख लाभार्थियों के खातों में 60 करोड़ रुपए के लाभ का हस्तातंरण किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को मुखिया बनाकर जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से जनता का पैसा राहत के रूप में जनता पर ही खर्च किया जा रहा है। यह रेवडी न होकर जनसेवा का कार्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इन योजनाओं से जो बचत होगी, उसे लाभार्थी परिवार अपने बच्चों के भविष्य को संवारने, उनकी पढ़ाई तथा अन्य भरण-पोषण पर खर्च कर सकेंगे। गहलोत

ने कहा कि प्रदेशभर में महंगाई राहत कैम्प लगाए जा रहे हैं, इससे आमजन पर महंगाई का बोझ कम हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक महंगाई राहत कैम्पों से 1.43 करोड़ परिवार जुड़ चुके हैं तथा 6.44 करोड़ गारंटी कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन से जनहितैषी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा तय मानकों को पूरा करने एवं अनुमति मिलने पर ही राज्य सरकारें विकास कार्यों के लिए ऋण लेती हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पूर्ववर्ती केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाकर शिक्षा, सूचना, खाद्य सुरक्षा एवं रोजगार के अधिकार दिए गए, उसी तर्ज पर राज्य में आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाकर दिया गया है। केंद्र सरकार को कानून बनाकर पात्र नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार देना चाहिए। केंद्र सरकार को राजस्थान के 13 जिलों के लिए महत्वपूर्ण पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करना चाहिए अन्यथा इसकी लागत में रिफाइनरी की तरह अप्रत्याशित वृद्धि होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मानवीय दृष्टि से पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है। इससे कर्मचारियों में अपने भविष्य के प्रति सुरक्षा की भावना आई है। सेवानिवृत्ति के पश्चात कर्मचारियों का भविष्य शेयर मार्केट के अधीन नहीं रखा जा सकता है। देश के कई राज्यों ने राजस्थान की इस पहल का अनुकरण किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पूरे देश में ओपीएस लागू करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने लाभार्थी उत्सव के दौरान अजमेर के 54694, अलवर के 59514, बांसवाड़ा के 25615, बारां के 29246, बाड़मेर के 67362, भरतपुर के 58515, भीलवाड़ा के 52064, बीकानेर के 54626, बूंदी के 26613, चित्तौड़गढ़ के 41445, चूरू के 56618, दौसा के 41532, धौलपुर के 25918, डूंगरपुर के 19718, हनुमानगढ़ के 36979, जयपुर के 80100, जैसलमेर के 17584, जालोर के 38115 तथा झालावाड़ के 39115 उपभोक्ताओं के खातों में लाभ हस्तांतरित किया।

बीएसएफ ने फिर मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, हेरोइन बरामद

अमृतसर (हिंस)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ और उसके जरिए मादक पदार्थों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। रविवार की रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक और ड्रोन को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बाद में तलाशी के दौरान जवानों ने ड्रोन का मलबा और उसके साथ हेरोइन का पैकेट बरामद किया है। बरामद हेरोइन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 21 करोड़ रुपए आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवानों को यह कामयाबी अमृतसर की अंतर्राष्ट्रीय सीमा अटारी के पास मिली है। रविवार रात बीएसएफ के जवान गश्त पर थे, उसी दौरान उन्हें ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी और कुछ मिनट बाद ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद जवानों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बीएसएफ ने तलाशी के दौरान अटारी के खेतों में जवानों को ड्रोन का मलबा मिला। ड्रोन टुकड़ों में टूट था। ड्रोन के पास में एक पीले रंग का बैग भी मिला, जिसे ड्रोन के साथ भारतीय सीमा की ओर भेजा गया था। जवानों ने बैग को कब्जे में लेकर सुरक्षा जांच शुरू की। जब बैग की तलाशी ली गई तो उसमें हैरोइन मिली, जिसका कुल वजन 3.2 किलो था। ड्रोन और हेरोइन के सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

सवारियों से भरा ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा दो की मौत, आठ घायल

सिरोही (हिंस)। रेवदर थाना क्षेत्र के करोटी पुल के पास रविवार देर शाम सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा पुल के पास ऑटो रिक्शा पलटने से हुआ। रेवदर थानाधिकारी कपूराराम चौधरी ने बताया कि रेवदर से करोटी की ओर जा रहा सवारियों से भरा एक ऑटोरिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर पुल के पास पलट गया। हादसे के दौरान सामने से आ रहे एक मिनी ऑटो से टकराने से शंकर पुत्र नरसा गरासिया निवासी आम्बावेरी चंडेला (आबूरोड) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल अन्य सभी लोगों को उपचार के लिए रेवदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को अन्यत्र रेफर कर दिया गया। आबूरोड के राजकीय अस्पताल में उपचार के दौरान अनिल पुत्र भूरा राज नट की भी मौत हो गई।

सीआरपीएफ ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नई दिल्ली। भारत सरकार के आदेशों के अनुपालना में सीआरपीएफ मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 05 जून 2023 को प्रात: 1000 बजे सतपाल रावत पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में विश्व पर्यावरण दिवस षपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस समारोह में एचके कनौजिया पुलिस उप महानिरीक्षक, सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक तथा अन्य राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य रैंक के जवानों ने भाग लिया। विश्व पर्यावरण दिवस परेड में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों और जवानों ने विश्व पर्यावरण दिवस षपथ ग्रहण किया। इसके उपरान्त सतपाल रावत, पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि विश्व भर में बढ़ते पर्यावरण संकट को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की नींव रखी थी। इस प्रकार प्रत्येक वर्श 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई। उन्होंने आगे बताया कि धरती पर लगातार बेकाबू होते जा रहे प्रदूशण और ग्लोबलवार्मिग हमारी जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है इसलिए पर्यावरण दिवस

मनाने का मकसद प्रकृति और मानव जाति के बीच तालमेल को संतुलित बनाकर रखना है तथा हम सभी की यह महती जिम्मेदारी है कि पर्यावरण की रक्षा हेतु हम सदैव सजग एवं जागरूक रहें। श्री रावत ने यह भी अवगत कराया कि सजगता एवं जागरूकता को बनाए रखने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के निर्देश पर महानिदेशालय सीआरपीएफ ने पर्यावरण रक्षा हेतु जीवन शैली में बदलाव के संबंध में मिशन लाईफ कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न आयोजनों हेतु हम सभी को आदेशित किया था। इसके तहत सेक्टर के अधीन कार्यालयों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता पर प्रतिदिन 10 प्रकार की विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया तथा इसकी रिपोर्ट प्रतिदिन उमतपसपमिण्वतह पोर्टल पर अपलोड किया गया। इसके साथ ही मिशन लाईफ के बारे में अधिकतम जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मो तथा वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया गया। उन्होंने आगे आह्वान किया कि किसी भी मुहिम को कोई भी अकेले नहीं पूरा कर सकता है, अत: सभी को मिलकर इस जिम्मेदारी को पूरा करना होगा। पर्यावरण की सुरक्षा, स्वयं की सुरक्षा जैसा समझकर करना चाहिए। हमें खुद के साथ दूसरों को भी सजग करना चाहिए और कम से कम अपने आस-पास हरियाली बनाए रखने या बढ़ाने में तो मदद करना चाहिए। यदि हम पर्यावरण को बचाएंगे तो फिर यही पर्यावरण हमारे जीवन को जीने योग्य बनाएगा और हम सभी अपने जीवन को खुशहाल रख पाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के प्रति आम जनता में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से श्री सतपाल रावत, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य सेक्टर, केरिपुबल लखनऊ ने हरी झण्डी दिखा कर साईकिल रैली को रवाना किया। साईकिल रैली प्रात: 0600 बजे लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण से समतामूलक चौराहा तक गई एवं वहॉ से वापस मध्य सेक्टर मुख्चयालय आई। इस रैली में सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक, मध्य सेक्टर, एवं अन्य अधिकारियों सहित लगभग 100 जवानों ने हिस्सा लिया। साईकिल रैली मे अधिकारियों एवं जवानों की साईकिल पर पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु विभिन्न प्रकार के स्लोगन सजाए गए थे ताकि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के सन्दर्भ मे स्थानीय जनता को शिक्षित किया जा सके।

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज से : ब्याज दरों में बदलाव नहीं होने का अनुमान, रेपो रेट 6.50प्रतिशत पर अपरिवर्तित रह सकती है

मुंबई।
भारतीय रिज़र्व बैंक यानी आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग शुरू हो रही है। 8 नवंबर को एमपीसी के फैसलों का ऐलान किया जाएगा। मई 2022 से फरवरी 2023 तक आरबीआई ने दरों में 2.50प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पिछली मीटिंग जो अप्रैल में हुई थी उसमें रेपो रेट को 6.50प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। एसबीआई का मानना है कि 6-8 जून को होने वाली आगामी बैठक में भी आरबीआई रेपो रेट को अपरिवर्तित रखेगा। महंगाई के अनुमान को भी घटाया जा सकता है। पिछली मीटिंग में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था, इकोनॉमी में जारी रिकवरी को बरकरार रखने के लिए हमने पॉलिसी रेट में बदलाव नहीं किया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम स्थिति के हिसाब से कदम उठाएंगे। आरबीआई के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। रेपो रेट ज्यादा होगा तो बैंकों को आरबीआई से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में आरबीआई रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को आरबीआई से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में जब इकोनॉमिक एक्टिविटी ठप हो गई थीं तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई ने अपने महंगाई अनुमान को घटा सकता है। पिछली बार भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरबीआई गवर्नर ने महंगाई के अनुमान में कटौती की जानकारी दी थी। वायसरॉय प्रॉपर्टीज के फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर साइरस मोदी के मुताबिक, इकोनॉमी में सुधार के संकेत दिख रहे हैं लेकिन सेंट्रल बैंक महंगाई को काबू में रखना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

मई में मामूली कमी के बावजूद देश के सेवा क्षेत्र में 13 साल में दूसरी सबसे मजबूत वृद्धि

मुंबई। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मई में थोड़ी कम हुई, लेकिन अनुकूल मांग की स्थिति और नए ग्राहक बढ़ने के कारण पिछले 13 साल में यह दूसरी सबसे मजबूत वृद्धि दर रही। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल में 62 से गिरकर मई में 61.2 हो गया। अप्रैल से गिरावट के बावजूद, नवीनतम रीडिंग ने संकेत दिया कि उत्पादन में जुलाई 2010 के बाद से दूसरी सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। लगातार 22वें महीने यह आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, मई के पीएमआई आंकड़े भारत के गतिशील सेवा क्षेत्र में मौजूदा मांग लचीलापन, प्रभावशाली उत्पादन वृद्धि और रोजगार सृजन का एक सम्मोहक प्रमाण है। इसके अतिरिक्त, जिन कंपनियों की निगरानी की गई उन्होंने बढ़े हुए काम को समायोजित करने के लिए अपने कर्मचारियों का विस्तार किया। वहीं, सेवा कंपनियों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले 50 महीनों में कारोबारी गतिविधियों में इजाफा होगा। सर्वेक्षण में कहा गया है, आशावादी पूर्वानुमानों के लिए बताए गए कारणों में विज्ञापन, मांग की मजबूती और अनुकूल बाजार परिस्थितियां शामिल हैं। इस बीच, एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स मई में 61.6 पर रहा, जो अप्रैल की तुलना में अपरिवर्तित है।

भारत ने रूस से मई में खरीदा रिकॉर्ड कच्चा तेल हर दिन 19.6 लाख बैरल का किया गया आयात

नई दिल्ली। भारत का रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात मई माह में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। रूस से आयात सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका से सामूहिक रूप से खरीदे गए तेल के आंकड़े को भी पार कर गया है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने मई में रूस से प्रतिदिन 19.6 लाख बैरल तेल का आयात किया, जो अप्रैल की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस का हिस्सा 42 प्रतिशत हो गया है जो यूक्रेन युद्ध से पहले एक फीसदी से भी कम था। यह हाल के वर्षों में किसी एक देश के लिए सबसे अधिक हिस्सेदारी है। मई में सऊदी अरब से भारत ने तेल का आयात घटाकर 5,60,000 टन कर दिया। यह फरवरी, 2021 के बाद निचला स्तर है। मई में तेल निर्यातक देशों के संगठन-ओपेक की भारत के कच्चा तेल आयात में हिस्सेदारी घटकर अपने सार्वकालिक निचले स्तर 39 प्रतिशत पर आ गई। पहले यह हिस्सा 90 प्रतिशत तक होता था। मई में भारत ने हर दिन 47 लाख बैरल तेल आयात किया।

ओडिशा हादसे में पेरेंट्स खो चुके बच्चों को फ्री एजुकेशनः गौतम अडाणी-वीरेंद्र सहवाग ने किया ऐलान, बोले- उनका बेहतर कल सबकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने ओडिशा रेल हादसे के बाद एक बड़ा ऐलान किया है। इस रेल हादसे में जिन बच्चों ने अपने अभिभावकों को खोया है, ऐसे सभी बच्चों की स्कूली शिक्षा के खर्च की जिम्मेदारी गौतम अडाणी ने उठाने का फैसला किया है। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी मृतकों के बच्चों को अपने स्कूल में मुफ्त शिक्षा देने की बात कही है। गौतम अडाणी ने ट्वीट कर कहा, ओडिशा की रेल दुर्घटना से हम सभी बेहद व्यथित हैं। हमने फैसला लिया है कि जिन मासूमों ने इस हादसे में अपने अभिभावकों को खोया है उनकी स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी अडाणी ग्रुप उठाएगा। अडाणी ने आगे कहा, पीड़ितों एवं उनके परिजनों को संबल और बच्चों को बेहतर कल मिले यह हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है। ओडिशा के बालासोर जिले में हुए इस रेल हादसे में 275 लोगों की मौत हुई है।

ट्विटर सीईओ का पद संभालेंगी लिंडा याकारिनो

पिछले महीने एलन मस्क ने उन्हें हायर किया था, याकारिनो के सलाहकार बेनारोच भी जॉइन करेंगे

सैन फ्रांसिस्को। लिंडा याकारिनो नए ट्विटर सीईओ के रूप में कार्यभार संभालेंगी। एनबीसी यूनिवर्सल में ग्लोबल ऐडवरटाइजिंग एंड पार्टनरशिप की चेयरमैन रहीं याकारिनो ने ट्विटर पर उनके साथ काम करने के लिए एनबीसी यूनिवर्सल के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जो बेनारोच को भी हायर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेनारोच याकारिनो के भरोसेमंद सलाहकार रहे हैं।

बिजनेस ऑपरेशन्स पर फोकस करेंगे जो बेनारोच

वॉल स्ट्रीट जर्नल के देखे गए मेमो में बेनारोच ने लिखा कि ट्विटर में उनका रोल बिजनेस ऑपरेशन्स पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा, मैं अपने अनुभव को ट्विटर पर लाने और ट्विटर 2.0 को बनाने के लिए पूरी टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि वह ट्विटर 2.0 बनाने और मस्क के साथ मिलकर बिजनेस को ट्रांसफॉर्म के लिए तैयार हैं।

मस्क ने पिछले महीने दी थी नए सीईओ की जानकारी

ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने पिछले महीने नए सीईओ की जानकारी देते हुए लिखा था लिखा, मैं ट्विटर के नए सीईओ के रूप में लिंडा याकारिनो का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं! लिंडा मुख्य रूप से बिजनेस ऑपरेशन्स पर फोकस करेंगी, जबकि मैं प्रोडक्ट डिजाइन और नई टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करूंगा। एलन मस्क का लक्ष्य टेस्ला और स्पेसएक्स पर ज्यादा फोकस करना है। फॉर्च्यून, फोर्ब्स ने लिंडा को सबसे प्रभावशाली महिला चुना... जानिए इनके बारे में 59 साल की लिंडा एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया एलएलसी में ग्लोबल ऐडवर्टाइजिंग एंड पार्टनरशिप्स की चेयरमैन हैं। 2011 में एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया से जुड़ने के बाद उन्होंने कंपनी के लिए वन प्लेटफॉर्म क्रिएट किया था। वन प्लेटफॉर्म ने प्रीमियम वीडियो ईकोसिस्टम को बदल दिया। ये प्लेटफॉर्म ऐडवर्टाइजर्स को सभी स्क्रीन और फॉर्मेट में ऑडियंस तक रीच करने में मदद करता है। एपल, गूगल जैसे ब्रांड्स के साथ कॉमर्शियल पार्टनरशिप के लिए भी लिंडा जानी जाती हैं। वहीं फॉर्च्यून, फोर्ब्स जैसे पब्लिकेशन उन्हें प्रभावशाली और शक्तिशाली महिला चुन चुके हैं। लिंडा के एजुकेशन की बात करें तो उनके पास पेन स्टेट यूनिवर्सिटी से लिबरल आर्ट्स में डिग्री हैं। लिंडा की शादी क्लाउड पीटर माद्राजो से हुई है। दोनों इटैलियन मूल के हैं और न्यूयॉर्क में रहते हैं।

- **सीईओ पराग अग्रवाल को निकाला था**

एलन मस्क ने 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद मस्क ने कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाल दिया था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल हैं। इसके बाद चीफ मार्केटिंग ऑफिसर लेस्ली बेरलैंड, चीफ कस्टमर ऑफिसर सारा पर्सनेट और ग्लोबल क्लाइंट सॉल्यूशंस के वाइस प्रेसिडेंट जीन-फिलिप महू को बाहर कर दिया गया था।

- **50प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला**

एलन मस्क ट्विटर के 7,500 एम्प्लॉइज में से 50प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल चुके हैं। इसके बाद उन्होंने बचे हुए इम्प्लॉइज को कंपनी में बने रहने के लिए अल्टीमेटम देते हुए ईमेल किया था। एम्पलॉइज को भेजे एक ईमेल में मस्क ने लिखा था, कर्मचारियों को एक सफल ट्विटर 2.0 बनाने के लिए बहुत परिश्रमी होने की जरूरत होगी। साथ ही सफलता के लिए देर तक काम और उच्च क्षमता दिखानी होगी।

ईमेल में कहा गया था कि जो भी एम्पलॉइज कंपनी का हिस्सा बने रहना चाहते हैं वो ईमेल में दिए गए लिंक पर 'हां' में क्लिक करें। जिस किसी ने ऐसा नहीं किया, उसे निकाले जाने का तीन महीने का नोटिस मिलेगा। आप जो भी निर्णय लें, ट्विटर को सफल बनाने के आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद। इस ईमेल के बाद काफी सारे एमप्लॉइज ने इस्तीफा दे दिया था।

- **ट्विटर पर ट्रंप की वापसी करवाई थी**

नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बहाल किया था। उन्होंने ट्विटर पर ट्रंप की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

- **ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस**

एलन मस्क ने ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को दुनियाभर में लॉन्च किया है। भारत में एंड्रॉयड वाले मोबाइल यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस की कीमत 900 रुपए प्रति महीना है। वेब यूजर्स ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस 650 रुपए महीने में ले सकते हैं। 27 अक्टूबर को ट्विटर खरीदने के पांच दिन बाद मंगलवार रात को एलन मस्क ने इसका ऐलान किया था।

आईपीएल 2023 के दौरान जोमैटो और स्विगी ने प्रचार अभियान पर किया कम खर्च, नतीजा- कारोबार महज 7प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।
कंसल्टिंग फर्म रेडसीर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दौरान मार्केटिंग खर्च में कमी का जोमैटो और स्विगी पर असर पड़ा, जिसका नतीजा यह हुआ कि उनके खाद्य वितरण व्यवसायों में आईपीएल के दौरान केवल 7प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। कंपनियों ने आईपीएल सीजन के दौरान अपने प्रचार अभियानों के साथ अधिक नरम दृष्टिकोण का विकल्प चुना। इस बार इन कंपनियां असाधारण और ध्यान आकर्षित करने वाले विज्ञापनों से दूरी बनाकर रखी। पहले के आईपीएल सीजन्स के दौरान, जोमैटो और स्विगी ने प्राइम-टाइम टेलीविजन पर एक महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई थी जिससे उनके व्यवसायों में पर्याप्त वृद्धि हुई थी। हालांकि, 2023 आईपीएल सीज़न में उनकी मार्केटिंग रणनीति में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया। इस बदलाव के परिणामस्वरूप केवल 7प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो महामारी से पहले के वर्षों में देखी गई दो अंकों की वृद्धि से बहुत कम है। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि बिरयानी, डेसर्ट, उत्तर भारतीय व्यंजन और स्नैक्स जैसे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों की बिक्री में वृद्धि हुई है। मेट्रो शहरों में जहां 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, शहरों ने साल-दर-साल आधार पर 14प्रतिशत फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। आईपीएल 2023 के दौरान विकास में गिरावट स्टार्टअप इकोसिस्टम के वित्त पोषण में आई कमी और निवेशक-संचालित मूल्यांकन कटौती के बीच लाभप्रदता कंपनी बनने का लक्ष्य हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने से संबंधित है। जोमैटो और स्विगी सहित ज्यादातर स्टार्टअप लागत में कटौती कर रहे हैं, इसकी का नतीजा है कि कंपनियों ने छंटनी की है और विज्ञापनों में कमी आई है। जोमैटो और स्विगी दोनों कंपनियों ने लाभप्रदता हासिल करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। स्विगी ने वित्त वर्ष 22 में घाटे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जबकि जोमैटो वित्त वर्ष 23 में अपने घाटे को कम करने में कामयाब रही। लागत में कटौती के लिए कंपनियों ने अंडरपरफॉर्मिंग वर्टिकल को भी बंद कर दिया है। चुनौतियों के बावजूद, जोमैटो का लक्ष्य अगली चार तिमाहियों में समेकित स्तर पर शुद्ध लाभ दर्ज करना है।

ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर 18 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

नई दिल्ली।
डेटा साइंस कोर्स ऑफर करने वाली बेंगलुरु स्थित एडटेक कंपनी गीकलर्न के सीईओ को हजारों छात्रों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गीकलर्न के सीईओ कमलापुरम श्रीनिवास कल्याण पर छात्रों के नाम पर शैक्षिक ऋण जुटाने और स्वीकृत धन का दुरुपयोग करने का आरोप है। बेंगलुरु पुलिस का अनुमान है कि इस घोटाले से लगभग 2,000 छात्र प्रभावित हुए हैं, जिसमें कुल 18 करोड़ रुपये (2.5 मिलियन डॉलर) की राशि का गबन किया गया है।

2000 छात्र हुए धोखाधड़ी के शिकार, 18 करोड़ की गड़बड़ी के आरोप

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि स्कैमर्स ने लगभग 2,000 छात्रों को धोखा दिया, जिससे कुल 18 करोड़ रुपये जुटाए गए। प्रत्येक छात्र का ऋण 2 लाख रुपये से अधिक था। गीकलर्न के संस्थापक और प्रबंध निदेशक कमलापुरम श्रीनिवास कल्याण को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल बताती है कि वह गीकलर्न ब्रांड के तहत तीन अन्य कंपनियों के साथ भी जुड़े हुए हैं, जिनमें- गीकलर्न एचआर, एक मानव संसाधन मंच; गीकलर्न एशिया, एक निष्क्रिय सिंगापुर स्थित इकाई; और गीकलर्न एआई, एक एआई प्लेटफॉर्म है। सीएफओ रमन पीसी और ऑपरेशन हेड अमन को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

घोटाले के तौर-तरीकों में गीकलर्न कथित तौर पर पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में छात्रों के नाम पर ऋण ले रहा था। एक प्रभावित छात्र के लिंक्डइन पोस्ट के अनुसार, गीकलर्न को ऋण की किस्तों का भुगतान करना था और छात्र के खाते में छात्रवृत्ति के रूप में ऋण ईएमआई जमा करनी थी जब तक कि छात्र को रोजगार नहीं मिल जाता।

एफडी कराते समय रिटर्न के साथ सुरक्षा का भी रखें ध्यान, सिर्फ पांच लाख रुपये तक रकम ही सुरक्षित

नई दिल्ली।
देश में आमतौर पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को निवेश का सबसे सुरक्षित साधन माना जाता है। इस समय कई बैंक सरकार की छोटी बचत योजनाओं के मुकाबले एफडी पर अधिक ब्याज दे रहे हैं। अधिक रिटर्न (ब्याज) के आकर्षण में हाल फिलहाल लोगों का रूझान एफडी की ओर बढ़ा है। हालांकि, बैंकों में एफडी कराना पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। खासतौर से सहकारी बैंकों में। इनमें अपना पैसा जमा करने पर कमर्शियल बैंकों (निजी और सरकारी बैंक) के मुकाबले अधिक जोखिम रहता है। 2021 और 2022 के दौरान आठ शहरी सहकारी बैंकों का दिवाला निकल गया था। इन बैंकों के जमाकर्ताओं के पैसों पर जोखिम उत्पन्न हो गया था। इसके बाद आरबीआई आगे आया और डिपॉजिट बीमा के तहत दावों का निपटान किया। इसके अलावा, सिलिकॉन वैली बैंक के परिप्रेक्ष्य में भी एफडी पर जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया सकता है। खासकर सहकारी बैंकों के संबंध में। इसलिए, ये बैंक जमाकर्ताओं को अधिक रिटर्न देने की पेशकश करते हैं। 08 शहरी सहकारी बैंक हुए थे 2021 और 22 में दिवालिया।

सिर्फ पांच लाख रुपये तक रकम ही सुरक्षित

कमर्शियल बैंकों के मुकाबले सहकारी बैंक या स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने जमाकर्ताओं को अधिक ब्याज तो देते हैं, लेकिन वहां जमा पैसों के डूबने का खतरा भी बना रहता है। इसे देखते हुए आरबीआई ने जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई को बचाने के लिए 5 लाख की डिपॉजिट बीमा लिमिट तय कर दी। अगर किसी सहकारी बैंक में आपने 10 लाख रुपये जमा किए हैं और वह दिवालिया हो जाता है, तो ऐसे में डिपॉजिट बीमा के तहत आपको सिर्फ 5 लाख रुपये ही मिलेंगे।

यहां मिल रहा है सबसे अधिक ब्याज

बैंकबाजार ने 12 सरकारी, 21 निजी, 12 स्मॉल फाइनेंस, 13 विदेशी और 10 सबसे बड़े शहरी सहकारी बैंकों में एफडी पर मिल रहे रिटर्न पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक, सभी सरकारी बैंक मौजूदा समय में 7.35 फीसदी या उससे कम ब्याज दे रहे हैं। 29 बैंक 8 फीसदी या इससे ज्यादा ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। दो निजी बैंक अपने जमाकर्ताओं को करीब 8 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। दो स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी पर 9 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। केवल उच्च रिटर्न के चक्कर में न बदलें बैंक एफडी पर अधिक रिटर्न के चक्कर में पड़कर अपना मौजूदा बैंक बदलने से बचें, क्योंकि अधिकांश एफडी करने से पहले बैंक बचत खाता खोलने को कहते हैं।

पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था में मौका, चीन और जापान बेहतर उदाहरण

नई दिल्ली।
दुनिया के जितने भी देश आज पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था के आंकड़े को पार किए हैं, उन सभी का शेयर बाजार तब बेहतर प्रदर्शन किया जब उन्होंने दो लाख करोड़ डॉलर से पांच लाख करोड़ डॉलर की यात्रा पूरी किए। आंकड़े बताते हैं कि तीन प्रमुख देशों अमेरिका, चीन और जापान इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था 2004 से 2009 के बीच दो लाख करोड़ डॉलर से पांच लाख करोड़ डॉलर हुई। इस दौरान इसका शेयर बाजार हैंगसेंग 8,500 से 32,000 तक पहुंच गया। यानी इसने 5 साल में करीब 4 गुना की वृद्धि हासिल की।

जापान की अर्थव्यवस्था 1978 में दो लाख करोड़ डॉलर की थी और 8.5 साल बाद 1986 में यह पांच लाख करोड़ डॉलर की बनी। 1978 से 1991 के दौरान इसके शेयर बाजार ने 14 गुना की वृद्धि हासिल की। यह 2000 से बढ़कर 27,000 पर पहुंच गया।

अमेरिकी बाजार 17 गुना बढ़ा

अमेरिकी अर्थव्यवस्था 1977 में दो लाख करोड़ डॉलर की थी। 1988 में 5 लाख करोड़ डॉलर हुई। शेयर बाजार डाऊजोंस 1977 से 2000 के बीच 17 गुना बढ़ा, जो 700 से बढ़कर 12000 के पार पहुंच गया। भारतीय शेयर बाजार का रुझान भी ऐसा ही है। अक्तूबर, 2021 में सेंसेक्स ने पहली बार 62,000 और फिर 63 हजार को पार किया। भारत की अर्थव्यवस्था इस समय करीब 3.5 लाख करोड़ डॉलर की है जो 2026-27 तक 5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी।

शेयर बाजार एक लाख की राह पर

दुनिया के कई देशों के अगर पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजारों के रुझान को देखें तो इस आधार पर भारतीय शेयर बाजार चार साल में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। ब्रोकरेज हाउसों का मानना है कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स दो-तीन साल में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है। यहां से 70 फीसदी का रिटर्न मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय जब पूरी दुनिया के बाजार टूटे थे, उस समय से भारतीय बाजार ने करीब ढाई गुना की वृद्धि हासिल की है। मार्च, 2020 में कोरोना के समय सेंसेक्स 26 हजार से नीचे चला गया था जो अब 63 हजार के पार है। 63,000 पर आ गया बीएसई सेंसेक्स। 26,000 से नीचे था मार्च 2020 में कोरोना महामारी के कारण।

विविधीकरण का मिलता है फायदा

विश्लेषकों का मानना है कि शेयर बाजार के इस माहौल में इक्विटी सेविंग्स फंड में निवेश बेहतर हो सकता है।

सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावटः 60 हजार के नीचे आया सोना, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 707 रुपए गिरकर 59,601 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,595 रुपए हो गई है। वेबसाइट के अनुसार चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 935 रुपए सस्ती होकर 71,423 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 72,358 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने में शानदार तेजी देखने को मिली है। इस साल की शुरुआत यानी 1 जनवरी 2023 को ये 54,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,601 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 4,734 रुपए की तेजी आई है। अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है।

बॉलीवुड फिल्म निर्माता दक्षिणी फिल्मों से प्रभावित, भूल-भुलैया-2 तमिल में होगी रीमेक

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड फिल्म निर्माता दक्षिणी फिल्मों से प्रभावित होकर हिंदी भाषी बाजारों के लिए रीमेक करते हैं। विक्रम वेधा, मिली, दृश्यम-2, शहजादा, सेल्फी, भोला, गुमराह, किसी का भाई किसी की जान, यू-टर्न, छत्रपति, मुंबईकर आदि जैसी कई फिल्में जो हाल के दिनों में रिलीज हुईं, जो लोकप्रिय दक्षिण फिल्मों की रीमेक थीं और अब एक ट्रेंड रिवर्सल में बॉलीवुड की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक भूल भुलैया-2 (2022) को दक्षिण में फिर से बनाने के लिए तैयार है। डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिष्ठित निमार्ता ज्ञानवेल राजा ने फिल्म के अधिकार हासिल कर लिए हैं और तमिल में कार्तिक आर्यन-कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म का रीमेक बनाएंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ज्ञानवेल राजा के अलावा कुछ और निमार्ता भी अधिकार हासिल करने की दौड़ में थे। ज्ञानवेल राजा ने पुष्टि की कि उन्होंने अधिकार जीत लिए हैं और उद्धृत किया गया- हां, मैंने भूल भुलैया-2 दक्षिण रीमेक अधिकार खरीदे हैं। भूल भुलैया (2007), मलयालम फिल्म मणिचित्राथजू (1993) का रीमेक था और अब यह इसके विपरीत है, क्योंकि भूल भुलैया-2 एक मूल फिल्म है, जिसका रीमेक होगा। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के अलावा, भूल भुलैया-2 में तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा ने भी अभिनय किया। ज्ञानवेल राजा स्टूडियो ग्रीन के संस्थापक हैं। प्रोडक्शन हाउस की स्थापना 2006 में हुई थी और उन्होंने परुथीवीरन (2007), सिंघम (2010; जिसे 2011 में सिंघम के रूप में हिंदी में बनाया गया था), नान महान अल्ला (2010), सिरुथाई (2011), मद्रास (2014), डार्लिंग (2015), थाना सेरंधा कूट्टम (2018) जैसी कई यादगार फिल्मों का निर्माण किया है। कंगुवा, सूर्या अभिनीत और थंगालन, विक्रम अभिनीत, आने वाली फिल्में हैं।

मैंने ही इस बेवकूफ एयरपोर्ट लुक्स की शुरूआत की थी, अब बाय बाय : कंगना रनौत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अदाकारा कंगना रनौत ने एयरपोर्ट लुक्स को अलविदा कह दिया है। कंगना ने एयरपोर्ट लुक्स की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने की भी जिम्मेदारी ली। कंगना ने इंस्टाग्राम पर भारत में एयरपोर्ट लुक्स का चलन शुरू करने की जिम्मेदारी ली और अपने कई पुराने फोटो शेयर किए, जिसके कैप्शन में कंगना ने लिखा कि मैंने ही इस बेवकूफ एयरपोर्ट लुक्स की शुरूआत की थी और उन्होंने इसके लिए खुद को दोषी ठहराया। उन्होंने फिर खुद को पूंजीवाद का शिकार के रूप में टैग किया। अभिनेत्री कंगना ने कहा कि मीडिया और फैशन इंडस्ट्री के माध्यम से एक पश्चिमी महिला दिखने के लिए ब्रेनवाश किया गया, ताकि मैं केवल अंतरराष्ट्रीय डिजाइनरों की जेब भर सकूं। पर्यावरण पर मेरी पसंद के प्रभाव के बारे में परवाह किए बिना हमेशा कपड़े खरीदने में शर्म आती है, जबकि मैं एक बिंबो की तरह काम करती हूं, सिस्टम मुझे एक फैशनिस्टा के रूप में सम्मानित करता है, जो मुझे और अधिक अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जबकि मेरे अपने लोग जैसे बुनकर और हस्तशिल्प पुरुष धीमी और स्थिर मौत मर रहे हैं। फिर वे चालाकी से मेरे द्वारा पहने जाने वाले हर चीज की कीमत लगाना शुरू कर देते हैं। कंगना ने कहा कि फैशन ब्रांड सिर्फ कपड़े और बैग भेजकर आपको उनके लिए मुफ्त में काम करवाते हैं, वे पूरी सभ्यता की संस्कृतियों और परंपराओं को हाईजैक करना शुरू कर देते हैं। कंगना ने खुद से सवाल किया कि अगर एक भारतीय महिला ऐसी दिखती है तो एक अमेरिकी महिला कैसी दिखती है। इस ट्रेंड को अलविदा कहते हुए उन्होंने कहा कि अलविदा एयरपोर्ट लुक, ऐसा लगता है कि हम उस चरण से आगे निकल गए हैं। अब समय आ गया है कि यदि मैं एक कपड़ा भी खरीद लूं, तो मैं खुद से पूछती हूं कि इससे कितने भारतीयों को फायदा होगा।

डॉन-3 की पटकथा को पूरा करने में व्यस्त है फरहान

-रणवीर सिंह को पेश करेंगे डॉन के रूप में

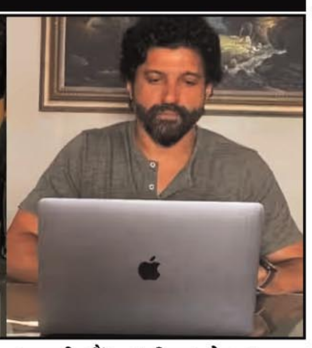

मुंबई (ईएमएस)। आजकल फरहान अख्तर अपने निर्देशन में बनने वाली फिल्म डॉन-3 की पटकथा लिखने में व्यस्त हैं। बताया जा रहा है कि डॉन के निमार्ताओं ने रणवीर सिंह को डॉन के रूप में पेश करने का फैसला किया है। शाहरुख खान के डॉन फ्रैंचाइजी से पीछे हटने के बाद प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म के लिए रणवीर सिंह को फाइनल कर लिया है। रणवीर फिल्म का प्रोमो भी शूट कर चुके हैं। फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ ही प्रोमो रिलीज किया जाएगा। हाल ही रणवीर सिंह के हाथ अपने चहेते निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली पेशकश बैजू बावरा लगी है। इस फिल्म को लेकर यह कहा जा रहा है कि भंसाली इसे अपनी वर्तमान वेब सीरीज हीरामंडी के बाद शुरू करेंगे। इन दिनों भंसाली नेटफ्लिक्स की इस फिल्म को पूरा करने में जुटे हैं। बैजू बावरा के लिए भंसाली अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस से बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई उपयुक्त स्टूडियो नहीं मिल पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के फाइनेंस को लेकर फिल्म वजह से लंबे समय से ठंडे बसते में थी। लेकिन, रणवीर ने फाइनेंस की बजाय फिल्म की कहानी और डायरेक्शन को ज्यादा अहमियत दी और डील साइन कर दी है। इस फिल्म में रणवीर के साथ आलिया भट्ट भी नजर आ सकती हैं। आलिया के अलावा भंसाली ने फिल्म में डकैत क्वीन रूपमती के कैरेक्टर के लिए दो और लोगों से भी कांटेक्ट किया है। बैजू बावरा के बाद रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन रिबूट में भी दिखेंगे। वहीं, रणवीर अजय देवगन के साथ सिंघम अगेन में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सिंघम अगेन के लिए रणवीर करीब 30-35 दिनों तक शूटिंग करने वाले हैं।

स्वयंभू का पहला लुक जारी

एक्टर निखिल सिद्धार्थ की 20वीं फिल्म के निमार्ताओं ने अभिनेता के जन्मदिन पर स्वयंभू का पहला लुक जारी किया। फर्स्ट-लुक पोस्टर निखिल को युद्ध के मैदान में एक क्रूर योद्धा के रूप में प्रस्तुत करता है। एक आम लड़के की तरह लंबे बालों में निखिल एक हाथ में हथियार (भाला) और दूसरे हाथ में ढाल लिए घोड़े की सवारी करते नजर आ रहे हैं। उनका गेटअप और मेकओवर वाकई काबिल-ए-तारीफ है। बता दें कि, स्वयंभू निखिल के करियर की सबसे महंगी फिल्म होने जा रही है। इसे शीर्ष तकनीकी मानकों के साथ माउंट किया जाएगा।

मनोज परमहंस सिनेमैटोग्राफी का निर्देशन करते हैं, जबकि रवि बसरूर ने संगीत दिया है। एम प्रभाहरण प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और फिल्म के संवाद वासुदेव मुनेपागरी द्वारा प्रदान किए गए हैं।

फिल्म आदिपुरुष 16 जून को दस्तक देने तैयार

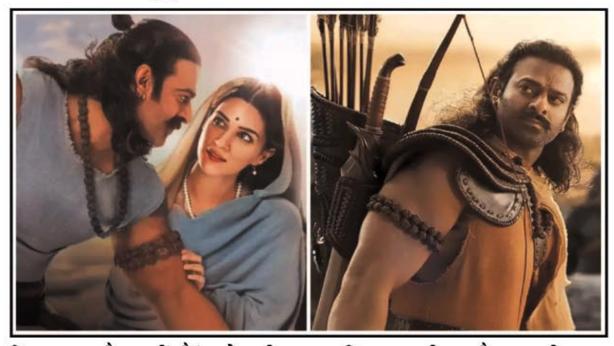

अपकमिंग फिल्म आदिपुरुष 16 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। प्रभाष और कृति सेनन की इस मचअवेटेड फिल्म के ट्रेलर के साथ-साथ गानें भी दर्शकों का खूब पसंद आ रहे हैं। फैंस के एक्साइटमेंट को दोगुना करने के लिए मेकर्स ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें बजरंग बली का विशाल रुप देखने को मिल रहा है। इस पोस्टर को अपने ट्वविटर हैंडल पर शेयर करते हुए फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत ने लिखा कि हम हैं केसरी, क्या बराबरी ह्य वहीं उनके इस ट्वीट पर कमेंट्स की बाढ आ गई है। हर कोई जय श्री राम लिख रहा है। वहीं फैंस के बीच फिल्म का क्रेज देखते हुए बहुत जल्द मेकर्स फिल्म की एडवांस बुकिंग ओपन कर सकते हैं। बता दें कि इस फिल्म में प्रभास भगवान राम, कृति माता सीता, सैफ अली खान लंकेश और सनी सिंह लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। रामायण पर आधारित इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

16 डिग्री में शूटिंग की थी अदा शर्मा ने, फट गए थे होठ

-द केरला स्टोरी से बटोर रहीं सुर्खियां

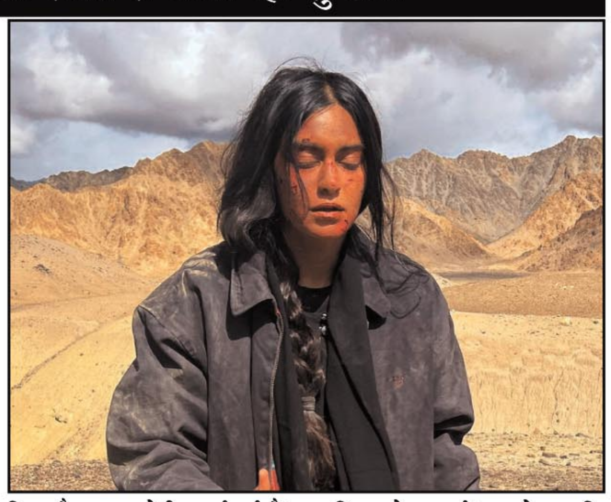

मुंबई (ईएमएस)। हालिया रिलीज फिल्म द केरला स्टोरी से एक्ट्रेस अदा शर्मा खूब सुर्खियां बटोर रहीं हैं। फिल्म में अदा शर्मा के रोल को खूब पसंद किया जा रहा है। हालांकि, द केरला स्टोरी की शूटिंग करना एक्ट्रेस के लिए आसान नही था। एक पोस्ट शेयर कर अदा ने बताया कि कैसे माइनस 16 डिग्री में उन्होंने अपनी शूटिंग पूरी की। अदा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बेहद बुरा हाल दिख रहा है। एक्ट्रेस के चेहरे और बॉडी पाट्र्स पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। उनके लिप्स फटे हुए हैं और स्किन भी फटी हुई दिखाई दे रही है।

यह तस्वीरें शेयर करते हुए अदा ने कैप्शन में लिखा- माइनस 16 डिग्री में 40 घंटे तक डिहाइड्रेट रहने का परिणाम मेरे ऐसे फटे-फटे होंठ हैं। जमीन पर गिरने के लिए गद्दे रखे हुए थे, लेकिन मैंने उसका यूज नहीं किया। इसकी वजह से घुटने और कोहनी छिल गई। आखिरी तस्वीर में आप देख सकते हैं कि मैंने मुट्ठी भर नारियल का तेल अपने बालों में लगाया हुआ है। इसके अलावा सेफ्टी पिन और टाइट चोटी बनाई हुई है। अदा शर्मा का कहना है कि फिल्म के एक सीन में जब आईएसआईएस के लोग उनका पीछा करते हैं और वे थक कर जमीन पर गिर जाती हैं। उस सीन के लिए उन्होंने किसी गद्दे का इस्तेमाल नहीं किया था। सीन बिल्कुल असली लगे इसके लिए वे जमीन पर ही गिर गईं। अदा के मुताबिक, फिल्म में बहुत डरावने सीन भी हैं। एक जगह प्रेग्नेंसी में ही रेप सीन दिखाया गया है, ऐसी चीजें बड़ी मुश्किल से शूट हुईं। अदा ने कहा कि चेहरा डरावना लगे इसके लिए उन्हें घंटों मेकअप करने पड़ते थे। उन्होंने कहा-शालिनी के किरदार के लिए 15 मिनट में कुर्ता और जींस पहनकर तैयार हो जाती थीं। चूंकि फिल्म के बैकग्राउंड में अफगानिस्तान का सीन दिखाना था। वहां गर्मी स्किन को जला देती है। ऐसे में उस डरावने चेहरे के लिए एक से डेढ़ घंटा मेकअप में लगता था। इतना ही समय मेकअप हटाने के लिए भी लगता था।

अपने एक्टिंग स्किल्स को आगे बढ़ाना चाहता राघव

बालीवुड एक्टर राघव जुयाल एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। खुद को बेहतरीन कलाकार के तौर पर साबित कर रहे हैं। वह एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा, वह ऑस्कर पुरस्कार विजेता सिख एंटरटेनमेंट की दो प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं इस बारे में बात करते हुए, राघव ने कहा- मैंने फैसला लिया कि मैं अपने एक्टिंग स्किल्स को आगे बढ़ाना चाहता हूं। मैं किसी भी इंडस्ट्री से दूर नहीं गया, लेकिन एक क्राफ्ट पर फोकस करना चाहता हूं। एक्टिंग, जिसे मैं हमेशा से करना चाहता था। उन्होंने आगे कहाः अपने आखिरी टीवी अपीयरेंस के बाद मैंने पॉज लिया। बैक-टू-बैक पांच फिल्मों के लिए शॉट, काम बहुत अच्छा रहा है, क्योंकि यह वही है जो मैं करना चाहता था और मुझे खुशी है कि यह सब अब शेप ले रहा है। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुझे अद्भुत फिल्म निमार्ताओं और कुछ रोमांचक परियोजनाओं के साथ काम करने का मौका मिला।

रजनीकांत और तमन्ना ने जेलर की शूटिंग खत्म

सुपरस्टार रजनीकांत और तमन्ना भाटिया ने अपनी अगली फिल्म जेलर की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म के निमार्ता सन पिक्चर्स ने ट्विटर पर जश्न की कुछ तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में रजनीकांत, तमन्ना और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार के साथ केक काटते दिख रहे हैं। सन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर लिखा, जेलर की शूटिंग खत्म! थिएटर पर 10 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में रजनीकांत एक जेलर की भूमिका निभाएंगे। फिल्म को एक जेल के अंदर शूट किया गया है। रजनीकांत और तमन्ना के अलावा, इसमें शिवराजकुमार, मोहनलाल, जैकी श्रॉफ और राम्या कृष्णन भी हैं। यह दूसरी बार होगा जब रजनीकांत जैकी के साथ काम करते नजर आएंगे। दोनों इससे पहले 1987 में उत्तर दक्षिण में काम कर चुके हैं।

वेटरन एक्ट्रेस सुलोचना लटकर का निधन, 94 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मराठी फिल्म जगत में अपने अभिनय से एक अलग पहचान बनाने वाली सुलोचना लटकर का निधन हो गया है। उन्होंने 94 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत खराब हुई थी। उसके बाद उन्हें दादर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुलोचना दीदी की मौत ने मराठी फिल्म जगत को झकझोर कर रख दिया है। दीदी के निधन की खबर सामने आते ही मराठी और हिंदी फिल्म जगत की कई मशहूर हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। दीदी कुछ दिनों से सांस की बीमारी से पीड़ित थीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले मार्च में जब सुलोचना दीदी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुलोचना दीदी के इलाज का सारा खर्च मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से देने का निर्देश दिया था। सुलोचना दीदी का जाना मराठी दर्शकों के लिए एक सदमा है।

न केवल मराठी में बल्कि हिंदी फिल्म जगत में भी उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके जाने से फैंस पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दीदी के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने मराठा तितुका मेळवावा, मोलकरीण, बाळा जो जो रे, सांगते ऐका, सासुरवास, वहिनीच्या बांगड्या जैसी कई मराठी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा उन्होंने ये दिन बहार के, कटी पतंग, नाटक, चिराग, संबंध जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया।

ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद अभिनेता सोनू सूद ने सरकार से की अपील

ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद पूरा देश हतप्रभ है। बालासोर में बहनागा बाजार स्टेशन के पास तीन ट्रेनों के बीच भीषण दुर्घटना में 275 लोगों की मौत हो गई और 900 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे को लेकर फिल्म अभिनेता सोनू सूद ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और पीड़ितों के परिवारों के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने सरकारों से इस संबंध में कुछ ठोस कदम उठाने की मांग की। सोनू सूद ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए और दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना करते हुए एक वीडियो ट्वीट किया। इस वीडियो के जरिए सोनू ने यह चिंता भी जताई है कि सरकार के मुआवजे के बाद इन लोगों का क्या होगा। उन्होंने लिखा, "हम एक ट्वीट करते हैं, अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और फिर अपने काम में लग जाते हैं, लेकिन उनका क्या जो अपना घर छोड़कर दूसरे शहर में अपने परिवार का पेट भरने के लिए चले जाते हैं? आज कई परिवार उजड़ गए हैं, क्या वे फिर से मजबूती से खड़े हो पाएंगे?" इतना ही नहीं इस वीडियो से सोनू ने लोगों और सरकार से एक गुजारिश भी की है। सोनू ने कहा कि, 'मेरी सभी से गुजारिश है कि इस तस्वीर को बदलने के लिए कुछ करें। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस संबंध में अभी कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में होने वाले हादसों से बचा जा सके और हमें सबक मिले।"

सूडोकु नवताल- 6453

★★★✫☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6452 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 7200

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्ड	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ता	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

शब्दजाल में दस पालतू जानवरों के नाम ढूंढिए. दिए गए दस नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

खरगोश,बिल्ली,कुत्ता,गाय,भैंस,ऊंट,गधा, बकरी,बंदर,घोड़ा

शब्दजाल - 7199 का हल

बं	ल	र	ह	द	ब	निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6153

	1	3			2	4
	34	6	33	1	33	7
7	5			6		
	29	2	31		31	5
	4		5	3		1
3	30		37		33	
	1	5			7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6152 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	30	2	25	1	34	6
1	2	3	4	5	6	7
6	36	6	34	4	31	3
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

जूनियर एशिया कप हॉकी में भारतीय लड़कियों की दूसरी जीत: मलेशिया को 2-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर

नई दिल्ली।
भारतीय हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप (गर्ल्स) में लीग के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को हराया। इसके साथ ही भारत अपने ग्रुप में टॉप पर है। इससे पहले खेले गए पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 22-0 के बड़े अंतर से हराया था। जापान के काकामीगहारा शहर में चल रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय लड़कियों ने पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बना ली थी, जिसे मैच खत्म होने तक बरकरार रखा। भारत के लिए मुमताज और दीपिका ने एक-एक गोल किए, जबकि मलेशिया की ओर से डियान नाजेरी ने एक गोल किया। इस जीत रे साथ भारत ने अपने पूल पर टॉप पोजिशन हासिल कर ली है।

पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने की वापसी

मैच के छठे मिनट में ही मलेशिया की ओर से डियान नाजेरी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। उसके बाद भारत की मुमताज ने 10 वें मिनट में टीम को वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसके बाद मैच के 26वें मिनट में दीपिका ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। तीसरे और चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों को मौका मिला, पर कोई भी इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी।

10 टीमें ले रही हैं भाग

11 जून तक चलने वाले इस टूर्नामेंट 10 टीमें भाग ले रही हैं। भारतीय टीम के साथ ही चार अन्य टीमों को उनकी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर अंडर -21 हॉकी टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें चीन, कोरिया, जापान और मलेशिया की टीमें शामिल हैं। बाकी पांच टीमें कजाकिस्तान, हांगकांग, चीनी ताइपे, उज्बेकिस्तान और इंडोनेशिया ने पिछले साल अक्टूबर में कजाकिस्तान में आयोजित महिला जूनियर कप के जरिए इस टूर्नामेंट में क्वालिफाई किया है।

भारतीय टीम पूल ए में शामिल

भारतीय टीम को पूल में मलेशिया, चीनी ताइपे, दक्षिण कोरिया और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। वहीं, पूल क्र में जापान, कजाकिस्तान, हांगकांग, इंडोनेशिया और मौजूदा चैंपियन चीन शामिल है। अपने-अपने ग्रुप में आगे रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में जाएगी। जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें पांचवीं से आठवीं रैंक के क्लासिफिकेशन के लिए खेलेंगी। दोनों पूल में पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें 9वें और 10वें स्थान के लिए एक दूसरे से भिड़ेंगी।

न्यूज ब्रीफ

फ्रेंच ओपन के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे जोकोविच: सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज से हो सकती है भिड़ंत

पेरिस। दो बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच 14वीं बार फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज से हो सकती है। जोकोविच ने प्री क्वार्टर फाइनल में जुआन पाब्लो वेरिलास को हराया, जबकि कार्लोस लोरेंजो मुसेटी को हराकर टॉप-8 में पहुंचे हैं। जोकोविच ने एक घंटे 57 मिनट चले प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जुआन पाब्लो वेरिलास को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला रूस के करेन खाचनोव से होगी, जिन्होंने अन्य मुकाबले में इटली के लौरेंजो सोनेगो को 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 से पराजित किया। खाचनोव ने पहला सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी की और बाद में लगातार तीनों सेट जीत कर लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। जोकोविच और खाचनोव 9 बार आमने-सामने हुए हैं, जिनमें जोकोविच 8 मुकाबलों में और खाचनोव एक बार ही जीते हैं। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-1 रह चुके नोवाक जोकोविच के पास सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने में राफेल नडाल को पीछे छोड़ने का मौका है। दोनों ने अब तक बराबर 22-22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। नडाल चोट की वजह से फ्रेंच ओपन से बाहर हैं। ऐसे में जोकोविच अगर फ्रेंच ओपन जीत लेते हैं तो वह नडाल को पीछे छोड़ सकते हैं। वहीं जोकोविच के बाद वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज ने भी अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली है। 2 घंटे 8 मिनट तक चले मुकाबले में अल्कारेज ने इटली के लोरेंजो मुसेटी को लगातार तीन सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला टूर्नामेंट के पांचवी सीड यूनान के स्टेफानोस सितसिपास से होगा। अल्कारेज और सितसिपास चार बार आमने-सामने हुए हैं।

1983 के पाक दौरे पर रवि शास्त्री का बड़ा खुलासा, बॉल टेंपरिंग की ओर किया इशारा

लंदन। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने 1983 में पाकिस्तान दौरे पर बॉल टेंपरिंग (गेंद से छेड़छाड़) की ओर इशारा किया है। ओवल में आइसीसी के कार्यक्रम में जब मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले ने पाकिस्तानी गेंदबाज वसीम अकरम और पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के सामने शास्त्री से पूछा कि आपको अपनी कौन सी पारी सबसे ज्यादा पसंद है, तो उन्होंने कहा कि लाहौर में जब मैंने पाकिस्तान के विरुद्ध अपना पहला शतक लगाया था। इस दौरान उन्होंने बॉल टेंपरिग की बात भी कही। शास्त्री ने कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध जब मैंने पहले टेस्ट शतक लगाया था तो वहां बहुत कुछ हो रहा था। इमरान खान और सरफराज नवाज के साथ में वहां दो अंपायर भी थे। वहां सब कुछ हो रहा था फिस्स फिस्स (गेंद को रगड़ने का इशारा करते हुए)। गेंद के ऊपर नाखून, ढक्कन, बोतल का ओपनर सब रगड़ा जा रहा था। कराची में खेले गए इस मैच में शास्त्री ने 128 रन की पारी खेली थी। डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण को थोड़ा बेहतर बताते हुए शास्त्री ने कहा कि अगर भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह होते तो दोनों टीमों का गेंदबाजी आक्रमण एक समान होता, लेकिन आस्ट्रेलिया के पास पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क हैं। शास्त्री ने कहा कि दोनों ही टीमें इस समय विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं क्योंकि बीते दो सालों में दोनों ने ही शानदार खेल दिखाया है।

लिटन दास करेंगे बांग्लादेश को लीड, शाकिब अल हसन टेस्ट टीम से हुए बाहर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ 14 जून से होने वाले एकमात्र टेस्ट में बांग्लादेश टीम की कमान लिटन दास को सौंपी गई है। अंगुली में चोट के चलते शाकिब अल हसन छह सप्ताह के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश ने 15 सदस्यीय टीम में दो अनकैप्ड खिलाड़ी शहादत हुसैन और मुस्फीक हसन को भी चुना है। बता दें कि टीम में जाकिर हसन की भी वापसी हुई है। वह अप्रैल में आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। मार्च में जब उन्हें पहली बार वनडे टीम में चुना गया था तो उनके अंगूठे में चोट लग गई थी। उनकी वापसी के चलते टीम में शदमान इस्लाम को जगह नहीं मिली। इसके अलावा रेजोर रहमान राजा भी टीम में अपनी जगह नहीं बना सके। शाहदत 2020 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्फीक हसन पर विश्वास जताया है। उन्हें टीम में शामिल किया गया है। मुस्फीक ने राष्ट्रीय क्रिकेट लीग 2022-23 में 15.92 की औसत से 25 विकेट लिए थे। ढाका डिवीजन के खिलाफ उन्होंने 71 रन देकर 8 विकेट लिए थे। यह बांग्लादेश के प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मात्र तीसरा 8 विकेट हॉल है।

इंग्लैंड में ही क्यों होता है डब्लूटीसी फाइनल

भारत-ऑस्ट्रेलिया या किसी और देश को क्यों नहीं मिली मेजबानी

नई दिल्ली।
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला 2 दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। मैच इंग्लैंड में लंदन के द ओवल मैदान पर होगा। डब्लूटीसी का पहला फाइनल भी इंग्लैंड में ही हुआ था और 2025 का फाइनल भी इंग्लैंड में ही होगा। 2021 में साउथैम्पटन के मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियनशिप के लिए भिड़े थे। वहीं 2025 में लंदन के ही लॉर्ड्स मैदान पर चैम्पियनशिप का तीसरा फाइनल खेला जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इंग्लैंड में ही हर बार क्यों डब्लूटीसी फाइनल का आयोजन करा रहा है। इस सवाल का जवाब हम 4 फैक्टर्स की मदद से जानेंगे और समझेंगे कि भारत, ऑस्ट्रेलिया या किसी तीसरे देश को चैम्पियनशिप की मेजबानी क्यों नहीं दी गई।

पहला फैक्टर: इंडियन ऑडियंस के लिए बेस्ट टाइमिंग - क्रिकेट का सबसे बड़ा मार्केट भारत है। भारत में सबसे ज्यादा क्रिकेट दर्शक हैं। इस वजह से कमाई भी सबसे ज्यादा भारत से होती है। पिछले दिनों जारी हुए आईसीसी के रेवेन्यू मॉडल में भी भारत को अगले 4 सालों तक आईसीसी की कमाई का 38.5प्रतिशत हिस्सा शेयर किया जाएगा। बाकी किसी भी देश को कमाई का 7प्रतिशत हिस्सा भी नहीं मिलेगा। भारत को इतनी ज्यादा हिस्सेदारी देने के पीछे कारण भारत की ऑडियंस और बीसीसीआई की मदद से होने वाली आईसीसी की कमाई है। आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई बीसीसीआई की मदद से होती है। ऐसे में आईसीसी ज्यादातर टूर्नामेंट्स की टाइमिंग भारत की ऑडियंस को देखते हुए ही रखता है। इंग्लैंड में 7 से 11 जून के बीच जो डब्लूटीसी फाइनल खेला जाएगा, जो भारत में क्रिकेट देखने वाली ऑडियंस के लिए प्राइम टाइम की तरह है। टीम इंडिया अगर डब्लूटीसी के फाइनल में नहीं पहुंचे तो भी आईसीसी इवेंट्स को देखने वाले ज्यादातर दर्शक भारतीय ही होते हैं।

दूसरा फैक्टर: इस विंडो में इंग्लैंड में ही खेल संभव - इंग्लैंड के अलावा एशियाई देश और साउथ अफ्रीका में ही भारतीय दर्शकों की टाइमिंग के हिसाब से टेस्ट मैच होते हैं। लेकिन इन सभी देशों में जून के दौरान क्रिकेट नहीं खेला जाता और आईसीसी हर इवेंट के लिए एक विंडो पहले से तय रखता है। वर्ल्ड क्रिकेट के बिजी शेड्यूल और दुनियाभर में हो रही फ्रेंचाइजी क्रिकेट को देखते हुए आईसीसी ने डब्लूटीसी फाइनल का विंडो जून महीने को रखा। यानी 2021 से 2025 तक इसी महीने में टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल का होना तय है। इंग्लैंड के साथ श्रीलंका और वेस्टइंडीज में भी जून के दौरान क्रिकेट पॉसिबल है। श्रीलंका में इस दौरान मैच तो होते हैं, लेकिन कई बार उनमें बारिश के कारण दिक्कतें होती हैं। वहीं वेस्टइंडीज में डे-टेस्ट मैच शाम 7:30 बजे शुरू होते हैं। ऐसे में दिन का खेल खत्म होते-होते रात के 3:00 बज जाते हैं, जो इंडियन ऑडियंस के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, एशिया और बाकी टेस्ट प्लेइंग नेशंस के लिए भी सूटेबल नहीं है। जून के दौरान भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में क्रिकेट नहीं होने की सबसे बड़ी वजह यहां का मौसम भी है। भारत में इस दौरान बारिश शुरू हो जाती है, साउथ अफ्रीका में इस दौरान बारिश खत्म हो रही होती है। वहीं ऑस्ट्रेलिया में इस दौरान बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है, जिसमें क्रिकेट पॉसिबल नहीं होता। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया समेत बाकी देश इस दौरान उन देशों का दौरा करते जहां जून, जुलाई और अगस्त में क्रिकेट पॉसिबल हो पाता है। डब्लूटीसी खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया 16 जून से इंग्लैंड में ही एशेज सीरीज खेलेगा, वहीं टीम इंडिया जुलाई में वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। साउथ अफ्रीका टीम इस दौरान कोई इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल रही है।

तीसरा फैक्टर: इंटरनेशनल टूरिस्ट्स का हॉट स्पॉट - इंग्लैंड में मई से सितंबर तक गर्मियों का मौसम रहता है। वैसे तो इंग्लैंड में पूरे साल ठंड रहती है और कभी भी बारिश आ सकती है, लेकिन मई से अगस्त तक यहां गर्मियों का सीजन रहता है। इस दौरान यहां बहुत ज्यादा पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। विजिट ब्रिटेन वेबसाइट के अनुसार, पिछले साल इंग्लैंड में जून-जुलाई के दौरान करीब 38 लाख से भी ज्यादा टूरिस्ट पहुंचे थे। जो पूरे साल में सबसे ज्यादा है। विजिटर्स तो गर्मियों में इंग्लैंड आते ही हैं, इस दौरान यहां इंग्लैंड के तीनों फॉर्मेट के घरेलू टूर्नामेंट (काउंटी चैम्पियनशिप, टी-20 ब्लास्ट और वनडे-कप) भी होते हैं। जुलाई के शुरुआती सप्ताह तक घरेलू टूर्नामेंट खत्म होने के बाद जुलाई अंत से अगस्त तक इंग्लैंड का फ्रेंचाइजी क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड होता है। इस दौरान यहां इंटरनेशनल क्रिकेट जारी रहता है। मई से सितंबर तक इंग्लैंड में बारिश बहुत कम ही मौकों पर मुश्किलें पैदा करती हैं।

नई टेस्ट जर्सी में कोहली-रोहित सहित खिलाड़ियों ने दिया पोज

डब्लूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर इसी जर्सी में उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 7 जून से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने नई टेस्ट जर्सी में फोटोशूट कराया, इसी जर्सी को पहनकर टीम इंडिया ओवल में खेलेगी। बता दें, पिछले महीने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने तीनों फॉर्मेट के किट के लिए एडिडास के साथ कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की थी। नई टेस्ट जर्सी में विराट कोहली, रोहित शर्मा, शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और अन्य खिलाड़ियों को पोज देते देखा जा सकता है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के 11 खिलाड़ियों के फोटोज अपने ऑफिसियल ट्विटर हैंडल पर शेयर किए हैं, और कैप्शन लिखा, लाइट, कैमरा और हेडशॉट्स।

डब्लूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: यशस्वी जायसवाल, मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला 2 दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। मैच इंग्लैंड में लंदन के द ओवल मैदान पर होगा। डब्लूटीसी का पहला फाइनल भी इंग्लैंड में ही हुआ था और 2025 का फाइनल भी इंग्लैंड में ही होगा। 2021 में साउथैम्पटन के मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियनशिप के लिए भिड़े थे। वहीं 2025 में लंदन के ही लॉर्ड्स मैदान पर चैम्पियनशिप का तीसरा फाइनल खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपन...बॉल-गर्ल के सिर पर लगी बॉल: हिट करने वाली काटो और सुत्जियादी की जोड़ी डिसक्वालिफाई

नई दिल्ली।
जापान की युगल खिलाड़ी मियू काटो और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार एल्डिला सुत्जियादी को फ्रेंच ओपन में डिसक्वालीफाई कर दिया गया। यह वाकया तब हुआ जब काटो ने गलती से गेंद बॉल गर्ल की तरफ मार दिया और यह उसके सिर पर जा लगी। बॉल सिर पर लगने के बाद बॉल गर्ल कोर्ट में ही फूट-फूटकर रोने लगी। बॉल लगने के बाद विपक्षी टीम की मैरी बोजकोवा और स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो ने रेफरी से शिकायत की।

इसके बाद रेफरी ने काटो-सुत्जियादी की जोड़ी को डिसक्वालिफाई करने का फैसला किया। इसके बाद चेक गणराज्य की बोजकोवा और स्पेन की टोर्मो की जोड़ी को मैच का विजेता घोषित कर दिया गया। मैच के बाद बोजकोवा ने कहा, मैंने बॉल गर्ल को गेंद लगते हुए नहीं देखा, लेकिन वह करीब 15 मिनट तक रोती रही।

लंबी चर्चा के बाद रेफरी ने युगल जोड़ी को डिसक्वालिफाई कर दिया

काटो और सुत्जियादी विमेंस डबल्स के तीसरे दौर में बुजकोवा और टॉर्मो के खिलाफ 7-6 (1), 1-3 से आगे चल रही थीं। यहां काटो का एक शॉट बॉल गर्ल को जा लगा। इसके बाद काटो और सुत्जियादी ने बॉल गर्ल से माफी मांगी, लेकिन लंबी चर्चा के बाद रेफरी ने काटो और उनकी जोड़ीदार को डिसक्वालीफाई कर दिया।

वर्ल्ड नंबर-1 अल्कारेज ने मुसेटी को हराया

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज ने भी अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली है। 2 घंटे 8 मिनट तक चले मुकाबले में अल्कारेज ने इटली के लोरेंजो मुसेटी को लगातार तीन सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला टूर्नामेंट के पांचवी सीड यूनान के स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

बेंजेमा छोड़ेंगे रियल मैड्रिड का साथ, 14 साल बाद क्लब से अलग होने का लिया फैसला

लंदन।
फ्रांस के स्टार फुटबॉलर ने दिग्गज स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड को छोड़ने का फैसला लिया है। रियल मैड्रिड ने इसकी पुष्टि की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 साल के स्ट्राइकर बेंजेमा सऊदी अरब के किसी फुटबॉल क्लब को जॉइन कर सकते हैं। रियल मैड्रिड ने एक बयान में कहा- हमारे कप्तान करीम बेंजेमा ने एक खिलाड़ी के रूप में उनके शानदार करियर का अंत करने का फैसला लिया है।

क्लब ने कहा- मैड्रिड बेंजेमा के प्रति अपना आभार और प्यार जताना चाहता है। वह हमारे क्लब के लिए महानतम फुटबॉलर्स में से एक रहे हैं। बेंजेमा के क्लब छोड़ने का फैसला तब आया है, जब रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा था कि बेंजेमा रियल मैड्रिड नहीं छोड़ रहे हैं और उनके पास क्लब में एक और साल का कॉन्ट्रैक्ट बाकी है।

इतना ही नहीं बेंजेमा ने भी सऊदी अरब जाने की रिपोर्ट आने के बाद खुद कहा था कि इंटरनेट पर आप जो कुछ भी पढ़ते हैं वह वास्तविकता नहीं है। फ्रेंच फॉरवर्ड 2009 में लीग-वन साइड लियोन से रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे। बेंजेमा ने क्लब में खुद को क्रिस्टियानो रोनाल्डो और गैरेथ बेल के साथ एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। इस तिकड़ी को बीबीसी (बेंजेमा, बेल और क्रिस्टियानो) नाम दिया गया था। 2018 में रोनाल्डो के क्लब छोड़ने के बाद वह टीम के लीड स्ट्राइकर बन गए थे। बेंजेमा ने मैड्रिड के साथ 24 ट्राफियां जीती हैं, जिसमें पांच चैंपियंस लीग, चार ला लीगा खिताब और तीन कोपा डेल रे शामिल हैं। उन्हें शानदार फुटबॉल के लिए पिछले साल बैलोन डी ओर दिया गया था। वह रियल मैड्रिड के सर्वकालिक दूसरे शीर्ष स्कोरर हैं। मैड्रिड के लिए बेंजेमा ने 353 गोल दागे। रोनाल्डो के 450 गोल के बाद वह दूसरे नंबर पर हैं। रियल मैड्रिड के लिए बेंजेमा की अंतिम उपस्थिति एथलेटिक बिल्बाओ के खिलाफ मैच में हो सकती है। मैड्रिड ने पुष्टि की थी कि ईडन हजार्ड, मार्को असेंसियो और मारियानो डियाज समेत कुछ खिलाड़ी इस समर क्लब को छोड़ रहे हैं। वहीं, कोच एंसेलोटी ने इंग्लैंड और टोटेनहम के स्टार स्ट्राइकर और कप्तान हैरी केन में मैड्रिड की कथित दिलचस्पी के बारे में बात करने से परहेज किया था।

रेसलर साक्षी-बजरंग और विनेश नौकरी पर लौटे

एक दिन पहले गृहमंत्री शाह से मुलाकात की थी, साक्षी ने कहा- लड़ाई जारी रहेगी

रेवाड़ी।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल रेसलर्स साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट अपनी नौकरी पर लौट गए हैं। तीनों रेलवे में नौकरी करते हैं। रेलवे पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर जनरल योगेश बवेजा ने इसकी पुष्टि की है। बताया कि तीनों ने ही ड्यूटी जॉइन की है। ये खबर तब आई है, जब दावा किया जा रहा है कि बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली नाबालिग रेसलर अपने बयान से पलट गई है। दावे के मुताबिक, नाबालिग ने दिल्ली के कनॉट प्लेस पुलिस थाने में बयान दिए। इसके बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया गया, जहां उसने बयान वापस ले लिया। पहले खबर ये आई थी कि पहलवानों ने आंदोलन से भी नाम वापस ले लिया है, लेकिन साक्षी मलिक ने ट्वीट करके इस तरह की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा- इंसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। बजरंग पूनिया ने भी कहा- एफआईआर वापस लेने वाली बात झूठी है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

नाबालिग पहलवान की उम्र को लेकर जांच जारी - नाबालिग पहलवान की उम्र को लेकर भी विवाद है। लड़की के चाचा ने दावा किया कि उसकी उम्र 18 साल से ज्यादा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की एक टीम रोहतक भी आई थी। स्कूल में रिकॉर्ड की जांच की गई। नाबालिग पहलवान और उनके माता-पिता ने कुछ दिन पहले साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के साथ हरिद्वार में हर की पौड़ी में मेडल बहाने से इनकार कर दिया गया था। पिता भी किसी से मिलने को तैयार नहीं हैं। न ही वह अपनी लोकेशन बता रहे हैं।

बृजभूषण को राहत मिल सकती है - अगर नाबालिग पहलवान ने शिकायत वापस ले ली तो फिर बृजभूषण से पोकसो एक्ट हट जाएगा। ऐसे में छेड़छाड़ का केस बचेगा और उनकी पहले गिरफ्तारी की जरूरत नहीं रह जाएगी।

नाबालिग पहलवान ने बृजभूषण पर लगाए थे ये आरोप - नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा, बेटी ने 16 साल की उम्र में झारखंड के रांची में नेशनल गेम्स में जूनियर रेसलिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता। यहीं पर फोटो लेने के बहाने बृजभूषण ने जबरन बेटी को अपने करीब खींचा। उसे बाहों में इतना कसकर जकड़ लिया कि वह खुद को छुड़ाने के लिए हिल तक नहीं पाई। बृजभूषण हाथ उसके कंधे से नीचे ले गया। बृजभूषण ने बेटी से कहा कि तुम मुझे सपोर्ट करो और मैं तुम्हें सपोर्ट करूंगा। पहलवान बोली कि मैं अपने बलबूते यहां तक आई हूं और मेहनत करके आगे तक जाऊंगी। बृजभूषण ने कहा कि एशियन चैम्पियनशिप के ट्रायल जल्द होने वाले हैं। कोऑपरेट नहीं किया तो खमियाजा ट्रायल्स में भुगतना पड़ेगा। बृजभूषण ने नाबालिग पहलवान को कमरे में बुलाया। नाबालिग पहलवान प्रेशर में थी कि उसका करियर बृजभूषण बर्बाद न कर दे इसलिए वह मिलने चली गई। वहां पहुंचते ही बृजभूषण ने उसे अपनी तरफ खींचा और जबरदस्ती शारीरिक संबध बनाने की कोशिश की। नाबालिग पहलवान इससे पूरी तरह सहम गई। उसने किसी तरह खुद को छुड़ाया और कमरे से बाहर भाग निकली। इसके बाद 2022 के मई महीने में एशियन चैम्पियनशिप के ट्रायल हुए जहां बृजभूषण ने कहे मुताबिक नाबालिग पहलवान के साथ भेदभाव किया। ये सब बृजभूषण के कहने पर किया गया, क्योंकि मेरी बेटी ने उसकी यौन इच्छा पूरी करने से इनकार कर दिया था। 2022 में जब नाबालिग पहलवान लखनऊ ट्रायल्स में प्रैक्टिस कर रही थी तो बृजभूषण फिर उसके पास आया। बृजभूषण ने उसे पर्सनली मिलने को कहा। नाबालिग पहलवान ने कहा कि बार-बार परेशान न करें।

इस मामले में अब तक क्या-क्या हुआ - 18 जनवरी को जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया ने धरना शुरू किया। आरोप लगाया कि बृजभूषण सिंह ने महिला पहलवानों का यौन शोषण किया।

सुरों के साथ भरें भविष्य की उड़ान

पहले म्यूजिक को सिर्फ मनोरंजन का साधन माना जाता था, लेकिन समय के बदलते ही म्यूजिक कॅरियर का बहुत अच्छा साधन बन गया है । दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे गीत-संगीत में रुचि न हो। भारतीयों को तो संगीत से हमेशा से ही विशेष लगाव रहा है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविधता तथा प्रचुरता का सारा विश्व कायल है। गीत-संगीत बॉलीवुड फिल्मों का हमेशा सबसे अहम अंग रहा है।

म्यूजिक के उस्ताद बनने के लिए

म्यूजिक के जरिए इंसान अपनी इमोशन, फीलिंग्स को पेश कर सकते हैं और यही नहीं इंसान अपने मन के भावों को भी बयान कर सकता हैं। इस क्षेत्र में उस्ताद बनना कोई आसान काम नहीं है इसके लिए सच्ची लगन और हॉर्ड वर्क की जरूरत होती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के लिए आपके पास नेचुरल टैलेंट होना बेहद जरूरी है। नैचुरल टैलेंट के जरिए ही आपको इस क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी और आप आगे बढ़ेंगे।

आखिर क्या चाहिए योग्यता...?

अगर आप ने 12वीं कक्षा पास कर ली हैं तो आप आसानी से म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं और आप इसमें सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवॅल के कोर्स भी कर सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप अपना म्यूजिक एलबम जारी कर सकते हैं, पार्श्व गायक बन सकते हैं, फिल्मों में गाने गा सकते हैं, टेलीविजन पर म्यूजिक-शो होस्ट कर सकते हैं, जिंगल्स और विज्ञापनों के लिए अपनी आवाज दे सकते हैं या फिर स्टेज-शो भी कर सकते हैं ।

डीजे/ वीजे और आरजे: अगर आप संगीत में रुचि रखते हैं पर गाना गाने में खुद को असमर्थ पाते हैं तो आप इन ऑफबीट करियर क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इनके जरिए आप हमेशा संगीत के संपर्क में बने रहेंगे।

संगीत संबंधी कोर्स करवाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान...

- डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीराम भरतिया, दिल्ली कला केंद्र, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश
- भातखंडे म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

कैमिकल युक्त फल-सिब्जयों को साफ करने के खास उपाय

उत्तम क्वालिटी के फल और सिब्जयों की चाहत में आज के किसान सस्ते और हानिकारक कैमिकल का प्रयोग करते हैं। जिन्हें पेस्टीसाइड कहा जाता है। फलों और सिब्जयों के माध्यम से हमारे शरीर में पहुंचकर ये हानिकारक पेस्टीसाइड कैंसर , बच्चों में जन्मजात अपंगता जैसी बीमारी पैदा कर सकते हैं। हमारे शरीर को ये पेस्टीसाइड नुकसान न पहुंचा सके इसके लिये जरूरी हैं कि इन फलों और सिब्जयों को खाने से पहले ठीक से साफ किया जाये, आखिर क्या है ये तरीका-नमक वाला पानी, हल्दी युक्त पानी, सिरके का प्रयोग, बेकिंग सोडा,छिलका छील कर खायें।

आंखों के लिए जरूरी है भरपूर नींद

आंखों को आराम देने के लिए पर्याप्त आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए। और साथ ही आंखों के आसपास की त्वचा को पुष्ट करने के लिए बादाम के तेल से आंखों के नीचे हल्के हाथ से मालिश करनी चाहिए। इससे आंखों के नीचे काले घेरे भी दूर होते हैं। इसके अलावा आंखों के नीचे एंटी रिंकल क्रीम लगानी चाहिए। एंटी रिंकल क्रीम में मौजूद तत्व होते है विटामिन सी और ग्रीन टी, जो आंखों के काले घेरे बनने से रोकने में लाभकारी है।

अब क्यों नहीं हो पाती नॉर्मल डिलीवरी?

आखिर क्या बदल गया है आज? कौन-सी बात है जो आज की गर्भवती महिलाओं को नॉर्मल डिलीवरी से दूर कर रहा है? डॉक्टर की मानें तो महिलाओं के लिए गर्भाधारण की सही उम्र 21 से 35 साल है, लेकिन करियर और शादी में देरी के कारण उनकी गर्भधारण संबंधी प्रक्रिया में परेशानी देखने को मिल रही हैं।

गर्भाधारण से जुड़ी जानकारियां

विशेषज्ञों की मानें तो उम्र के साथ महिलाओं में गर्भाधारण को लेकर परेशानियां भी बढ़ती जाती हैं। जहां 19 से 25 साल तक की महिलाओं में प्रतिमाह 50 प्रतिशत तक प्रेगनेंसी के चांसेज रहते हैं, वहीं 30 साल की उम्र के बाद इसके चांसेज 30 प्रतिशत रह जाते हैं और गर्भपात की दर बढ़ती जाती है और 35 साल की महिलाओं के गर्भवती होने के चांसेज 20 साल की महिला के मुकाबले आधी हो जाती है। डॉक्टर के अनुसार तकरीबन 40 प्रतिशत जोड़ों को स्पर्म से जुड़ी समस्याओं की वजह से गर्भाधारण की समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। ऐसे जोड़ों को इस बात का खास खयाल रखना चाहिए कि संभोग के दौरान शुक्राणु और अंडाणु के मिलने के लिए 24 घंटे तक का समय ही रखें, ताकि गर्भाधारण में किसी भी तरह की समस्या न आए। वैसी महिलाएं जिन्हें 21 से कम या 35 से ज्यादा दिनों के अंतर में पीरियड्स हो रहे हों, को जल्द से जल्द किसी स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलना चाहिए।

अंधविश्वास

तमाम बातों के बावजूद यह भी एक मिथक है कि बड़ी उम्र में महिलाओं को सिजेरियन होना लाजिमी है। पर सिजेरियन बेबी का एक अन्य मुख्य कारण पंडितों पर किए जाने वाला अंधविश्वास भी है। तेज दिमाग और बेहतर भविष्य वाले बच्चों की चाहत में पंडितों के दिशा निर्देश से उनके जन्म को लेकर सही समय तय कर लिया जाता है। तय समय पर नॉर्मल डिलीवरी न होने पर माता-पिता सिजेरियन करवाने तक के लिए जोर डालने लगते हैं। जबकि इसके लिए महत्वपूर्ण सलाह केवल चिकित्सकों से ही ली जानी चाहिए।

मोटापा व अन्य बीमारियां

नॉर्मल डिलीवरी न होने की एक अन्य वजह गर्भवती महिला के मोटापे का शिकार होना भी है। गर्भावस्था के दौरान या उससे पहले युवती का अधिक मोटा होना बच्चों के जन्म के समय परेशानी का कारण बन जाता है। यही वजह है कि मोटापे पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा यदि मां को मधुमेह, थॉयराइड या फिर उच्च रक्तचाप हो तो भी नॉर्मल डिलीवरी में परेशानियां आती ही हैं। गर्भाधारण से लेकर डिलीवरी तक बीच-बीच में गर्भवती महिला को डॉक्टर की निगरानी में अल्ट्रासाउंड करवाते रहना चाहिए। इससे पहली बार मां बनने जा रही महिलाएं प्री-मैच्योर डिलीवरी और प्रेगनेंसी के दौरान एबनार्मल ब्लीडिंग आदि की समस्याओं से काफी हद तक मुक्त रह सकती हैं।

सावधानियां

अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह रहती हैं। शादी के बाद में फिट रहना उनके लिए और जरूरी हो जाता है। इसके लिए जरूरी है कि वे

- नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।
- तनावमुक्त रहने की कोशिश करें।
- जहां तक हो सके, जंक फूड का सेवन न करें।
- शराब या सिगरेट से बचें।
- नियमित रूप से योग, ध्यान आदि करें।

नोट: डॉक्टर कहती हैं कि हर गर्भवती महिला को फॉलिक एसिड की गोलियां अलग से लेनी चाहिए। विटामिन की ये अतिरिक्त गोलियां गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद जरूरी हैं।

दौड़ने से पहले सीखिए दौड़ की भाषा

दौड़ना एक अच्छी एक्सरसाइज मानी जाती है। कई लोग इसके फायदों से प्रभावित होकर दौड़ना शुरू कर देते हैं। दूसरी एक्सरसाइज की तरह इस एक्सरसाइज के भी कुछ कायदे हैं। दौड़ना शुरू करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

छोटी शुरुआत करें

शुरुआत के एक सप्ताह में 20 से 30 मिनट तक हल्की चहलकदमी करें। 100 से 200 मीटर के दायरे में अपनी एक्सरसाइज समेट दें। इस बात का ध्यान रखें कि इस दौरान आपको ज्यादा थकान तो नहीं महसूस हो रही है। अगर आपको लगे कि आपकी सांस जरूरत से ज्यादा फूल रही है तो इसका मतलब है कि आपको एक्सरसाइज की दूरी, स्पीड और समय कम कर देना चाहिए। अगर आप सामान्य और सहज महसूस करें तो दूरी, स्पीड और समय बढ़ा सकते हैं। हो सकता है शुरुआत में आपको थकान ज्यादा महसूस हो और बाद में आप कम थकने लगें। जब थकान कम महसूस होने लगे तो दूरी, स्पीड और समय बढ़ा दें।

पॉश्चर का रखें खयाल

दौड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपका पाश्चर एकदम सही हो। अगर आपका पाश्चर सही नहीं है तो आपकी मांसपेशियों को नुकसान भी पहुंच सकता है। दौड़ते समय आपकी पीठ एकदम सीधी होनी चाहिए। दौड़ते समय ज्यादातर लोगों के हाथ सामने की ओर हवा में होते हैं। इस बात का खयाल रखें कि हाथ सीने से ऊपर न उठे हों। आपके हाथ खुले नहीं होने चाहिए। बल्कि उंगलियों की मुट्ठी बंधी होनी चाहिए। आपकी कोहनी 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी होनी चाहिए। दोनों हाथों की पोजिशन एक जैसी होनी चाहिए। एक ऊपर और दूसरा नीचे या एक आगे और दूसरा पीछे नहीं होना चाहिए। पैरों का भी पूरा खयाल रखें। पैर उठाने और रखने में उछाल नहीं होना चाहिए। बल्कि सहजता होनी चाहिए।

एकदम से न लगाएं ब्रेक

दौड़ना शुरू करने से पहले हमेशा पांच से दस मिनट की हल्की चहलकदमी करें। हाथ और पैरों का हल्का-फुल्का व्यायाम भी करें। हफ्ते में तीन से चार दिन आप दौड़ सकते हैं। कई लोग हफ्ते में एक बार लंबी दौड़ लगाते हैं, फिर थकने के कारण पूरे हफ्ते आराम करते हैं। ऐसा करने से बचें। कई बार लोग लगातार एक हफ्ते तक दौड़ लगाते हैं और अगले पूरे हफ्ते आराम करते हैं, यह भी न करें। अगर आप दौड़ने की दूरी बढ़ा रहे हैं तो एक हफ्ते में दस प्रतिशत से ज्यादा न बढ़ाएं।

खाने-पीने के शेड्यूल पर दें ध्यान तो होगा फायदा

स्पेशल जूस से कम हो सकता है आपका वजन

आज हर 5 में से 3 शख्स मोटापे का शिकार है। मोटापा और भी बहुत सारी बीमारियों की जड़ बनता है। जरूरत से ज्यादा और बेवक्त खाना खाने से लोग मोटापे का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में जब शरीर में फैट जमा होता हैं तो वजन बढ़ने लगता है। बढ़ते वजन को कम करने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कसरत, घरेलू नुस्खे और डाइटिंग करते हैं, लेकिन कई बार ये सब कुछ करने के बावजूद भी वजन कम नहीं होता।

आपके शरीर की कैलोरा करेगा बर्न...

अगर आप भी मोटापे की परेशानी से जूझ रहे हैं तो इस तरीके को ट्राई करके देखें। वैसे तो बढ़ते वजन को कम करने के लिए कसरत करना काफी महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इसके अलावा आपको अपने खाने-पीने की आदतों की तरफ ध्यान देने की भी जरूरत होती है। वजन करने के लिए आप 5 मिनट में तैयार हो जाने वाले इस हैल्दी जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपके शरीर से कैलोरी को बर्न करेगा और आपका वजन कम करेगा।

जूस बनाने की विधि: एक बर्तन में एक नींबू का रस निचोड़ें। उसमें पिसा हुआ हरा धनिया तकरीबन 60 ग्राम मिलाएं और लगभग 4 गिलास पानी मिलाकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इस जूस को लगातार खाली पेट 5 दिन तक पीएं। हरा धनिया पाचन शक्ति को बढ़ाता है और खून की अशुद्धियों को दूर करता है, जबकि नींबू हाई ब्लडप्रेशर को नियंत्रण में रखता है। इस जूस को लगातार 5 दिन खाली पेट पीने से आप लगभग 5 किलो वजन कम कर सकते हैं।

क्यों खाना चाहिए रात को हल्का खाना...?

हम हमेशा से ही सुनते आए है कि ब्रेकफास्ट हैवी और डिनर हल्का-फुल्का होना चाहिए, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि रात के समय खाना हल्का क्यों खाना चाहिए। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि रात के समय पाचन तंत्र सही ढंग से काम नहीं कर पाता, जिससे खाना जल्दी पचता नहीं है और वह चर्बी बनाने का काम करता है। इस बात का हमारी सेहत पर गंभीर असर पड़ता है। अगर आप रात के समय ऑयली और मसालेदार खाना खाते हैं तो उसे मोटापा आ सकता है और इससे पाचन क्रिया पर भी असर पड़ता है। ऐसा खाना खाने से नींद नहीं आती और बेचैनी बनी रहती है। रात के समय खाना खाते के बाद तुरंत नहीं सोना चाहिए, क्योंकि इसे चर्बी जमने का भी खतरा बढ़ जाता है, जबकि दिन के समय काम करने से फैट के जमने की आशंका कम होती है। रात के समय खाना खाने के 1-2 घंटे बाद सोना चाहिए, क्योंकि इसे ब्लड शुगर भी नियंत्रण में रहता है। रात को हल्का खाना खाने से सुबह के समय शरीर का एनर्जी लेवल भी बना रहता है।

रेसिपी

फ्रूट लस्सी

सामग्री

दही 2 कप
दूध 1 कप
आम कटा हुआ 1
केले कटे हुए 2
बादाम 5
इलायची 4 से 5 छोटी
चीनी या शहद स्वादानुसार
बर्फ के टुकड़े 5

विधि

फ्रूट लस्सी बनाने के लिए सबसे पहले आप मिक्सर में केले, आम, दूध, बादाम और इलायची के बीज डालकर बारीक कर लें। बाद में इसमें दही, बर्फ के टुकड़े और शहद या चीनी डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। जब सारी चीजें मिक्स हो जाए तो इसे एक गिलास में डाल कर सबको सर्व करें।

क्रिस्पी हनी चिली गोभी

सामग्री

फूल गोभी (3 कप कटी हुई), कॉर्न फ्लोर (2 टेबलस्पून), मैदा (1 कप), शहद (2 छोटे चम्मच), काली मिर्च पाउडर (आधा छोटा चम्मच), प्याज (1 बड़ा बारीक कटा), अदरक (एक इंच कटा हुआ), लहुसन (1 छोटा चम्मच कटा हुआ), हरी मिर्च (2 बारीक कटी), वाइट विनेगर (1 टेबलस्पून), रेड चिली सॉस (1 छोटा चम्मच), ग्रीन चिली सॉस (1 छोटा चम्मच), सोया सॉस (2 टेबलस्पून), टोमेटो सॉस (2 टेबलस्पून), नमक स्वादानुसार, तेल (तलने के लिए), हरा धनिया गार्निश के लिए

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, कॉर्न फ्लोर, थोड़ा नमक और काली मिर्च पाउडर पानी में मिलाकर घोल बना लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इस मिक्सचर में कटे हुए गोभी के टुकड़ों को डालकर डीप फ्राई करें। अब एक पैन में थोड़ा-सा तेल डालकर लहुसन, अदरक, हरी मिर्च और प्याज डालकर 2 मिनट तक भूने। इसके बाद टोमेटो सॉस, रेड चिली सॉस, ग्रीन चिली सॉस, सोया सॉस, वाइट विनेगर, शहद और नमक डालकर थोड़ा सा पानी मिक्स करके अच्छे से उबाल लें। इसमें अब तले हुए गोभी के टुकड़े डाले और अच्छी तरह मिलाए। जब गोभी में सॉस के फलेवर मिल जाए तब गैस बंद कर दें। अब इसके ऊपर कटा धनिया डाल दें। आपकी हनी चिली गोभी बनकर तैयार है।

स्टाइलिश लुक के लिए जरूरी बैग और शूज का पेयर

सभी फैशन माइंडिड गर्ल्स यह जानती हैं कि परफेक्ट एक्सेसरी के बगैर कोई भी आउटफिट कम्पलीट नहीं होती। इस सीजन में आइकॉनिक लुक क्रिएट करने के लिए शूज और बैग्स का कॉम्बीनेशन बेहद खास है। बैग और शूज के बढ़िया पेयर से आप अमेजिंग लुक क्रिएट कर सकती हैं। कई महिलाएं शूज और बैग का एक ही कलर चूज कर लेती हैं और उनकी पहली चॉइस हमेशा ब्लैक ही होती है। अगर आप सेम कलर में ही दोनों एक्सेसरी पहन रही हैं, तो जान लें कि 30 की उम्र के बाद अगर आप मैचिंग बैग और शज कैरी करती हैं आपकी उम्र में 10 साल और एड हो जाते हैं। अगर आपको एक ही कलर का बैग और शूज पहनने हैं तो अलग-अलग टेक्चर ट्राई करें। इससे लैट लुक का इफैक्ट खत्म होगा।

लुक में एड कर देते हैं थोड़ी और फॉर्मेलिटी

यदि आपने लोरल, ग्राफिक या बोल्ड प्रिंट वाली ड्रेस पहनी है तो आप नैचुरल और सिंगल कलर बैग और सैंडल्स कैरी करें। प्रिंटेड ड्रेस के साथ प्रिंट बैग और शूज आपके लुक को बिगाड़ देंगे। आप व्हाइट या बेबी ब्ल्यू बैग को जेब्रा प्रिंट शूज के साथ पेयर करें। आपके लुक में थोड़ी और फॉर्मेलिटी एड कर देते हैं। ब्राउन लैदर बैग को लैपर्ड पप्स के साथ कम्बाइन करके आप स्टाइलिश लुक पा सकती हैं। कई बार दो प्रिंटेड एक्सेसरीज एक से बेहतर होती हैं। समान टोन वाले स्नेक स्किन प्रिंटेड बैग और लोरल हील्स को पेयर करें और फिर देखें इसका इफैक्ट। इसका सीधा-सा नियम है कि दो प्रिंटेड एक्सेसरीज में से एक ऐसी हो जो आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करे। ऐसा न हो कि दोनों ही अटेंशन पाने के लिए एक-दूसरे से कपीट कर रही हों।

न्यूड क्लच आपके वार्डरोब में जरूर होनी चाहिए

अगर आप शॉपिंग के लिए जा रही हैं तो टील कलर की चंकी हील्स और ओवर साइज्ड क्लच आपकी कैजुअल आउटफिट्स को भी बेहद सुंदर बना देते हैं। आपके हाथ में पकड़ा ओवर साइज्ड क्लच आपके लुक को और ज्यादा पॉलिश कर देगा। एक्स्ट्रा सपोर्ट के लिए आप स्ट्रैप्स वाले शज पहन सकती हैं, इससे आपको चलने में आसानी होगी। अब अगर आप शॉपिंग पर जा रही हैं तो आपको यकीनन खूब चलना पड़ेगा ही। टोट बैग ओवरसाइज्ड होता है तो इसकी कैजुअल लुक को लैट शूज के साथ पेयर करें। यह आपको खूबसूरत वर्किंग गर्ल का लुक देगा। इसका एक फायदा यह भी है कि जब आप हील्स पहनना चाहें तो लैट्स को अपने टोट बैग में रख सकती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**